THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 298 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.6 2081 सोमवार, 20 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बॉर्डर पर बांग्लादेश की हरकत से त्रिपुरा हुआ चिंतित

इंफाल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश और भारत के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हैं। त्रिपुरा सरकार ने त्रिपुरा के उनाकोटी जिले के देवीपुर के पास भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा के करीब बांग्लादेश सरकार द्वारा मनु नदी पर तटबंध के निर्माण की खबर पर चिंता व्यक्त की है। उनाकोटी के जिला मजिस्ट्रेट दिलीप कुमार चकमा के नेतृत्व में एक टीम ने शुक्रवार को जीरो पॉइंट से साइट का निरीक्षण किया और कहा कि सीमा पार तटबंध के कारण कैलासहर टाउनशिप को विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ सकता है। शनिवार शाम को इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए दिलीप कुमार चकमा ने कहा, हमारे पास एक तटबंध है। उनके पास एक तटबंध है। >14

महाकुंभ मेले में आग

गीता प्रेस के 180 कॉटेज जले

> खाना बनाते वक्त सिलेंडर ब्लास्ट की आशंका > एक घंटे में काबू पाया
> योगी ने लिया जायजा, पीएम मोदी को दी जानकारी

प्रयागराज, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में महाकुंभ के मेला क्षेत्र में शाम करीब साढ़े चार बजे आग लग गई। शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में ये आग लगी। गीता प्रेस के 180 कॉटेज आग में जल गए। अफसरों के मुताबिक, खाना बनाते समय सिलेंडर ब्लास्ट हो गया था। इसके बाद कई सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। 12 फायर ब्रिगेड ने आग पर एक घंटे के भीतर काबू पा लिया। एक संन्यासी के एक लाख रुपये के नोट भी जल गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी को फोन कर घटना की पूरी जानकारी ली। आग लगने की घटना से कुछ देर पहले ही उन्होंने हेलिकॉप्टर से महाकुंभ मेला क्षेत्र का जायजा लिया था। महाकुंभ मेला क्षेत्र को फायर फ्री बनाने के लिए यहां 350 से ज्यादा फायर ब्रिगेड, 2000 से ज्यादा ट्रेंड मैनपावर, 50 अग्निशमन केंद्र और 20 फायर पोस्ट बनाए गए हैं। अखाड़ों और टेंट में फायर प्रोटेक्शन इक्विपमेंट लगाए गए हैं।

गीता प्रेस के ट्रस्टी कृष्ण कुमार खेमका ने बताया, लगभग 180 कॉटेज बने हुए थे। हमने बहुत सावधानी से बनाया। सभी को मना किया गया कि किसी प्रकार का अग्नि का कोई काम ना करें। जहां हमने सीमा बनाई उसके पार सर्कुलेटिव एरिया घोषित की गई थी। पता नहीं प्रशासन ने वे जगह किसे दे दी। उस तरफ से अग्नि की कोई चीज हमारे तरफ आई और आग फैल गई। हमारा कुछ नहीं बचा सब खत्म हो गया। हमारी रसोई टीन शेड पक्की थी। तेज हवा के कारण एक टेंट से दूसरे टेंट तक आग बढ़ती चली गई। दावा किया जा रहा है कि नागा संन्यासियों के करीब 200 टेंटों को आग ने अपनी चपेट में लिया। इस आग गीता प्रेस के शिविर से भड़कने की बात सामने आ रही है। >14

आंध्र प्रदेश में गरजे अमित शाह

महाराष्ट्र और हरियाणा की तरह दिल्ली में भी बनेगी एनडीए की सरकार

विजयवाड़ा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश के गन्नावरम मंडल के कोंडा पावुलुरू में 10वीं बटालियन एनडीआरएफ परिसर और एनआईडीएम दक्षिणी परिसर का उद्घाटन किया। इस दौरान आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायुडू भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब कोई आपदा भगवान द्वारा भेजी जाती है, तो एनडीआरएफ मदद के लिए आती है।

कोई आपदा मानव निर्मित होती है तो एनडीए मदद के लिए आती है। महाराष्ट्र और हरियाणा में भारी जीत के बाद एनडीए 2025 में दिल्ली में सरकार बनाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2014 से 2019 के बीच संभावनाओं से भरा राज्य आंध्र प्रदेश मानव निर्मित आपदा के कारण पीड़ित रहा। अब आपको उन बर्बाद हुए पांच वर्षों के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। पीएम मोदी और सीएम नायुडू की जोड़ी यहां विकास की रफ्तार को तीन गुना तेज करेगी। नरेंद्र मोदी सरकार आंध्र प्रदेश के विकास के लिए चंद्रबाबू नायुडू के साथ चट्टान की तरह खड़ी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने छह महीने में आंध्र प्रदेश के लिए तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। हुडको, विश्व बैंक के माध्यम से राजधानी अमरावती के विकास के लिए 27,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं। >14

बीड की स्थिति संभालने के लिए अजित पवार बने संरक्षक मंत्री

सोलापुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने जिलों में संरक्षक मंत्री नियुक्त कर दिए हैं। इसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार को पुणे के अलावा बीड जिला भी आवंटित किया गया है। इसे लेकर एनसीपी (शरद) के महाराष्ट्र अध्यक्ष जयंत पाटिल ने अजित पवार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरपंच की हत्या के बाद बिगड़ती स्थिति को लेकर अजित पवार ने बीड का संरक्षक मंत्री बनने में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति की आलोचना करने का कोई मतलब नहीं है। अब यह देखना होगा कि संरक्षक मंत्री कैसा प्रदर्शन करते हैं। पाटिल ने कहा कि बीड में स्थिति जटिल है। इसलिए अजित पवार ने वहां जाना पसंद किया होगा। वहीं मंत्री चंद्रकांत पाटिल को सांगली जिले का संरक्षक मंत्री बनाए जाने पर एनसीपी (शरद) के नेता ने कहा कि उम्मीद है कि वे जिले के विकास के लिए काम करेंगे और सबको साथ लेकर चलेंगे।

उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ महीने में राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। पुलिस की ताकत नजर नहीं आ रही है। पुलिस पूरी तरह से फेल है। कानून का कोई डर नहीं है। पुलिस पक्षपात कर रही है। मालशिरास विधानसभा सीट से एनसीपी (शरद) के विधायक उत्तम जानकर के 23 जनवरी को चुनाव आयोग को इस्तीफा देने की खबर पर पाटिल ने कहा कि उन्होंने शायद बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग को लेकर चुनाव आयोग पर दबाव बनाने के लिए ऐसा प्रयास किया है। मालशिरास विधानसभा सीट के अंतर्गत आने वाले गांव मरकाडवाड़ी के लोगों ने ईवीएम पर शंका जाहिर की थी और बैलेट पेपर से फिर से चुनाव कराने की मांग की थी।

राहुल को नहीं पता कि उनके पिता-दादी और परदादा ने संविधान के साथ कैसे छेड़छाड़ की, नड्डा ने कसा तंज

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने भाजपा के 'संविधान गौरव अभियान' में बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी को इतिहास की जानकारी नहीं है। नड्डा ने कहा कि राहुल को पता ही नहीं है कि उनके पिता, दादी, परदादा ने संविधान के साथ कैसे छेड़छाड़ की थी। नड्डा का ये बयान राहुल गांधी के उस बयान पर पलटवार के तौर पर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने इस देश की हर एक संस्था पर कब्जा कर लिया है। अब हम भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से ही लड़ रहे हैं। भाजपा के 'संविधान गौरव अभियान' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 65 वर्षों तक देश पर शासन किया और उसके नेताओं ने संविधान के साथ छेड़छाड़ की। इतना ही नहीं संविधान के बुनियादी प्रावधानों को भी नष्ट करने की कोशिश की। नड्डा ने नरेंद्र मोदी सरकार, भाजपा और आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी में "भारतीय राज्य" शब्द का इस्तेमाल करने के लिए गांधी पर हमला किया। नड्डा ने कहा कि आज हमारे कांग्रेस नेता कहते हैं कि भारतीय राज्य के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्हें इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है, न ही उनका इससे कोई लेना-देना है। नड्डा ने कहा कि भारत अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाने के लिए तैयार है। >14

सैफ पर हमला : पुलिस का दावा चोरी के इरादे से घर में घुसा था

कोर्ट ने 5 दिन की पुलिस कस्टडी दी

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के घर में घुसकर हमला करने के मामले में मुंबई पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने रविवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आरोपी को शनिवार रात 2 बजे ठाणे के एक लेबर कैंप से गिरफ्तार किया गया।

मुंबई पुलिस के डीसीपी गेदाम दीक्षित ने बताया कि आरोपी चोरी करने के इरादे से एक्टर के घर में घुसा था। उसके पास भारत का कोई वैध दस्तावेज नहीं है। उसके पास जो चीजें मिली हैं, उनके आधार पर बांग्लादेशी होने का शक है। मुंबई पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया है।

आरोपी हमलावर है या नहीं, पुलिस बोली- जांच चल रही : इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस ने यह तो कहा कि आरोपी सैफ अली खान के घर में घुसा था, लेकिन पुलिस ने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया कि इसी आरोपी ने सैफ पर हमला किया था या नहीं। जब मीडिया ने पूछा कि वारदात के समय वह अकेला था या कुछ और लोग भी साथ थे, तो पुलिस ने कहा- जांच चल रही है। इससे पहले पुलिस ने शनिवार को एक संदिग्ध को छत्तीसगढ़ के दुर्ग से हिरासत में लिया था, लेकिन वह इस मामले में शामिल नहीं निकला, जिसके बाद उसे छोड़ दिया गया। पुलिस अब तक करीब 50 लोगों से पूछताछ कर चुकी है।

वांगचुक : शिक्षा में दिल और दिमाग का संगम जरूरी

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मशहूर पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक इन दिनों भारत भ्रमण पर हैं। दरअसल वे लद्दाख में किए गए अपने धरना प्रदर्शन का समर्थन करने वाले लोगों से मिल रहे हैं और उन्हें धन्यवाद दे रहे हैं। इस कड़ी में सोनम वांगचुक फिलहाल कोलकाता पहुंचे हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने भारतीय रेलवे की तारीफ की।

सोनम वांगचुक ने कहा कि उनकी कई ट्रेनें कोहरे की वजह से कई-कई घंटे देर से चली हैं। हालांकि जिस ट्रेन से वे गुजरात से मुंबई पहुंचे, वह बिल्कुल सही समय पर स्टेशन पहुंची। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल इस तरह से भी चलती है और हम सभी लोग मिलकर इसे बेहतर बनाने की कोशिश करें। सोनम ने कहा कि हमारे आईआईटी और विभिन्न तकनीकी संस्थान इस मुद्दे पर डिबेट करें कि कोहरे में भी ट्रेनों को कैसे समय पर पहुंचाया जाए।

'इंडिया स्टेट' वाला बयान राहुल गांधी के लिए बना मुसीबत

बिहार के बाद गुवाहाटी में भी केस दर्ज

गुवाहाटी, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भाजपा, आरएसएस के साथ ही 'इंडिया स्टेट' से लड़ाई वाले बयान को लेकर मुसीबतों से घिर गए हैं। बयान को लेकर राजनीतिक विरोध झेल रहे राहुल गांधी के खिलाफ गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

कांग्रेस नेता के खिलाफ गुवाहाटी के पान बाजार थाने में शनिवार को बीएनएस के तहत गैर जमानती धाराओं में यह केस दर्ज किया गया। आरोप है कि राहुल ने भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले बयान दिए। शिकायतकर्ता मोनजीत चेतिया ने आरोप लगाया कि राहुल का बयान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाओं का उल्लंघन है। इससे सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। चेतिया ने दावा किया कि राहुल गांधी के शब्द राज्य के अधिकार को अवैध ठहराने की कोशिश है। इससे एक खतरनाक धारणा तैयार होगी, जो अशांति और अलगाववादी भावनाओं को भड़का सकती है। 15 जनवरी को दिल्ली में नए कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन के उद्घाटन में राहुल ने मोहन भागवत के एक बयान पर कहा था कि भाजपा, आरएसएस ने हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। अब हम भाजपा, आरएसएस और इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं। दरअसल, 13 जनवरी को राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख ने इंदौर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को प्रतिष्ठा द्वादशी के तौर पर मनाया जाना चाहिए। इसे ही भारत का 'सच्चा स्वतंत्रता' दिवस मानना चाहिए।

राहुल का बयान चुनावी हार की हताशा का परिणाम :

गुवाहाटी हाईकोर्ट के वकील और शिकायतकर्ता मोनजीत चेतिया ने कहा कि राहुल गांधी की का बयान बार-बार चुनावों में मिल रही हार की हताशा का नतीजा है। विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल पर लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास बनाए रखने की जिम्मेदारी है, लेकिन वे झूठ फैलाने और विद्रोह भड़काने का काम कर रहे हैं।

इलेक्शन कमीशन की नसीहतों के बाद भी राहुल गांधी का चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर हमले जारी

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। 15 जनवरी को नए कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने फिर से दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 'स्पष्ट रूप से गलत' थे और लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच राज्य में 'एक करोड़ अतिरिक्त मतदाताओं' की ओर इशारा किया। उन्होंने यह भी मांग की कि चुनावी पारदर्शिता के लिए राज्य में विधानसभा और लोकसभा चुनावों में मतदान करने वालों के नाम और पते साझा किए जाने चाहिए। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के इस दावे को गुमराह करने वाला करार देकर खारिज कर दिया। राहुल के इन आरोपों और निर्वाचन आयोग के महाराष्ट्र चुनाव पर दिए आंकड़ों पर नजर डालते हैं।

इजरायल को मिली बंधकों की लिस्ट

> गाजा में युद्धविराम लागू हुआ
> पीएम नेतन्याहू का ऐलान

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। फिलिस्तीन के शहर गाजा में इजरायल के युद्ध पर विराम लग गया है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय ने एक एक्स पोस्ट में बताया कि गाजा में युद्धविराम लागू हो गया है। नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि युद्धविराम तीन घंटे देरी से लागू हुआ है, क्योंकि हमास ने बंधकों की लिस्ट सौंपने में देरी की। पीएम नेतन्याहू ने भी एक एक्स पोस्ट में बताया कि इजरायल को बंधकों की लिस्ट मिल गई है, और इसकी सिक्योरिटी जांच की जा रही है।

इजरायल और हमास के बीच एक साल से भी ज्यादा चली जंग पर रोक लगाने का रास्ता तलाशने के लिए युद्धविराम पर समझौता हुआ है। इसे चरणबद्ध लागू किया जाना है। समझौते के मुताबिक, पहला चरणा 42 दिनों का होगा और इस दौरान बंधकों की रिहाई होनी है। कमोबेश 33 इजरायली नागरिक अभी हमास की कैद में हैं। इनमें से रविवार को तीन बंधकों की रिहाई होगी, जिनके नाम हमास ने इजरायल को सौंपे हैं। इजरायल और हमास की जंग पर युद्धविराम का पहला चरण रविवार को सुबह 8.30 बजे से लागू होना था। इजरायली मीडिया के मुताबिक, हमास ने बंधकों की लिस्ट देने में देरी की और फिर इसे 11.15 बजे से लागू किया गया। पहले दिन तीन महिला बंधकों को रिहा किया जाएगा। इससे पहले इजरायली सेना ने गाजा में अपने आखिरी चरण की बमबारी की, और दावा किया कि हमास के ठिकानों को तबाह किया गया है। हमास की बंधक से रिहा होने वाली एक बंधक रोमी गोनेन भी शामिल हैं। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में उनके भाई ने बताया कि उनकी बहम भी आज रिहा होने वाली बंधकों की लिस्ट में शामिल हैं। उन्हें नोवा फेस्टिवल से हमास के लड़ाकों ने 7 अक्टूबर को बंदी बना लिया था।

हमें विकास के साथ विरासत को सहेजना है : पीएम मोदी

महाकुंभ में दुनियाभर से लोग आ रहे, ये सामाजिक एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 118वें एपिसोड में महाकुंभ और रामलला का जिक्र किया। उन्होंने कहा- महाकुंभ में दुनियाभर से लोग आते हैं। यह सामाजिक समरसता का ऐसा संगम है, जहां जात-पात, ऊंच-नीच से परे लोग एक-दूसरे के साथ पवित्र स्नान करते हैं। भंडारों में भोजन और प्रसाद लेते हैं। मोदी ने कहा- कुंभ एकता का महाकुंभ है। उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम को यह एक सूत्र में बांधता है। यह हजारों साल से चली आ रही परंपरा है। एक तरफ प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में कुंभ होता है। वहीं, दूसरी तरफ गोदावरी, कृष्णा, कावेरी और नर्मदा नदी के तट पर पुष्करम मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री ने अपने 30 मिनट के प्रोग्राम में 23, 25 और 26 जनवरी के अलावा रामलला, स्टार्टअप इंडिया, स्पेस सेक्टर, हाथी बंधु, टाइगर रिजर्व, अरुणाचल प्रदेश और निकोबार में वर्जिन कोकोनट ऑयल का भी जिक्र किया। 26 जनवरी की वजह से पीएम का प्रोग्राम इस बार एक हफ्ते पहले हुआ।

देश के संविधान पर :

उन्होंने कहा- इस बार का 'गणतंत्र दिवस' बहुत विशेष है। संविधान सभा के दौरान अनेक विषयों पर लंबी-लंबी चर्चाएं हुईं। वे चर्चाएं, संविधान सभा के सदस्यों के विचार, उनकी वो वाणी, हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। पीएम ने संविधान को लेकर बाबा साहब अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भाषण के क्लिप सुनाए। पीएम ने कहा, इन महान विभूतियों की वाणी हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। हमें इनसे प्रेरणा लेकर काम करना है। प्रधानमंत्री ने कहा- 25 जनवरी को नेशनल वोटर्स डे है। इसी दिन चुनाव आयोग की स्थापना हुई थी। देश में जब 1951-52 में पहली बार चुनाव हुए तो कुछ लोगों को संशय था कि देश का लोकतंत्र जीवित रहेगा। लेकिन जनता ने इसे साबित कर दिया कि भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी है।

प्रयागराज महाकुंभ पर :

पीएम ने कहा- प्रयागराज में महाकुंभ का श्रीगणेश हो चुका है। कुंभ का ये उत्सव विविधता में एकता का उत्सव मनाता है। संगम की रेती पर विश्व के लोग जुटते हैं। हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव नहीं, जातिवाद नहीं। 'कुंभ', 'पुष्करम' और 'गंगा सागर मेला' हमारे ये पर्व, हमारे सामाजिक मेल-जोल को, सद्भाव को, एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं। ये पर्व लोगों को परंपराओं से जोड़ते हैं। हमने 11 जनवरी को पौष शुक्ल द्वादशी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की द्वादशी मनाई है। ये दिन प्रतिष्ठा द्वादशी का दिन बन गया है। हमें विकास के साथ विरासत को सहेजना है। उनसे प्रेरणा लेना है।

स्पेस सेक्टर पर :

पीएम ने कहा- एक भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप बेंगलुरू के पिक्सेल ने देश का पहला निजी सैटेलाइट कौंसीलेशन फायर फ्लाई, सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। यह दुनिया का सबसे हाई रेजोल्यूशन हाइपर स्पेक्ट्रल सैटेलाइट कौंसीलेशन है। कुछ दिन पहले हमारे वैज्ञानिकों ने स्पेस डोकिंग कराई। अंतरिक्ष में पौधे उगाने और उन्हें जीवित रखने में भी लगे हुए हैं। हमारा देश स्पेस टेक्नोलॉजी में नए कीर्तिमान बना रहा है।

स्टार्टअप इंडिया पर :

पीएम ने कहा- कुछ दिन पहले ही स्टार्टअप इंडिया के 9 साल पूरे हुए हैं। हमारे देश में जितने स्टार्टअप 9 साल में बने हैं उनमें से आधे से ज्यादा टीयर-2 और टीयर-3 शहरों से हैं, और जब यह सुनते हैं तो हर हिन्दुस्तानी का दिल खुश हो जाता है, यानि हमारा स्टार्टअप कल्चर बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। मोदी ने कहा- असम का 'नौगांव' हमारे देश की महान विभूति श्रीमंत शंकरदेव जी का जन्म स्थान है। यहां हाथियों का झुंड फसलों को बर्बाद कर देते थे। 100 गांव के लोग परेशान थे। इन लोगों ने 'हाथी बंधु' के नाम से टीम बनाई। टीम ने करीब 800 बीघा बंजर भूमि पर मिल-जुल कर नेपियर घास लगाई।

ग्रामीण परिवेश से आई दीपिका बनी एमपीपीएससी टॉपर, प्रकृति से करतीं थी खुद को रिचार्ज

इंदौर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के देवास जिले के छोटे से गांव जामगोद की बेटी दीपिका पाटीदार ने मप्र राज्य सेवा परीक्षा एमपीपीएससी 2022 में शीर्ष स्थान प्राप्त कर पूरे प्रदेश में नाम गर्व से ऊंचा कर दिया है। दीपिका पाटीदार को 1575 में से 902.75 अंक प्राप्त हुए हैं। उन्हें मुख्य परीक्षा में 1400 में से 756.75 अंक और इंटरव्यू में 175 में से 146 अंक मिले हैं। दीपिका का चयन डिप्टी कलेक्टर के पद पर हुआ है, जो उनके अथक परिश्रम और अटूट दृढ़संकल्प का प्रमाण है। उनकी इस यात्रा ने साबित किया, कि ग्रामीण परिवेश से आने के बावजूद अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से हो, तो किसी भी ऊंचाई को छूना असंभव नहीं है। देवास की दीपिका पाटीदार ने 2018 से एमपीपीएससी के लिए लगातार अटैम्प्ट दिए। अपनी कमियों को पहचाना और उन्हें दूर करने के लिए लगातार प्रयास किया। इसी की बदौलत आज वे एमपीपीएससी टॉपर बनी हैं।

हरियाणा पुलिस के पीएसआे ने बेटे-बहू को गोली मारी

शराब पीने से रोकने पर फायरिंग की; परिवार बोला- बंदूक नीचे गिरने पर फायर हुआ

हिसार, 19 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में हरियाणा पुलिस में पीएसओ के पद पर तैनात व्यक्ति ने बेटे और बहू को गोली मार दी। बेटे के सीने और बहू की पीठ पर गोली लगी। दोनों को गंभीर हालत में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना रविवार दोपहर 1 बजे बीड़ बबरान गांव की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक बेटे कंवलप्रीत (26) और उसकी पत्नी गुरप्रीत कौर (24) ने पिता कश्मीर सिंह को शराब पीने से रोका था। गुस्से में आकर कश्मीर सिंह ने बेटे और बहू पर गोली चला दी। घटना के बाद कश्मीर सिंह फरार हो गया। हालांकि, परिवार के लोगों का कहना है कि बंदूक ऊपर से नीचे गिर गई, जिस कारण गोली चल गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। बीड़ बबरान गांव के पूर्व सरपंच लाडी सिंह ने बताया कि कश्मीर सिंह हिसार के सिटी थाने में तैनात है।

32 बोर की लाइसेंसी बंदूक से फायर हुआ है। बंदूक नीचे गिरी तो कश्मीर सिंह के बेटे के सीने से गोली आर-पार हो गई और पीछे बैठी उसकी पत्नी गुरप्रीत कौर की पीठ पर जाकर लगी। परिवार के मुताबिक कंवलजीत इकलौता बेटा है। वह खेतीबाड़ी करता है। उसकी 3 साल पहले पंजाब के सरदूलगढ़ की रहने वाली गुरप्रीत कौर से शादी हुई थी। शादी के बाद दोनों के 2 साल की बेटी है।

गोवा में पैराग्लाइडिंग के दौरान हुआ हादसा, महिला पर्यटक और पायलट की मौत

पणजी, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पैराग्लाइडिंग करना हर किसी का सपना होता है। हालांकि कई बार पैराग्लाइडिंग के दौरान हादसे भी होते रहे हैं, जिससे बचने के लिए सतर्कता बरतनी जरूरी होती है। ऐसा ही एक हादसा उत्तरी गोवा से सामने आया है। यहां पैराग्लाइडिंग के दौरान लापरवाही की वजह से दो लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में पैराग्लाइडिंग कर रही एक महिला पर्यटक और उसके प्रशिक्षक की मौत हो गई है। पुलिस इस घटना के बारे में रविवार को जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि ये हादसा शनिवार शाम करीब पांच बजे केरी गांव में हुआ। उन्होंने बताया कि पुणे निवासी पर्यटक शिवानी डाबले और उनके प्रशिक्षक सुमल नेपाली (26) की केरी पठार में दुर्घटना में मौत हो गई। महिला का प्रशिक्षक नेपाली नागरिक था। अधिकारी ने बताया कि दावले ने 'पैराग्लाइडिंग' के लिए,जिस 'एडवेंचर स्पोर्ट्स कंपनी' से बुकिंग कराई थी, वह अवैध रूप से संचालित की जा रही थी। उन्होंने बताया कि शिकायत के अनुसार उड़ान भरने के तुरंत बाद 'पैराग्लाइडर' खड्ड में गिर गया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

केजरीवाल ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

सफाई कर्मचारियों के आवास का उठाया मुद्दा; कर दी बड़ी मांग

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले सभी दल चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इस बीच आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी को एक और चिट्ठी लिखी है। अपनी चिट्ठी में उन्होंने सफाई कर्मचारियों के आवास का मुद्दा उठाया है। उन्होंने पीएम मोदी को लिखे गए पत्र में कहा है कि सफाई कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद सरकारी आवास खाली करना पड़ता है। इसके बाद वह खुद का घर नहीं खरीद पाते हैं। केजरीवाल ने पत्र के माध्यम से ऐसे लोगों के लिए जमीन की मांग की है, जिसपर आप सरकार आवास बना सके।

सफाई कर्मचारी स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़

अपने पत्र में केजरीवाल ने लिखा है, 'मैं एनडीएमसी और एमसीडी क्षेत्रों में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों के एक अति महत्वपूर्ण मुद्दे पर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं। ये कर्मचारी हमारे शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं। वे नौकरी के दौरान सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवासों में रहते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बाद उन्हें ये घर खाली करने पड़ते हैं। वे अपना खुद का घर खरीदने या दिल्ली में महंगे किराये पर घर लेने में असमर्थ होते हैं, जिससे वे और उनके परिवार असुरक्षित स्थिति में आ जाते हैं।'

घर बनवाने के लिए जमीन की मांग

उन्होंने आगे लिखा, 'चूंकि दिल्ली में जमीन से जुड़े मामले केंद्र सरकार के अधीन आते हैं, इसलिए आपसे अनुरोध है कि केंद्र सरकार सफाई कर्मचारियों के लिए रियायती दरों पर जमीन उपलब्ध कराए। दिल्ली सरकार इन जमीनों पर इनके लिए घर बनाकर देगी और कर्मचारी इन घरों की लागत को आसान किस्तों में सरकार को वापस चुका देंगे। यह समस्या सभी सरकारी कर्मचारियों की है, खास करके निचले तबके के कर्मचारियों की।

इसलिए मेरी आपसे दरख्वास्त है की यह योजना सफाई कर्मचारियों से शुरू की जाए और उसके बाद सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू की जाए। मुझे विश्वास है कि आप इस प्रस्ताव से सहमत होंगे और इस पर शीघ्र कार्य योजना बनाकर काम करेंगे।'

हरियाणा में एससी लिस्ट से हटाए जाएंगे इन तीन जातियों के नाम, सरकार ने केंद्र को लिखा पत्र; पूरे देश में पड़ेगा असर

चंडीगढ़, 19 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार अनुसूचित जाति के लोगों की सूची में बदलाव की तैयारी में है। अनुसूचित जातियों में तीन जातियां ऐसी हैं, जिनके नाम विवादित माने जा रहे हैं। कई साल से इस सूची को बदलने की मांग की जा रही है, लेकिन अब करीब 12 साल बाद हरियाणा सरकार ने इस सूची में बदलाव के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। ऐसी किसी भी सूची में बदलाव का अधिकार केंद्र सरकार को है और इसके लिए संसद में कानून में संशोधन की जरूरत पड़ती है। हालांकि सूची में बदलाव की पहल हरियाणा सरकार ने की है, लेकिन सूची बदलने के बाद यह व्यवस्था पूरे देश में लागू रहेगी। हरियाणा सरकार ने अपने राज्य में अनुसूचित जाति के लोगों की सूची में शामिल जातियों के नामों की समीक्षा की है। इस लिस्ट में तीन नामों को हटाने को कहा गया है। यह नाम चुरा, भंगी और मोची हैं। समीक्षा के बाद हरियाणा सरकार की ओर से एक पत्र केंद्र सरकार को भेजा गया है।

आईआईटी मद्रास के निदेशक ने बताए गोमूत्र के औषधीय गुण

वीडियो वायरल होने पर बवाल, कांग्रेस ने घेरा

चेन्नई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामकोटि ने गोमूत्र को स्वास्थ्य के लिए अच्छा बताया है। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में वह एक कार्यक्रम में गोमूत्र के औषधीय गुण बता रहे हैं। इसका कांग्रेस नेता कार्ति पी चिदंबरम ने विरोध किया। वीडियो में आईआईटी मद्रास के निदेशक कह रहे हैं कि गोमूत्र में जीवाणु रोधक (एंटी बैक्टीरियल), कवकरोधी (एंटी फंगल) और पाचन तंत्र को व्यवस्थित रखने के गुण हैं। गोमूत्र पाचन संबंधी बीमारी (इरिटेबल बाउल सिंड्रोम) जैसी स्थितियों में काफी उपयोगी रहता है। इसमें तमाम औषधीय गुण मौजूद हैं। बताया जाता है कि 15 जनवरी को माटू पोंगल के मौके पर एक गो संरक्षण कार्यशाला में आयोजित कार्यक्रम में कामकोटि ने यह बयान दिया था। उन्होंने एक सन्यासी का किस्सा सुनाते हुए कहा था कि सन्यासी ने तेज बुखार में गोमूत्र का सेवन किया और वह ठीक हो गया। सूत्र बताते हैं कि निदेशक कामकोटि ने गोशाला के कार्यक्रम में गोमूत्र पर बात की और खुद को जैविक किसान कहा। आईआईटी मद्रास के निदेशक की टिप्पणी की कांग्रेस नेता कार्ति पी चिदंबरम ने निंदा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आईआईटी मद्रास के निदेशक छद्म विज्ञान का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। यह बहुत ही अभद्र है।

सूरत में नवजात को कचरे में फेंका हुई मौत, नाबालिग निकली मां

सूरत, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। सूरत में नाले के पास कचरे के बीच एक नवजात बच्चा मिला है। उस पर मांस-भक्षी पक्षी मंडरा रहे थे। बच्चों के एक ग्रुप ने पक्षियों को तितर-बितर करने के लिए पत्थर फेंके और शोर मचाया। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक इस नवजात को तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना 9 जनवरी को सूरत के अपेक्षानगर में सामने आई थी। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए इस मामले में 16 साल की नाबालिग लड़की को आरोपी के तौर पर पहचान की। यही लड़की उस नवजात की मां निकली। पुलिस जोन 4 के डीसी विजय सिंह गुर्जर ने कहा, शुरुआत में उसकी मां और भ्रूण का गर्भपात कराने वाले शख्स ने आरोपों पर साफ इनकार कर दिया। पुलिस जांच के दौरान 16 वर्षीय लड़की को न्यू सिविल अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया, जहां एक डॉक्टर ने पुष्टि की कि वह गर्भवती थी। पुलिस अधिकारी ने कहा, "जांच करने पर पता चला कि लड़की 16 साल की है और 3 जनवरी तक स्कूल भी गई थी। आगे पूछताछ करने पर, लड़की ने बताया कि वह इंस्टाग्राम पर एक 17 वर्षीय लड़के से मिली और वे दोस्त बन गए। दोनों इंस्टाग्राम के जरिए एक-दूसरे के संपर्क में आए। लड़का सूरत के इंडस्ट्रियल क्षेत्र पांडेसरा में एक किराए के मकान में रहता था और उनके बीच शारीरिक संबंध थे। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पता चलने पर कि लड़की गर्भवती है, लड़का पहले उत्तर प्रदेश में अपने घर और फिर मुंबई भाग गया। बताया जा रहा है कि दवा खाने के बाद लड़की का घर पर ही गर्भपात हो गया और फिर भ्रूण को नाले के पास कचरे के ढेर में फेंक दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया है कि हमने लड़के और लड़की के डीएनए नमूने ले लिए हैं और जांच चल रही है। वहीं, लड़के को हिरासत में ले लिया गया है।

बीड में बस ने तीन लोगों को कुचला

बीड, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बीड में रविवार तड़के एक राज्य परिवहन बस ने तीन लोगों को कुचल दिया। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी। यह घटना सुबह के छह बजे घटी, जब युवाओं का एक समूह बीड तालुका के घोड़का राजुरी गांव के पास पुलिस भर्ती के लिए प्रशिक्षण ले रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस बीड से परभणी की ओर जा रही थी, तभी उसने सड़क किनारे प्रशिक्षण ले रहे तीन युवकों को कुचल दिया। हालांकि, दो अन्य युवक जान बचाकर भागने में कामयाब रहे। मृतकों की पहचान सुबोध मोरे, विराट घोडके, और ओम घोडके के तौर पर की गई है। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। बस चालक को पकड़ लिया गया है। इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने राज्य परिवहन की बस में तोड़फोड़ की और मृत व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों के लिए राज्य परिवहन विभाग में नौकरी की मांग की।

लेनदेन विवाद के चलते किराना व्यापारी की गोली मार कर हत्या, शहर में सनसनी, एक गिरफ्तार

देवास, 19 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के देवास में एक किराना व्यापारी की कुछ बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी। यह हत्याकांड लेनदेन विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। किराना व्यापारी के भाई की भी कुछ सालों पहले हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस को आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं। एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है। देवास एसपी पुनीत गहलोद ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र की कुम्हार गली में रूपेश कहार नामक व्यक्ति का प्रॉपर्टी और ऑटोमोबाइल एजेंट का ऑफिस है। यहां पर गोली चलने की सूचना मिली थी जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची, वहां पर आनंद उर्फ छोटू नामक 30 वर्षीय किराना व्यापारी की खून में लथपथ पड़ा हुआ था। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने आनंद को मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला है कि पहले आरोपियों ने आनंद के सीने में चाकू मारे। इसके बाद उसे गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया।

मध्यप्रदेश शासन लिखी स्कॉर्पियो में मांस पकड़ा:हिंदूवादियों ने ड्रायवर की पिटाई की, थाने ले जाकर पुलिस को सौंपा

इंदौर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के अन्नपूर्णा इलाके में रविवार सुबह हिंदूवादियों ने एक स्कॉर्पियो को पकड़ा, जिसमें मवेशी का मांस भरा हुआ था। यह गाड़ी मध्यप्रदेश शासन के नाम से थी। गाड़ी के ड्रायवर को पकड़कर आक्रोशित लोगों ने पिटाई की और फिर उसे अन्नपूर्णा पुलिस के हवाले कर दिया। विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी तन्नू शर्मा के मुताबिक, उन्हें सूचना मिली थी कि स्कॉर्पियो में मांस तस्करी हो रही है। कार्यकर्ताओं ने गाड़ी को रेलवे क्रॉसिंग पर रोकने के लिए कहा, लेकिन ड्रायवर भागने लगा। इस पर कुछ लोगों ने गाड़ी पर पथराव किया। जब गाड़ी रुकी, तो अंदर मांस पाया गया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने ड्रायवर की पिटाई की और उसे पुलिस के सुपुर्द किया। बाद में हिंदूवादी संगठन के लोग थाने पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने उन्हें कार्रवाई का भरोसा दिलाया और इस मामले में पूछताछ जारी है।

केजरीवाल ने गाड़ी चलवाई

प्रवेश वर्मा का बड़ा आरोप- रोजगार मांगने पर युवाओं को कार से टक्कर मारी

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी पर पलटवार करते हुए कहा है कि सिर्फ पार्टी का नाम आम आदमी रखने से वो आम लोगों से नहीं जुड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के नौजवान आपसे रोजगार के लिए सवाल पूछ रहे हैं तो आपने अपनी ही गाड़ी उनपर चला दी। परवेश वर्मा ने कहा कि केजरीवाल जी कहते हैं कि वो किसी तरह की सुविधा नहीं लेंगे, लेकिन अगर आप उनके कैंपेन को ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे कि उनके साथ कमसे कम 50 गाड़ियां जरूर रहती हैं। उनकी 50 गाड़ियों में 400 पुलिसकर्मी उनकी सुरक्षा के लिए मौजूद होते हैं। उन्होंने कहा कि इन 400 पुलिसकर्मियों में से 350 पुलिसकर्मी ऐसे हैं जो पंजाब से दिल्ली में आए हैं। इन पुलिसवालों के पास एके-47 है। इतनी सुरक्षा के घेरे में तीन लड़कों ने बिना किसी हथियार के उनसे मिलने और बात करने की कोशिश की तो केजरीवाल जी ने कहा कि ये बीजेपी और परवेश वर्मा का करीबी है। परवेश वर्मा ने उन 3 युवाओं को टक्कर मारी। उन्होंने कहा कि सभी 1 लाख 9 हजार मतदाता मेरे करीबी परिचित हैं। जिस कार में अरविंद केजरीवाल बैठे थे, उसने तीन लोगों को टक्कर मार दी। जब वे कार में थे। तीनों लोगों ने बयान दिया है कि ड्राइवर ने ब्रेक लगाए थे, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने उन्हें गाड़ी चलाने का इशारा किया। इसके बाद वे घायल हो गए। हमने चुनाव आयोग से भी शिकायत की है।

आम आदमी पार्टी ने लगाया आरोप

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी नेता परवेश वर्मा पर आरोप लगाया कि उनकी गाड़ी पर पत्थर फेंके गए हैं और काला झंडा दिखाया गया है। हालांकि, अरविंद केजरीवाल को किसी तरह की कोई चोट नहीं आई है और पूरी तरह से सुरक्षित हैं। दरअसल, अरविंद केजरीवाल और परवेश वर्मा दोनों ही नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इसी आरोप के बाद परवेश वर्मा ने उनपर पलटवार करते हुए कहा कि एके-47 की सुरक्षा में थे, फिर भी वो हमले कराने का आरोप लगा रहे हैं।

सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर सामने आया शत्रुघ्न सिन्हा का बयान, पुलिस और सीएम को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर देशभर में चर्चाओं का दौर जारी है। इस बीच एक्टर और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने भी इस मुद्दे पर बयान दिया है। उन्होंने कहा, 'हमारे करीबी और प्रिय सैफ अली खान पर हमला बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। भगवान का शुक्र है कि वह ठीक हो रहे हैं।' शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, 'मेरे ऑलटाइम पसंदीदा 'शो मैन' फिल्म निर्माता राजकपूर की पोती करीना कपूर खान और परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं। एक विनम्र अपील है कि कृपया दोषारोपण का खेल बंद करें। पुलिस अपना काम अच्छे से कर रही है। हम निश्चित रूप से अपने मुख्यमंत्री और गृह मंत्री की सराहना करते हैं।' शत्रुघ्न सिन्हा ने सीएम फडणवीस, डिप्टी सीएम अजित पवार और एकनाथ शिंदे को भी उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया है। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि सैफ सबसे शानदार स्टार/अभिनेता में से एक हैं और पद्मश्री और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता भी हैं। कानून अपना काम करेगा क्योंकि चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जल्द स्वस्थ हो जाओ सैफ।

नशा तस्करी पर पुलिस का शिकंजा, सात तस्कर गिरफ्तार, 16 किलो से ज्यादा चरस बरामद

श्रीनगर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीनगर के विशंवरनगर क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान खानयार पुलिस स्टेशन की टीम ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोका। तलाशी में उनके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया गया। उनकी पहचान इमरान अहमद गनी निवासी नई बस्ती अनंतनाग और आबिद हामिद नंदा निवासी दागपोरा खानबल, अनंतनाग के रूप में हुई है। इसके अलावा शेख मोहल्ला ब्रेन में नाका चेकिंग के दौरान पुलिस स्टेशन निशात की टीम ने एक नशा तस्कर उमर फारूक शेख निवासी शेख मोहल्ला ब्रेन निशात को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 50 ग्राम चरस बरामद की गई। इस बीच, इंडियन गैस एजेंसी के पास लोलीपोरा गांव में स्थापित एक चेकपॉइंट पर पुलिस स्टेशन बीरवाह की एक पुलिस टीम ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को रोका। उनकी पहचान बिलाल अहमद भट, रउफ अहमद भट निवासी उटलीगाम बीरवाह और मुख्तार अहमद नजर निवासी चेवदारा के रूप में हुई है। इनकी तलाशी में मक्की की भूसी में लिपटे चरस जैसे पदार्थ की पांच छड़ें (वजन 49 ग्राम), पाउडर के रूप में 368 ग्राम चरस, प्रतिबंधित दवा की 112 गोलियां, 2520 नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। शोपियां में पुलिस ने सीआरपीएफ के साथ मिलकर दारमदूरा कीगाम गांव में तलाशी अभियान के दौरान इम्तियाज अहमद हुर्रा निवासी दारमदूरा कीगाम के घर से 16.700 किलोग्राम चरस से भरे दो नायलॉन बैग बरामद किए। आगे की जांच जारी है।

सभी ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया है। संबंधित पुलिस स्टेशनों में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि यदि अपने आसपास कहीं भी ड्रग तस्करी या कोई अन्य अपराध होता दिखे तो निकटतम पुलिस स्टेशन से संपर्क करें या 112 नंबर डायल करें।

जबलपुर में डिप्टी सीएम शुक्ल का विपक्ष पर हमला:कहा- कांग्रेस का इतिहास संविधान के अपमान करने का रहा, राहुल-केजरीवाल पर साधा निशाना

जबलपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने जबलपुर में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास हमेशा संविधान का अपमान करने और राजनीतिक लाभ के लिए उसको तोड़-मरोड़ के पेश करने का रहा है। उन्होंने कांग्रेस की संविधान बचाओ यात्रा को लेकर तंज कसते हुए कहा कि यह केवल एक राजनीतिक दिखावा है। जनता में इसका कोई असर नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बयानों को उनकी अपनी पार्टी के लोग भी गंभीरता से नहीं लेते, इसलिए आम जनता को भी उन पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। डिप्टी सीएम शुक्ल रविवार को अल्प प्रवास में जबलपुर पहुंचे थे। डिप्टी सीएम ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके ईमानदारी के दावों की पोल खुल चुकी है। उन्होंने दिल्ली शराब घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि केजरीवाल की नीतियां लोगों को धोखा देने वाली साबित हुई हैं। अब जनता ने भी उन्हें नकार दिया है। उनके राजनीतिक करियर के अंत की शुरुआत हो चुकी है। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर की हमेशा उपेक्षा की गई है लेकिन उनका सम्मान दिलाने का काम बीजेपी ने किया है। राजनीतिक गठबंधनों पर चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि यह गठबंधन केवल भाजपा को रोकने के उद्देश्य से बना है और इसका कोई सिद्धांत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि यह गठबंधन जल्द ही बिखर जाएगा। जबलपुर के विकास पर बोलते हुए, उन्होंने स्थानीय कैंसर अस्पताल का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल को आधुनिक बनाने के लिए अत्याधुनिक मशीनें जल्द ही उपलब्ध होंगी। लीनेक मशीन और प्रेटिक स्कैन की स्थापना के बाद यह अस्पताल एक आदर्श कैंसर केंद्र बन जाएगा। डिप्टी सीएम ने बिहार की राजनीति पर कहा कि नीतीश कुमार एनडीए में थे और एनडीए में ही रहेंगे। उन्होंने इस दौरान आरजेडी पर भी निशाना साधते हुए कहा की आरजेडी में भी लोग कई गुटों में बटे हैं। और बिहार में एनडीए की ही सरकार बनेगी।

बीजेपी के संकल्प पत्र पर संजय सिंह बोले 'दिल्ली वालों का भला नहीं कर सकती'

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच सियासी दल एक दूसरे पर इल्जामों की झड़ी लगा रहे हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने पालम और नजफगढ़ विधानसभा में जनसभा संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी के लोग अरविंद केजरीवाल पर हमला कर रहे हैं। मैं दिल्ली की जनता से अपील करता हूं कि जो आपके बेटे अरविंद केजरीवाल पर हमला कर रहे हैं, उन्हें अपने वोट की ताकत से जवाब देना। सांसद ने अपील की कि अरविंद केजरीवाल पर हमला करने वालों की जमानत जब्त करके बताना कि हम उनकी कायराना हरकतों से डरने वाले नहीं हैं। हम लोग झुकने वाले नहीं हैं। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने फ्री बिजली-पानी, महिलाओं की बस यात्रा, मोहल्ला क्लीनिक, सीसीटीवी और महिला सम्मान राशि योजना का विरोध किया। अब बीजेपी कह रही है कि जो काम अरविंद केजरीवाल कर रहे हैं, वही काम हम भी करेंगे। बीजेपी का संकल्प पत्र पूरी तरह से झूठा है।

बीजेपी के एक बड़े नेता की सुनाई कहानी

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को पालम विधानसभा में जनसभा कर कहा कि जब हमने 2012 में आम आदमी पार्टी बनाई तो लोग हमारे ऊपर हंसते थे। लोग कहते थे कि आम आदमी पार्टी वालों का पता नहीं चलेगा। बीजेपी के एक बहुत बड़े नेता ने कहा था कि अगर आम आदमी पार्टी को 2 सीट भी आएगी तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। अब वह इस दुनिया में नहीं हैं।

'वोट की ताकत से इतिहास लिखने का काम किया'

2013 में दिल्ली की जनता ने अपने वोट की ताकत से इतिहास लिखने का काम किया। जनता ने पहली बार में ही आम आदमी पार्टी की सरकार बनाई। फिर अरविंद केजरीवाल को 49 दिन की सरकार से इस्तीफा देना पड़ा। उसके बाद 2015 में आम आदमी पार्टी की सरकार आई। तब भी बीजेपी और कांग्रेस ने कहा था कि आम आदमी पार्टी खत्म है। लेकिन दिल्ली की जनता ने 70 में से 67 सीटें दीं।

सुविचार

किसी पर कुदृष्टि रखना भी पाप है, इसलिए आँखों को शीतल बनाओ

उत्तम ने बीआरएस पर राशन कार्ड के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति एवं सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने तेलंगाना में राशन कार्ड के बारे में झूठ फैलाने के लिए बीआरएस की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि बीआरएस (जो अपने 10 साल के शासन के दौरान 40,000 नए राशन कार्ड भी जारी करने में विफल रही) को कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, जिसका लक्ष्य अतिरिक्त 40 लाख लोगों को लाभ पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सभी योग्य और पात्र नागरिकों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने खुलासा किया कि बीआरएस शासन के दौरान, राशन कार्ड के लिए 12,07,558 आवेदन मी-सेवा के पास लंबित रह गए, जबकि मौजूदा कार्ड में नए सदस्यों को जोड़ने के 18,00,515 अनुरोधों का समाधान नहीं किया गया। इसके अलावा, कांग्रेस के नेतृत्व वाले प्रजा पालन कार्यक्रम के दौरान 10 लाख आवेदन प्राप्त हुए। राज्य सरकार नए राशन कार्ड के लिए जाति जनगणना, प्रजा पालन, प्रजा वाणी या मी-सेवा केंद्रों के तहत प्राप्त सूचनाओं/आवेदनों पर विचार करेगी। यदि कोई व्यक्ति अभी भी छूट गया है, तो वह 21 से 24 जनवरी तक आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में नए राशन कार्ड के लिए आवेदन कर सकता है। कुल मिलाकर, 26 जनवरी से शुरू होने वाली कांग्रेस सरकार की पहल से अतिरिक्त 40 लाख व्यक्तियों को लाभ मिलने वाला है।

उत्तम कुमार रेड्डी ने आश्वासन दिया कि किसी भी पात्र और पात्र व्यक्ति को बाहर नहीं रखा जाएगा और किसी भी मौजूदा राशन कार्ड को रद्द नहीं किया जाएगा। पात्रता मानदंड जाति सर्वेक्षण, सामाजिक-आर्थिक डेटा और मौजूदा रिकॉर्ड के माध्यम से निर्धारित किए जा रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल पात्र व्यक्ति ही लाभान्वित हों। वर्तमान में, तेलंगाना में 89.96 लाख राशन कार्ड हैं, जिनमें 281.7 लाख लाभार्थी शामिल हैं। इनमें से 35.51 लाख कार्ड राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए थे, जबकि 54.45 लाख राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आते हैं। अंत्योदय और अन्नपूर्णा जैसी योजनाओं के तहत सालाना 1.5 लाख रुपये तक कमाने वाले ग्रामीण परिवार और विशिष्ट कमजोर समूह खाद्य सुरक्षा कार्ड (एफएससी) के लिए पात्र हैं। 2024 में तेलंगाना की जनसंख्या 3.94 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, लगभग 73.637 निवासी इन योजनाओं के अंतर्गत आते हैं। रविवार को हुजूरनगर निर्वाचन क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में बोलते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने जन पहाड़ दरगाह में उर्स समारोह की तैयारियों की समीक्षा की, जन पहाड़ लिफ्ट सिंचाई योजना का निरीक्षण किया और आवास कॉलोनी कार्यों की प्रगति का आकलन किया। उन्होंने चल रही विकास परियोजनाओं की देखरेख के लिए चेरुवु थांडा का भी दौरा किया। उत्तम कुमार रेड्डी ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार बीआरएस से हुए नुकसान को दूर करने के लिए दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में विश्वास बहाल करने और तेलंगाना के लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम रेवंत ने अपना सिंगापुर दौरा समाप्त किया

सिंगापुर/हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को अपना सिंगापुर दौरा समाप्त किया और विश्व आर्थिक मंच, दावोस के लिए रवाना हो गया, जो उनके दौरे का अंतिम चरण है। सिंगापुर की यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री ने प्रमुख व्यापारिक घरानों और सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन (एसबीएफ) के सदस्यों के साथ कई आमने-सामने विशेष बैठकें कीं। आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, टीम ने हैदराबाद और तेलंगाना में निवेश की विभिन्न नीतियों, संभावनाओं और क्षमता पर विस्तृत चर्चा की। अन्य लोगों के अलावा, टीम ने इंडियन ओशन ग्रुप के संस्थापक और सीईओ प्रदीपतो बिस्वास, डीबीएस के कंट्री हेड लिम हिम चौन और डीबीएस के ग्रुप हेड-टेलीकॉम अमित शर्मा, ब्लैकस्टोन सिंगापुर के सीनियर एमडी और चेयरमैन गौतम बनर्जी, ब्लैकस्टोन सिंगापुर के सीनियर एमडी, रियल एस्टेट पेंग वेई टैन से मुलाकात की।

सभी गरीब लोगों के लिए इंदिराम्मा आवास : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व और आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने फिर से पुष्टि की है कि राज्य सरकार तेलंगाना में सभी गरीब व्यक्तियों के लिए इंदिराम्मा घरों के निर्माण और प्रावधान के लिए समर्पित है। मंत्री ने रविवार को यहां मंत्री के क्वार्टर में तेलंगाना राज्य आवास निगम के कर्मचारियों के लिए डायरी और कैलेंडर का अनावरण किया।

अपने संबोधन के दौरान, मंत्री ने कहा कि विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए वादों के अनुसार, अगले चार वर्षों में चरणों में तेलंगाना में सभी पात्र व्यक्तियों को इंदिराम्मा घरों का निर्माण और आवंटन किया जाएगा। राज्य सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप काम कर रही है। नतीजतन, कर्मचारियों को सरकार की पहल के अनुरूप अपना काम करना चाहिए। मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने आवास विभाग को काफी कमजोर कर दिया था, जिसका काम आर्थिक रूप से वंचित लोगों के लिए घर बनाना था और अंतत: विभाग को भंग कर दिया था, जबकि इसके कर्मियों को अन्य एजेंसियों में एकीकृत कर दिया था। इस संबंध में, वर्तमान कांग्रेस सरकार ने इस विभाग को पुनर्जीवित करने के उपाय शुरू किए हैं और लाभार्थियों के चयन के लिए आवश्यक तंत्र स्थापित किए हैं, साथ ही आवास परियोजनाओं के निर्माण और प्रबंधन की देखरेख भी की है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने जोर देकर कहा कि 326 कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति के माध्यम से आवास निगम को मजबूत किया गया है और वर्तमान सरकार कांग्रेस के ढांचे के भीतर सभी श्रमिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष गव्वा रविंदर रेड्डी, महासचिव बोगुला वेंकट रामिरेड्डी और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

किशन रेड्डी की मौजूदगी में विभिन्न दलों के नेता भाजपा में शामिल

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और राज्य पार्टी अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी की मौजूदगी में आज विभिन्न दलों के नेता भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने नेताओं को पार्टी का दुपट्टा ओढ़ाकर पार्टी में शामिल होने का स्वागत किया।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति न होने के बावजूद राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के शासन को जारी रखने के लिए आलोचना की।

उन्होंने याद दिलाया कि राज्य के लोगों ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को आठ संसदीय सीटें दी थीं। उन्होंने कहा कि राज्य में हो रहे भ्रष्टाचार, घाटे, अनियमितताओं और लूट के लिए बीआरएस और कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से देश में सत्ता में काबिज भाजपा के केंद्रीय मंत्रियों और सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि अगर तेलंगाना में भी भ्रष्टाचार मुक्त सरकार बनानी है तो राज्य में जल्द ही डबल इंजन की सरकार सत्ता में आनी चाहिए।

शुरू हुई श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर की वार्षिक जात्रा

सिद्दीपेट, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोमुरवेल्ली स्थित श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर के वार्षिक जतरा समारोह के पहले दिन रविवार को हजारों श्रद्धालु उमड़े।

चूंकि जतरा का पहला रविवार 'पट्नमवरम' के रूप में मनाया जाता है, इसलिए भक्तों ने अपनी मन्नतें पूरी करने के लिए मंदिर परिसर में 'पट्नम' (एक अनोखी तरह की पेंटिंग) रखी थी। सिद्दीपेट पुलिस ने भक्तों के सुचारू दर्शन सुनिश्चित करने के लिए 510 अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया, साथ ही भक्तों की आमद पर नजर रखने के लिए 88 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए। हैदराबाद और सिकंदराबाद से दीक्षा लेने वाले भक्त भी मंदिर में दीक्षा त्यागने पहुंचे। उन्होंने रविवार को प्रार्थना की और मंदिर परिसर में रात बिताने के बाद सोमवार को दीक्षा त्याग देंगे।

निजामाबाद में नया भरोसा केंद्र खोला गया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सभी जिलों में भरोसा केंद्रों के पदचिह्न का विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता में आगे बढ़ते हुए, तेलंगाना राज्य पुलिस की महिला सुरक्षा विंग आज निजामाबाद में अपने स्वयं के नए भवन में एक नया भरोसा केंद्र खोल रही है। यह महत्वपूर्ण स्केल-अप पूरे राज्य में महिलाओं और बच्चों को लक्षित अपराधों के पीड़ितों की सहायता करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है। शिखा गोयल, डीजीपी महिला सुरक्षा विंग, तेलंगाना राज्य पुलिस के मार्गदर्शन में, निजामाबाद पुलिस इकाई ने तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र की अध्यक्षता में मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, तेलंगाना के पर्यटन और संस्कृति मंत्री के साथ उद्घाटन समारोह का आयोजन किया। उद्घाटन संदेशों में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के पीड़ितों को व्यापक सहायता सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर तेलंगाना पुलिस के दृढ़ संकल्प को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया गया। एमईआईएल से प्राप्त सीएसआर फंडिंग के माध्यम से स्थायी अत्याधुनिक भवनों का निर्माण और संचालन किया गया है। तेलंगाना पुलिस की महिला सुरक्षा विंग की अगुवाई में भरोसा केंद्र, समर्पित एकल खिड़की सहायता केंद्रों के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के पीड़ितों को सहायता प्रदान करने की दिशा में राज्य की अभिनव रणनीति का प्रतीक है। पीड़ितों को दी जाने वाली सेवाओं में परामर्श, कानूनी सहायता, चिकित्सा सहायता, पुनर्वास और अन्य आवश्यक सेवाएं शामिल हैं। अतिरिक्त जिलों को शामिल करने के लिए भरोसा केंद्रों का विस्तार पीड़ित केंद्रित सेवाओं में सुधार और महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करने की दिशा में तेलंगाना राज्य पुलिस के दृढ़ समर्पण को रेखांकित करता है। मई 2016 से, तेलंगाना पुलिस ने पूरे राज्य में भरोसा केंद्रों का विस्तार एक से बढ़ाकर 29 कर दिया है। तेलंगाना की महिला सुरक्षा शाखा की डीजीपी शिखा गोयल इसके सदस्य सचिव के रूप में पीड़ितों के लिए विशेष सहायता प्रदान करती हैं। प्रत्येक केंद्र में परामर्शदाताओं, मनोवैज्ञानिकों, कानूनी अधिकारियों और चिकित्सा कर्मियों सहित पेशेवर कर्मचारी हैं, जो व्यापक देखभाल सुनिश्चित करते हैं। इस विजन में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ आधुनिक अपराधों से निपटना भी शामिल है, जिसमें हर केंद्र में समग्र सहायता के लिए एक महिला पुलिस अधिकारी और चिकित्सा अधिकारी है।

उपनगरों में अलग-अलग दुर्घटनाओं में 2 लोगों की मौत

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगरों में शनिवार रात अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। रंगारेड्डी जिले के कंदुकुर में शनिवार रात सड़क दुर्घटना में एक किसान की मौत हो गई। पीड़ित वी. वेंकटैया (55) कंदुकुर रोड पर जा रहे थे, तभी उनका वाहन फिसल गया और वह एक बड़े पत्थर पर गिर गए, जिससे उनके सिर में चोट लग गई। पुलिस ने बताया कि उसकी मौत तत्काल हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है। एक अन्य मामले में, शनिवार रात को बालपुर में एक टस्कर वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई।

बालापुर पुलिस ने बताया कि जे यशवंत कुमार (29) शनिवार रात करीब 10:30 बजे ऑफिस जा रहे थे, तभी शिवाजी चौक पर यू-टर्न ले रहे एक टस्कर वाहन चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। वह व्यक्ति सड़क पर गिर गया और उसके सिर में चोट लग गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

कांग्रेस के शासन में लोग को मुश्किलों का सामना कर रहे हैं : पूर्व सांसद

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद बोइनपल्ली विनोद कुमार ने दावा किया कि कांग्रेस के शासन में तेलंगाना के लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है और उन्होंने कहा कि लोग पूर्व सीएम केसीआर के बिना तेलंगाना की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना ने काफी विकास किया है। उन्होंने याद दिलाया कि केंद्र सरकार की विभिन्न एजेंसियों ने बीआरएस सरकार के काम की सराहना करते हुए पुरस्कार दिए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि तेलंगाना में बीआरएस सरकार फिर से सत्ता में आएगी। एनआरआई बीआरएस-यूके विंग की नई कार्यकारी समिति की पहली बैठक रविवार को जूम कॉल पर हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एनआरआई यूके के अध्यक्ष नवीन रेड्डी ने की और इसमें विनोद कुमार और एनआरआई बीआरएस विंग के संस्थापक अध्यक्ष अनिल कुर्माचलम ने भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए विनोद कुमार ने याद दिलाया कि जब केसीआर ने 2001 में टीआरएस पार्टी बनाई थी, तब एनआरआई हमेशा अलग तेलंगाना आंदोलन के पीछे खड़े थे। विशेष रूप से, यूके तेलंगाना आंदोलन के दौरान एनआरआई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि एक रचनात्मक विपक्ष के रूप में, सभी एनआरआई को राज्य सरकार से सवाल पूछना चाहिए ताकि लोगों को विभिन्न मुद्दों के बारे में पता चले। अनिल कूर्मचलम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के शासन में तेलंगाना राज्य 20 साल पीछे चला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में एक साल पूरा करने के बावजूद, सरकार किए गए वादों को लागू किए बिना अराजकता, अवैध गिरफ्तारी और हिरासत के साथ राज्य पर शासन करना जारी रखती है। उन्होंने एनआरआई कार्यकर्ताओं से लोगों के साथ खड़े होने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ-साथ लंदन में विशेष विरोध कार्यक्रमों के माध्यम से कांग्रेस के खिलाफ खड़े होने का आग्रह किया।

नवीन रेड्डी ने कहा कि उन्होंने बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव द्वारा दिए गए हर आह्वान का जवाब देने का फैसला किया है और सभी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में हम हर कदम पर कांग्रेस पार्टी से सवाल करेंगे। जमीनी स्तर पर नेता और कार्यकर्ता समन्वय कर रहे हैं और लोगों का समर्थन कर रहे हैं।

रैतु भरोसा 26 जनवरी से शुरू होगा : भट्टी विक्रमार्क

खम्मम, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की है कि रैतु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा और नए राशन कार्ड जारी करना 26 जनवरी से शुरू होगा। भट्टी विक्रमार्क ने रविवार को खम्मम जिले के एर्रुपलेम मंडल में स्थित बनिगंदलापाडु गांव में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। अपने भाषण के दौरान, उन्होंने कहा कि रुपये की वित्तीय सहायता। खेती योग्य भूमि के लिए 12,000 रुपये प्रति एकड़ प्रदान किया जा रहा है, जिसमें कोई शर्त नहीं है। इसी तरह, तेलंगाना में भूमिहीन और गरीब कृषि मजदूरों के परिवारों को रुपये मिलेंगे।

फांसी पर लटकी मिली इंटरमीडिएट की छात्रा

संगारेड्डी, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पप्पन्नापेट मंडल के पोडिचेनपल्ली में रविवार को एक इंटरमीडिएट की छात्रा अपने घर में फंदे से लटकी पाई गई। ऐसा माना जा रहा है कि कृष्णा की बेटी अरिगे सिंधुजा (19) ने कॉलेज न जाने पर अपने माता-पिता द्वारा डांटे जाने के बाद खुद को फांसी लगा ली। सिंधुजा ने कथित तौर पर एक महीने तक कॉलेज जाने से इनकार कर दिया था। वह मेदक के एक कॉलेज में इंटरमीडिएट के दूसरे साल की पढ़ाई कर रही थी। जब उसके माता-पिता ने जोर दिया कि उसे अपनी पढ़ाई जारी रखनी चाहिए, तो उसने कथित तौर पर अपनी जान ले ली।

वसंत पंचमी उत्सव के पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा को आदिलाबाद जिले के खेसलापुर में आयोजित होने वाले नागोबा जतारा और श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम, बासरा में आयोजित होने वाले वसंत पंचमी महोत्सव में आने के लिए आमंत्रित किया है। इस संबंध में ऋण विभाग के सहायक आयुक्त, बसारा मंदिर के प्रभारी कार्यकारी अधिकारी एन. नवीन कुमार, सहायक कार्यपालक पदाधिकारी आर. सुदर्शन और वैदिक विद्वानों ने मंत्री सुरेखा से हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। नागोबा जातरा, वसंत पंचमी उत्सव का निमंत्रण कार्ड मंत्री को प्रस्तुत किया गया और समारोह में आमंत्रित किया गया। मंदिर ईओ मंत्री सुरेखा ने कहा कि नागोबा मेला 28 से 31 जनवरी तक और वसंत पंचमी उत्सव 1 से 3 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर पुजारियों ने मंत्री को औपचारिक निमंत्रण पढ़कर सुनाया। वैदिक विद्वानों ने मंत्री सुरेखा को अम्मावरी तीर्थ प्रसाद और वस्त्र भेंट किए और वेदों का पाठ किया। मंत्री सुरेखा बासरा ने मंदिर के कर्मचारियों और पुजारियों के साथ वसंत पंचमी उत्सव के पोस्टर का अनावरण किया। इस कार्यक्रम में देवस्थानम वैदिक विद्वान नवीन शर्मा, संजय आचार्य एवं अन्य ने भाग लिया।

गौरवेली परियोजना भूमिहीन लोगों की समस्याओं का समाधान करेगी : मंत्री पोन्नम प्रभाकर

हुस्नाबाद और अक्कनापेट मंडलों में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर सिद्दीपेट जिले के हुस्नाबाद निर्वाचन क्षेत्र का विकास कर रहे हैं। निर्वाचन क्षेत्र के अक्कनापेट और हुस्नाबाद मंडलों में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए 15.39 करोड़ रुपये का शिलान्यास किया गया।

अक्कन्नापेट मंडल के बोडिगेपल्ली गांव में पीडब्ल्यूडी रोड से बोडिगापल्ली तक सड़क निर्माण के लिए 1.5 करोड़ रुपये से, बंजाराहिल्स टांडा में पेयजल पाइप लाइन और नल शुरू होगा। गौरवेली पंचायत के अंतर्गत सिवालाल कलानी में पानी की टंकी और मीठे पानी की पाइप लाइन शुरू की गई है। सेवालाल महाराज टाडा में न्यू टाडा-2 में ओएचएसआर और पाइप लाइन का उद्घाटन किया। तुक्कीथांडा (नंदराम) में 58 लाख से जेडपी रोड से तुक्कीथांडा तक बीटी रोड का शिलान्यास किया गया। गांधीपल्ली गांव में 1.54 करोड़ की लागत से डेक्या नायक थांडा से श्रीरांटांडा तक बीटी रोड के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। गांधीपल्ली सरेराम क्रॉस पर 1.89 करोड़ की लागत से कुंडनवारी पल्ली से चौटाकुंटा थांडा सीताराम थांडा होते हुए गांधीपल्ली क्रॉस रोड तक बीटी रोड के निर्माण की आधारशिला रखी गई। कुंडनवारिपल्ली में 5 लाख से सीसी सड़कों का निर्माण कार्य शुरू किया गया। अक्कन्नापेट मंडल मंजु नाइक टांडा में पीडब्ल्यूडी रोड से बोजारा वागु टांडा, चौड़ा टांडा, मंजुनायक टांडा होते हुए वारंगल सीमा तक बीटी रोड के निर्माण का शिलान्यास किया गया।

राष्ट्रीय मेंटरिंग मिशन के सदस्य के रूप में चुना गया विज्ञान शिक्षक

मंचेरियल, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोटापल्ली मनल के देवुलावाड़ा में जिला परिषद हाई स्कूल (जेडपीएचएस) में जीव विज्ञान की शिक्षिका अर्चना नोगुरी को राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के तहत राष्ट्रीय मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) के सदस्य के रूप में चुना गया है। उन्हें रविवार को एनसीटीई-एनएमएम के संयोजक दिनेश चतुर्वेदी से एक ईमेल मिला। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने के उनके प्रयासों को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय परामर्श समिति में नियुक्त किया है। जिला शिक्षा अधिकारी एस यादैया, उनके सहकर्मियों और छात्रों ने उन्हें बधाई दी।

इस निगरानी मिशन के तहत अर्चना देश भर के विभिन्न राज्यों के शिक्षकों को जीव विज्ञान शिक्षण पद्धतियों, कला शिक्षा, मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन), राष्ट्रीय शिक्षा नीति रूपरेखा, पाठ्यक्रम विकास और डिजिटल शिक्षा जैसे विषयों पर प्रशिक्षण देंगी। एनएमएम की शुरूआत नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के हिस्से के रूप में की गई थी। अर्चना को 2023 में राष्ट्रपति से राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार मिला था।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I Army no 15418614-L HAV/AA Raman kumar want to change my mother's Date of Birth from 07/08/1950 to 15/03/1947 in my service documents vide Affidavit date 15/01/2025 before moghal nagar near langer house Hyderabad

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

संभल दंगा: आजम खान और बर्क के दबाव में

मुलायम सिंह यादव की सरकार ने केस वापस लिए थे? दोबारा होगी जांच

संभल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में 1978 में हुए सांप्रदायिक दंगों से जुड़े आठ मुकदमे 1993 में तत्कालीन सपा सरकार ने वापस ले लिए थे जिनकी फाइलें मुरादाबाद में खंगाली जा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक न्यायालय के पुराने रिकॉर्ड तलाश करने पर अब तक 10 मामलों की फाइलें तो मिल चुकी हैं, लेकिन हत्या से जुड़े मूल मामले की फाइल अभी तक नहीं मिल पाई है। इन फाइलों की जांच करने से पता चला है कि कई मामलों में जांच करने वाले अधिकारियों के बयान तक नहीं लिए गये और एक तरफा बयानों के आधार पर रिपोर्ट लगा कर केस बंद कर दिए गये थे। सूत्र बताते हैं कि फाइलों में 1978 के दंगे का रिकॉर्ड 1983 तक तो मिलता है लेकिन उसके बाद का अभी नहीं मिल पा रहा है। रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला है कि दंगों के सारे गवाह होस्टाइल हो गये थे। सूत्रों के मुताबिक 1993 में यूपी के तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की सपा सरकार ने अपनी कैबनेट के प्रस्ताव से 1978 के संभल के साम्प्रदायिक दंगों से जुड़े 08 मुकदमे वापस लेने का फैसला लिया था। इसके पीछे सपा नेता आजम खान और पूर्व सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क की अहम भूमिका बताई जाती है।

जिंदा आरोपियों की तलाश जारी

23 दिसम्बर 1993 को आर डी शुक्ला विशेष सचिव न्याय विभाग उत्तर प्रदेश शासन ने मुरादाबाद के जिला अधिकारी को पत्र लिख कर संभल नगर में 30 मार्च 1978 में हुए दंगे से सम्बंधित 16 मुकदमों में से 08 मुकदमों को शासन द्वारा वापस लेने के निर्णय से अवगत कराया था। यही बात योगी सरकार को खटक गयी है। सूत्रों के मुताबिक 1978 के सांप्रदायिक दंगों के 02 गवाहों और 04 आरोपियों के अभी जिंदा होने की जानकारी मिली है। जिनकी खोजबीन की जा रही है। दंगों के समय संभल मुरादाबाद जनपद का हिस्सा हुआ करता था। मार्च 1978 में संभल में साम्प्रदायिक दंगा भड़का था जिसमें कई लोगों की हत्या हुई थी। हिन्दू और मुस्लिम दोनों पक्षों की तरफ कई प्राथमिकी दर्ज कराई गयी थीं। हालाँकि कोई भी मुकदमा सजा तक नहीं पहुंचा और गवाह भी मुकर गये थे। दंगों के बाद कई पीड़ित परिवार और गवाह संभल छोड़ कर अन्य शहरों को पलायन कर गए थे जिनकी जानकारी जुटाई जा रही है।

कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के खिलाफ अजय राय ने उच्चस्तरीय न्यायिक जांच की मांग की

अब एक बार फिर से 1978 में संभल में हुए सांप्रदायिक दंगों की फाइलें तलाशी जा रही हैं और योगी सरकार के आदेश पर जल्द ही इसकी दोबारा जांच शुरू हो सकती है। संभल के 1978 के साम्प्रदायिक दंगों के जिन दस मुकदमों में 2010 में आरोपियों को सबूतों के अभाव में कोर्ट ने बरी कर दिया गया था उन 10 मामलों की फाइलें तो मिल गयी हैं।

लेकिन अभी बाकी की फाइल नहीं मिल पा रही हैं। इन फाइलों में राज्य बनाम रिजवान, राज्य बनाम मुनाजिर और राज्य बनाम वाजिद आदि केस की फाइल हैं। इनमें धारा 147, 148 ,149, 395, 397, 436 और 307 आईपीसी की धाराओं में केस दर्ज हुए थे। मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने बताया की 1978 के दंगों से जुड़े तथ्यों की खोजबीन लगातार जारी है। अभी तक हमें 10 मुकदमों की फाइलें मिल चुकी हैं। सरकार इस मामले में जो भी दिशा निर्देश हमें देगी उसके मुताबिक आगे की कार्यवाही की जाएगी।

माडल हर्षा रिछारिया ने साध्वी का रूप धारण किया तो विवाद खडा कर दिया गया

रथ पर सवार होने पर साधु-संतों ने फटकार लगाई

प्रयागराज, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भक्ति और साधना के कई रंग देखने को मिल रहे हैं। महाकुंभ में धर्म गुरुओं व साधु संन्यासियों का जमावड़ा लग चुका है। दुनिया के सबसे धार्मिक आयोजन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए न सिर्फ देश बल्कि दुनिया के कोने-कोने से लोग महाकुंभ में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश के भोपाल की हर्षा रिछारिया ने एंकरिंग- माडलिंग का करियर छोड़कर महाकुंभ में साध्वी का रूप धारण किया तो विवाद खड़ा हो गया।

निरंजनी अखाड़े के रथ पर सवार हो शाही स्नान करने पर कुछ साधु-संतों ने उन्हें फटकार लगाई, पाखंडी भी बोल दिया। हालांकि कई महात्माओं ने उनका बचाव भी किया। देशभर में हो रही चर्चाओं से हर्षा का परिवार बेहद चिंतित है। भोपाल के वृंदावन नगर निवासी हर्षा के पिता दिनेश रिछारिया, मां किरण और भाई करण ने सवाल उठाया कि माडलिंग का सम्मानजनक करियर छोड़कर हर्षा ने दो-तीन साल पहले धर्म का मार्ग अपनाया है तो क्या गलत किया?

यदि दूसरे देशों की महिलाएं महाकुंभ में स्नान करती हैं, तब सभी उनकी वाहवाही करते हैं, लेकिन अपने ही देश और धर्म की बेटी यदि गुरु से दीक्षा लेकर महाकुंभ में स्नान करती है तो उसे पाखंडी बताने लगते हैं। यह उचित नहीं। हर्षा के माता-पिता ने कहा, हमारी बेटी ने कभी झूठ नहीं बोला है। देशभर में हर्षा की चर्चा के बाद निरंजनी अखाड़ा का नाम और बढ़ गया है, इससे कुंठित होकर ऐसी बातें कही जा रही हैं।

अचानक मरने लगे हैं कौए, लोगों में दहशत, प्रशासन समेट रहा सैंपल

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना से सटे बाढ़ के रहिमापुर और आसपास के गांवों में तीन दिनों से लगातार कौए की मौत हो रही है। अब तक 40 से अधिक कौए की मौत हो चुकी है। इतनी बड़ी संख्या में अचानक हो रही कौए की मौत से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है। अनहोनी की आशंका से ग्रामीण सहमे हुए हैं। अचानक हो रही कौए की मौत की पुष्टि करते हुए पटना जिले के पशुपालन पदाधिकारी ने कहा है कि इसकी जांच की जा रही है। बाढ़ में 25 कौए की मौत हुई है। जिसे हमलोगों ने सुरक्षित रखा है। उसके सैंपल को जांच के लिए भेजा जाएगा, तभी मौत का कारण पता चल पाएगा। अचानक हो रही कौए की मौत पर ग्रामीणों का कहना है कि पिछले तीन दिनों से कौए की मौत हो रही है। कौए अचानक जमीन पर गिरकर छटपटाने लगते हैं। दो-तीन घंटे के बाद बीमार कौए दम तोड़ देते हैं। अधिकतर ग्रामीणों का कहना है कि अब तक गांव में 40 से 50 कौवों की मौत होने चुकी है। इस बाबत कई स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्यावरण प्रदूषण, ठंड या कीटनाशक दवाओं के प्रयोग से कौवे की मौत होने की आंशका है। हालांकि इस मामले को लेकर ग्रामीणों की शिकायत पर कौए के मृत अवशेष को जांच के लिए भेजा गया है। ग्रामीणों ने वन, पर्यावरण तथा पशुपालन विभाग को भी सूचना दी है। इधर बच्चों को इन मृत कौए से दूर रखा जा रहा है। पटना जिला के पशुपालन पदाधिकारी, डॉ अरुण कुमार ने कहा कि बर्ड फ्लू जैसी कोई घटना नहीं लग रही है। पता चला कि दियारा इलाके अचुआरा में किसान फसल को बचाने के लिए खेत में रसायन का छिड़काव किए हैं। कौए झुंड में गए हों जिससे मौत हुई हो।

सांसद चंद्रशेखर आजाद बोले

'धार्मिक स्थलों की तरह शिक्षा के मंदिरों पर ध्यान दें सीएम योगी'

नगीना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। नगीना सीट से सांसद व आजाद समाज पार्टी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने एक बार फिर केंद्र व योगी सरकार पर बड़ा जुबानी हमला बोला है। आसपा नेता ने कहा कि, डबल इंजन वाली केंद्र की भाजपा सरकार ने 'प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री)' योजना और उत्तर प्रदेश सरकार ने 'मिशन कायाकल्प' जैसी बड़ी-बड़ी योजनाओं का प्रचार किया, जिनमें आधुनिक स्कूल और बेहतर बुनियादी ढांचे का वादा किया गया था।

लेकिन मैनपुरी के इस स्कूल की हालत इन योजनाओं की सच्चाई को उजागर करती है। इनका लाभ न तो बच्चों को मिला और न ही शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुधारने में कोई ठोस कदम उठाया गया। नगीना सांसद ने कहा कि आज स्थिति यह है कि सरकारी स्कूलों में बच्चे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यह विकास का नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ का प्रमाण है। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि, 'मैं यह कहना चाहता हूँ कि हमारे बच्चों का भविष्य किसी भी सरकार के लिए केवल एक चुनावी एजेंडा नहीं हो सकता, यह देश का भविष्य है।' लोकतंत्र के चारों स्तंभ इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करें तो इस दिशा में सकारात्मक बदलाव संभव है जिसकी जनता अपेक्षा करती है।

'शिक्षा के मंदिरों की स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाएं'

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि, 'मुख्यमंत्री योगी आदित्याथ जी, जिस प्रकार आप हमारे धार्मिक स्थलों पर ध्यान देते हैं, उसी प्रकार यदि आप शिक्षा के इन मंदिरों पर ध्यान दें, तो हमारे बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है। इन स्कूलों में मुख्यतः आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे पढ़ते हैं। उनके भविष्य के साथ सरकार की यह लापरवाही जानबूझकर की गई साजिश प्रतीत होती है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आसपा नेता कहा कि सरकार की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वह शिक्षा के मंदिरों की स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए, क्योंकि एक सशक्त राष्ट्र की नींव बेहतर शिक्षा पर ही रखी जाती है।

हर वक्त बिल्ली के साथ रहती है महानिर्वाणी अखाड़े की ये साध्वी, पिछली बार लाई थीं खरगोश

प्रयागराज, 19 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में चर्चित संत महात्माओं के साथ ही अलग-अलग अखाड़ों और संप्रदायों से जुड़ी हुई साध्वियां भी सुर्खियों में है। इन्हीं चर्चित साध्वियों में एक हैं बिल्ली वाली साध्वी। सन्यासियों के महानिर्वाणी अखाड़े से जुड़ी हुई साध्वी राधिका वैष्णव पूरे वक्त मोहिनी नाम की एक बिल्ली के साथ रहती हैं। साधना से लेकर कथा सुनाने और फुर्सत के पलों से लेकर विश्राम करने तक मोहिनी हर वक्त उनके साथ साये की तरह रहती हैं। साधना के वक्त साध्वी राधिका वैष्णव मोहिनी को दुलारती नजर आती हैं तो खाली वक्त में उसके साथ अठखेलियां करते हुए। मोहिनी को लेकर अटूट प्रेम की वजह से ही साध्वी राधिका वैष्णव महाकुंभ में बिल्ली वाली साध्वी के तौर पर चर्चित हो गई है। 2019 के कुंभ में वह दर्जन भर खरगोशों के साथ आई हुई थी। महानिर्वाणी अखाड़े के ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर कपिल देव दास जी महाराज की शिष्या साध्वी राधिका वैष्णव प्रयागराज महाकुंभ में मध्य प्रदेश के चित्रकूट धाम से आई हुई है। महाकुंभ में सेक्टर पांच में उनका शिविर लगा हुआ है। साध्वी राधिका वैष्णव भागवत कथा को अनूठे अंदाज में सुनाने की वजह से पूरे देश में चर्चित हैं। इसके अलावा उनकी पहचान पशु प्रेमी साध्वी की को लेकर भी है। इस बार के महाकुंभ में वह अपने साथ तमाम सहयोगियों और भक्तों को लेकर आई हुई हैं और संगम की रेती पर कल्पवास कर रही है। कल्पवास में उनके साथ मोहिनी भी हैं। साध्वी राधिका वैष्णव अपनी आवाज-अंदाज और खूबसूरती को लेकर पहले भी चर्चा में रही हैं, लेकिन इस बार उनके साथ कल्पवास कर रही मोहिनी भी मन मोह लेने वाली है। साध्वी राधिका वैष्णव के मुताबिक मोहिनी ने पिछले जन्म में कुछ बहुत अच्छे काम किए होंगे, इसी वजह से उसे 144 साल बाद पढ़ने वाले महाकुंभ के अद्भुत संयोग में आने का मौका मिला है।

फ्री में चाऊमीन खाने की पड़ गई थी लत, ठेले वाले ने मांगे पैसे तो लात-घूसों से जमकर पीटा

कासगंज, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कासगंज जनपद के कोतवाली कासगंज क्षेत्र के नदरई गेट पुलिस चौकी क्षेत्र में इन दिनों अराजक तत्वों के हौसले बुलंद हैं। इसका एक प्रमुख कारण यहां के चौकी इंचार्ज की लापरवाही को माना जा रहा है। हाल ही में यहां एक ठेले वाले से जमकर मारपीट की गई, जिसका वीडियो सामने आया है। यह घटना पुलिस चौकी से महज कुछ कदम की दूरी पर हुई। पीड़ित ने मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ कोतवाली कासगंज पुलिस को तहरीर दी है। पीड़ित व्यक्ति धर्मेंद्र कश्यप कासगंज के गंगेश्वर कॉलोनी का रहने वाला है। उसका आरोप है कि वह नदरई गेट पुलिस चौकी से कुछ कदम की दूरी पर चाऊमीन का ठेला लगाता है। धर्मेंद्र के अनुसार, कुछ अराजक तत्व किस्म के लोग उसके ठेले पर आकर फ्री में चाऊमीन खाते हैं और ग्राहकों से भी बदतमीजी करते हैं।

बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का लालू परिवार पर हमला

कहा- 'जो लार टपका रहे हैं और पत्तल चाटने के इरादे में हैं वे इस मंशा को भूल जाएं'

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए ने तैयारी शुरू कर दी है। मुजफ्फरपुर में कई जिलों के एनडीए नेताओं और कार्यकर्त्ताओं की बैठक बुलाई गई। बैठक में एनडीए के सभी घटक दलों के नेता भी शामिल हुए। बैठक के दौरान विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में अपने संबोधन के दौरान बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने लालू परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एनडीए पूरी तरह एक है। लालू यादव और उनके बेटा-बेटी जो लार टपका रहे हैं और पत्तल चाटने के इरादे में हैं वे इस मंशा को भूल जाएं। एनडीए के पांचों दल पांडवों की तरह चुनाव लड़ेंगे और कौरवों को हराएंगे। दिलीप जायसवाल ने आगे कहा कि नीतीश कुमार के साथ बिहार में कानून का राज है नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के डबल इंजन की सरकार में बिहार विकसित राज्य बनेगा।

एनडीए नेताओं ने चुनावी रणनीति पर भी की चर्चा

मुजफ्फरपुर के क्लब मैदान में आयोजित बैठक में एनडीए के सभी घटक दलों के नेताओं ने चर्चा की कि किस तरह एक साथ मिलकर ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतीं जाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि एनडीए में किसी टूट और विघटन की संभावना नहीं है। बैठक में विपक्ष की अफवाहों से बचकर एकुजट होकर एनडीए के उम्मीदवारों को समर्थन करने पर भी चर्चा की गई।

दाऊद की दुकान पर कब्जे के लिए कमिश्नर से लगाई गुहार 23 साल तक केस लड़ने के बाद भटक रहा पीड़ित

फिरोजाबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की मुंबई में जयराज स्ट्रीट स्थित 144 वर्ग फुट की दुकान को नीलामी के दौरान खरीदने वाले फिरोजाबाद निवासी हेमंत जैन को कोर्ट से जीत मिलने के बाद भी दाऊद की दुकान पर कब्जा नहीं मिल पा रहा है। हेमंत जैन ने अंडरवर्ल्ड डॉनदाउद इब्राहिम की दुकान पर मालिकाना हक प्राप्त करने में तो 23 साल तक कोर्ट में मुकदमा लड़ने के बाद जीत हासिल की थी। अब हेमंत कब्जे के लिए भटक रहे हैं। हेमंत जैन के मुताबिक, वह इलाका पुलिस से कब्जा दिलाने के लिए मिले थे। पुलिस ने मुंबई पुलिस कमिश्नर के पास भेज दिया। मुंबई के पुलिस कमिश्नर को कब्जा दिलाने के लिए पत्र देकर गुहार लगाई है। इसके बाद वह वापस लौटे हेमंत ने बताया कि 11 जनवरी वर्ष 2001 को यह जानकारी मिली थी कि मुंबई बम धमाकों के मास्टर माइंड दाऊद की दुकान की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिल रहा है।

टकराने के बाद वैन पर पलटा डंपर, कोहरे के चलते हुआ हादसा, आठ घायल अस्पताल में भर्ती

कानपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर देहात में भोगनीपुर-सिकंदरा मुगल रोड पर इटखुदा के पास रविवार सुबह कोहरे के चलते डंपर और वैन में भिडंत हो गई। अनियंत्रित होकर खंदी में गिरी वैन पर डंपर का केबिन पलट गया। इससे वैन व डंपर सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीन घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाकर आठों घायलों को बाहर निकाला और पीएचसी राजपुर में भर्ती करवाया है। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के करियापुर निवासी आकाश ने बताया कि शनिवार को उसके इटावा निवासी मामा देवेंद्र शर्मा की बेटी अन्नू की शादी थी। इसमें वह भाई विकास (18), मनी (19), विनय (25), रिश्तेदार धीरेंद्र निवासी इमलिया थाना मुसकरा हमीरपुर के साथ दौलतपुर निवासी शालू की वैन किराए पर लेकर गए थे। रविवार तड़के विदाई के बाद वह लोग वैन से घर लौट रहे थे। मुगल रोड पर इटखुदा के पास कोहरे के चलते सामने आ रहे डंपर ने उनकी वैन में टक्कर मार दी। इससे वैन अनियंत्रित होकर खंदी में उतर गई। साथ ही, डंपर का केबिन वैन के अगले हिस्से पर पलट गया। इससे वैन व डंपर सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घायलों को बाहर निकालने के प्रयास के साथ घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन घंटे रेस्क्यू अभियान चलाकर सभी घायलों को पीएचसी राजपुर पहुंचाया है।

सुबह-सुबह पुलिस इनकाउंटर में शूटर अभिषेक यादव को लगी गोली

गोपालगंज, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गोपालगंज में सुबह-सुबह पुलिस इनकाउंटर हुआ है। रविवार की सुबह हुए इस इनकाउंटर में शूटर अभिषेक यादव पुलिस की गोली से घायल हुआ है। इनकाउंटर उचकागांव थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव के पास हुई है। घायल कुख्यात अपराधी को पुलिस कस्टडी में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभिषेक यादव पर आरोप है कि इसने उचकागांव थाना क्षेत्र के झीरवा पंचायत के पूर्व मुखिया व शिक्षक अरविंद यादव की बीते 10 जनवरी को घर से स्कूल जाते समय हत्या कर दी गयी थी।

पूर्व मुखिया हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस को सूचना मिली कि हत्याकांड के मुख्य शूटर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए वृंदावन गांव में पहुंचा है। पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की और सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन शूटर ने अपनी पिस्टल से पुलिस पर ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें कुख्यात अपराधी और शूटर अभिषेक यादव को पैर में गोली लगी और वह भाग नहीं सका। जिसके बाद पुलिस उसे घायल अवस्था में इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करा दी है। एसपी अवधेश दीक्षित ने सदर अस्पताल में पहुंचकर घायल अपराधी से पूछताछ की है। गोपालगंज पुलिस पूर्व मुखिया हत्याकांड में जल्द बड़ा खुलासा करने की बात कहते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। एसपी ने कहा कि मुठभेड़ में गिरफ्तार हुआ अपराधी अभिषेक यादव पर कई अपराधिक मामले पहले से दर्ज है और उसने रेकी करने के बाद पूर्व मुखिया अरविंद यादव की गोली मारकर हत्या की थी। पुलिस नहीं अपराधी के पास से एक पिस्तौल और गोली भी बरामद किया है।

गोपालगंज में हुई इस कार्रवाई के बाद अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने इस कार्रवाई से साफ तौर पर अपराधियों को मैसेज दिया है कि छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। इसके पहले भी चौकीदार झमेंद्र राय हत्याकांड में गिरफ्तार करने गई, पुलिस के साथ अपराधियों ने मुठभेड़ किया था, जिसमें जवाबी कार्रवाई में अपराधी घायल हुए थे।

गाजियाबाद में दर्दनाक हादसा, लोनी के घर में लगी भीषण आग; तीन बच्चे और एक महिला जिंदा जली

गाजियाबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के लोनी में दर्दनाक हादसा हुआ है। एक घर में आग लगने से तीन बच्चों समेत चार की मौत हो गई। जबकि दो झुलस गए हैं। परिवार में चार मौत होने से कोहराम मच गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, लोनी कोतवाली क्षेत्र के कंचन पार्क कॉलोनी में रविवार सुबह करीब छह बजे मकान की दो मंजिल में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से तीन बच्चे जीशान, अयान, शान और महिला गुलबाहर की मौत हो गई। घटना में शाहनवाज, शाहनवाज की पत्नी आयशा, शाहनवाज के बेटे जान ने पड़ोसी की छत से कूद कर जान बचाई। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया और शवों को बाहर निकाला। आग लगने के सही कारण का पता नहीं चल सका है। सूचना पाकर अधिकारी मौके पर पहुंचे। मूल रूप से मवाना मेरठ के रहने वाले शाहनवाज और शमशाद लोनी के कंचन पार्क कॉलोनी में करीब 30 साल से रह रहे हैं। दोनों भाई सिलाई का काम करते हैं। शाहनवाज के परिवार में पत्नी गुलबहार दो बच्चे जीशान और अयान हैं। शमशाद के परिवार में उसकी पत्नी आयशा और दो बच्चे शान और जान हैं। यह सभी आठ लोग चार मंजिल के मकान में रहते हैं। शनिवार रात सभी लोग मकान की चौथी मंजिल में दो अलग-अलग कमरों में सोए थे। सुबह अचानक तीसरी मंजिल में आग लग गई। आग लगने पर पूरे मकान में धुआं फैल गया। धुआं फैलने पर शाहनवाज, शाहनवाज की पत्नी आयशा, शाहनवाज के बेटे जान ने पड़ोसी की छत से कूद कर जान बचाई। बाकी परिवार के सदस्य अंदर फंस गए। इस पर दोनों भाई फिर वापस अंदर घुसने का प्रयास करने लगे। आग चौथी मंजिल तक पहुंच चुकी था। शोर शराबा होने पर आसपास के लोग जमा हो गए। उन्होंने परिवार के लोगों के साथ मिलकर पानी डालकर आग बुझाने का काम शुरू किया। कुछ देर बाद पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना पाकर पुलिस और अग्निशमन विभाग के टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने पानी डालकर आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया गया।

प्रेमिका से मिलने 17 किलोमीटर दूर पहुंचा प्रेमी, गांववालों ने पकड़ा फिर भरवाई मांग

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में एक प्रेमी और प्रेमिका की शादी का अनोखा मामला सामने आया है। जहां प्रेमी अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए 17 किलोमीटर दूर उसके घर पहुंच गया। रात के अंधेरे में जब दोनों मिलने लगे तो लड़की के परिजनों ने उन्हें पकड़ लिया। परिजनों ने दोनों से पूछताछ की तो पता चला कि वह दोनों लंबे वक्त से एक-दूसरे से प्यार करते हैं। बस फिर क्या था। गांव वालों ने इकट्ठा होकर दोनों की शादी करवा दी। दोनों की शादी के वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला बिहार के शिवहर जिले के ताजपुर गांव का है। जहां पर लड़की अपने परिजनों के साथ रहती है। लड़की का प्रेम प्रसंग तारियानी थाना के सुरगाही गांव में रहने वाले अजित कुमार से चल रहा था। 4-5 साल पहले ताजपुर की लड़की सुरगाही गई थी। जहां पर उसकी बात-चीत अजित से हुई थी। वहीं पर एक दूसरे ने नंबर भी लिए और बात-चीत का दौर शुरू हो गया। इसके बाद उनके बीच प्यार परवान चढ़ गया। जानकारी के मुताबिक लड़की ने फोन पर बात करते हुए अजीत को मिलने के लिए बुलाया था। अजित ने भी प्रेमिका से मिलने के लिए आव देखा न ताव और उसके गांव का रास्ता पकड़ लिया। कुछ ही देर में 17 किलोमीटर लंबा रास्ता भी तय कर लिया। जब अजित गांव पहुंचा तो प्रेमिका भी उससे मिलने आ गई। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर दोनों मिल रहे थे उसी वक्त प्रेमिका के घरवाले आ गए और दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया। गांववालों ने दोनों को पकड़ने के बाद पता किया तो मालूम हुआ कि दोनों का लंबे वक्त से प्रेस प्रसंग चल रहा है। इसके बाद गांववालों ने दोनों की शादी करवा दी।

'खुद ही पूरे फर्जीवाड़ा के सरदार हैं', केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार में की गई जातिगत जनगणना को फर्जी बताया. जिसपर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन(ललन) सिंह ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि उनको (राहुल गांधी) हर चीज फर्जी नजर आती है. जबकि वे खुद ही पूरे फर्जीवाड़ा के सरदार हैं. बिहार ने जो जातीय आधारित सर्वे कराया उसके आधार पर वे जातीय जनगणना की मांग कर रहे थे, वे ड्रामा करते रहते हैं.

प्रेमिका के धोखे से नाराज शख्स ने उठाया खौफनाक कदम, दिल्ली पुलिस ने सुलझाई हत्या की गुत्थी

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर पश्चिम दिल्ली के भरत नगर थाना की पुलिस टीम ने एक युवती की हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए हत्या के आरोप में उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान शाकिर के रूप में हुई है और वह दिल्ली के ओम नगर इलाके का रहने वाला है। आरोपी ने बड़ी ही बेरहमी से अपनी प्रेमिका का दुप्पटे से गला घोंट दिया। डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि, 17 जनवरी 2025 को पीसीआर कॉल के माध्यम से एक 21-22 वर्षीय युवती के फांसी लगा लिए, जाने की सूचना भरत नगर थाना की पुलिस को मिली थी। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि एक लड़की फर्श पर पड़ी है, जिसके गले मे दुप्पट्टे का फंदा लगा हुआ है, जबकि एक दुपट्टा सीलिंग फैन से लटका हुआ था। दोनों दुपट्टों के सिरे बंधे हुए नहीं थे, जिससे पुलिस को आत्महत्या की बात पर संदेह हुआ। मौके पर एफएसएल और क्राइम टीम को बुला कर जांच करवाई गई। डीसीपी ने बताया कि घटना की जांच के लिए एक टीम का गठन किया गया था, जिसमें एसीपी अशोक विहार संजीव गौतम, एसएचओ इंस्पेक्टर राजेश विजय, इंस्पेक्टर सूरजपाल, यशवंत सिंह और एसआई रोहित चाहर शामिल थे। टीम को जांच में पता चला कि कोई चुपके से छत के रास्ते घर मे दाखिल हुआ और युवती की हत्या कर फरार हो गया। टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की। इसके आधार पर पुलिस ने उसके प्रेमी शाकिर को दबोच लिया।

'फास्ट एंड फ्यूरियस' फिल्म से इंस्पायर शराब तस्कर ने पुलिस को दी चुनौती, कहा- 'पकड़ सको तो पकड़ लो'

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव और गणतंत्र दिवस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करते हुए साउथ-वेस्ट जिले की एंटी नारकोटिक्स टीम ने शराब तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हरियाणा से दिल्ली में शराब तस्करी कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने फास्ट एंड फ्यूरियस फ़िल्म से इंस्पायर होकर पुलिस को दी चुनौती दी थी। कहा था पकड़ सकते हो तो पकड़ लो डीसीपी साउथ वेस्ट सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान सागर उर्फ मॉन्टी के रूप में हुई है जो कुख्यात अमित पालमिया गैंग का सदस्य है। आरोपी के पास से 2980 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की है, जिसमें देसी शराब और अंग्रेजी शराब शामिल है। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक मारुति ईको वैन को भी जब्त किया गया है। दरअसल एंटी नारकोटिक्स टीम को सूचना मिली थी कि हरियाणा से शराब तस्करी के लिए एक मारुति ईको वैन और एक काले रंग की स्कॉर्पियो दिल्ली आ रही है। पुलिस ने कपासहेड़ा इलाके में ग्रीन ऑर्किड फार्म के पास जाल बिछाया। सुबह करीब सवा 7 बजे एनएच-48 से एक सफेद मारुति ईको वैन और पीछे काले रंग की स्कॉर्पियो आती दिखी। पुलिस ने वैन को रोकने का इशारा किया लेकिन ड्राइवर ने रुकने के बजाय पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार दी और भागने की कोशिश की। भागते वक्त ड्राइवर ने पुलिस को चैलेंज किया पकड़ सको तो पकड़ लो। पुलिस ने पीछा कर वैन को रोक लिया लेकिन स्कॉर्पियो का ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

भाजपा-विहिप-एबीवीपी समेत कई संगठनों के साथ आरएसएस का मंथन, सीएम फडणवीस भी हुए शामिल

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा और अन्य सहयोगी संगठनों के साथ दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र आयोजित कर रहा है। इस विचार-मंथन सत्र में सभी सहयोगी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बातचीत की जाएगी। एक पदाधिकारी ने इस विचार मंथन सत्र के बारे में जानकारी दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने दो दिवसीय सत्र में भाग लिया। इस मौके पर मंत्री चंद्रकांत पाटिल, चंद्रशेखर बावनकुले व अन्य भाजपा नेता रविवार को मौजूद रहे। भाजपा के अलावा, विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और दूसरे संगठनों के पदाधिकारी बैठक में मौजूद थे। दरअसल, इस विचार मंथन सत्र को आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर आयोजित की गई। इस वजह से ये बैठक काफी अहम मानी जा रही है। आरएसएस के एक पदाधिकारी ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि यह सभी संगठनों को मिलाकर नियमित बैठक है।

कामों की समीक्षा पर हुई चर्चा

संगठन के अलग-अलग क्षेत्रों के कामों की समीक्षा के लिए 6 महीने के बाद आयोजित की जाती है। किन कामों में प्रगति हुई है और किनमें सुधार की जरूरत है, सभी पहलुओं पर नजर रखते हुए इस बैठक का आयोजन किया जाता है। विकास की समीक्षा इस बैठक का आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। आरएसएस के संयुक्त सचिव अतुल लिमये ने इस समन्वय बैठक की अध्यक्षता की। पिछले साल के अंत में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा, राकांपा और शिवसेना के गठबंधन महायुति को मिली भारी जीत के बाद यह पहला सत्र है।

आरएसएस विचार मंथन सत्र के माध्यम से अपने और दूसरों के विचारों पर चर्चा करता है। साथ ही आरएसएस सभी विषयों पर जागरूकता फैलाना चाहता है और को बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के जरिए विचार के लिए प्रेरित करता है। आरएसएस विचार मंथन सत्र के माध्यम से अपने नेताओं के काम करने के तरीकों पर विचार करना है और उन्हें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करना है।

बिहार की सियासत में क्या पक रहा है? लालू यादव से उनके घर पर मिले पशुपति पारस, आरजेडी सांसद ने बताई वजह

पटना, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की सियासत में चर्चाओं का दौर जारी है। दरअसल पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने आज बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव से मुलाकात की है। ये मुलाकात लालू यादव के घर पर हुई है। एनडीए से दूरी बढ़ने के बाद पशुपति पारस की महागठबंधन से नजदीकियां बढ़ रही हैं। कुछ दिन पहले मकर संक्रांति के भोज पर लालू भी पारस के घर गए थे। इस मुलाकात पर आरजेडी सांसद संजय यादव का बयान सामने आया है। संजय यादव ने कहा, 'पशुपति कुमार पारस और प्रिंस पासवान के साथ लालू यादव की मुलाकात हुई है। दरअसल लालू यादव उनके घर मिलने गए थे, आज पशुपति कुमार उनसे मिलने आए। यह शिष्टाचार मुलाकात है।' संजय ने कहा, 'पशुपति कुमार पारस महागठबंधन का हिस्सा होंगे या नहीं, यह राष्ट्रीय अध्यक्ष तय करेंगे। पशुपति कुमार पारस एक अनुभवी राजनेता हैं। वह किसी भी गठबंधन के साथ रहें, गठबंधन को फायदा होगा।' सम्राट चौधरी द्वारा लालू प्रसाद यादव पर परिवारवाद के आरोप लगाने पर क्या बोले संजय? संजय ने कहा, 'सम्राट चौधरी शीशे के सामने खड़ा होकर देखें और जवाब दें। सम्राट चौधरी की मां ने चुनाव नहीं लड़ा? उसके भाई राजनेता नहीं हैं? परिवार के सभी सदस्य राजनीति में हैं? सम्राट चौधरी तेजस्वी के सामने खड़ा होने के बराबर नहीं हैं।' संजय ने कहा, 'सम्राट चौधरी की जो भी पहचान हुई है, वह राजद के कारण हुई है, बीजेपी के कारण नहीं। सम्राट जिनके साथ अभी घूम रहे हैं, उनके बारे में भी कहते थे कि उनके दिमाग की हालत खराब हो चुकी है। विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी से काफी वरिष्ठ हैं, उसके बावजूद भी सम्राट चौधरी को नीतीश कुमार ज्यादा पूछते हैं।' उन्होंने कहा, 'किसी भी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हों, वह लालू ऑफ स्कूल के छात्र रहे हैं। लालू यादव के बिना बिहार में किसी नेता की पहचान नहीं होती है।'

आईटी कंपनी की मालकिन एंप्लाई पर हार बैठी दिल, शादी के बाद पति ने किया ऐसा कांड, थाने में महिला ने पी लिया जहर

अहमदाबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात की रहने वाली एक महिला ने ओडिशा के भद्रक जिले के एक थाने के अंदर फिनाइल पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। महिला का आरोप है कि उसके पति ने उसके साथ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करके उसे छोड़ दिया है। इस संबंध में उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही थी। जिसके बाद उसने थाने में ही सुसाइड की कोशिश की थी। महिला के फिनाइल पीने के बाद पुलिस ने तुरंत उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ित महिला अहमदाबाद की एक आईटी कंपनी की मालकिन थी। इस दौरान उसे कंपनी में काम करने वाले एक कर्मचारी मनोज से प्यार हो गया था। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली थी। मनोज ने अपनी पत्नी को नरसिंहपुर में बिजनेस शुरू करने के लिए राजी कर लिया था.महिला ने पति का बिजनेस शुरू करवाने के लिए अपनी प्रॉपर्टी और कंपनी को गिरवी रखकर पति को पांच करोड़ रुपये दिये थे। महिला का आरोप है कि 5 करोड़ मिलने के बाद पति पैसे लेकर फरार हो गया। महिला ने तीन महीने पहले पति के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन महिला का आरोप है कि पुलिस इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही थी। पुलिस की लापरवाही को देखते हुए महिला ने ओडिशा के बोनठ थाने में ही फिनाइल पी लिया था। महिला को फिनाइल पीता देख थाने में हड़कंप मच गया। पुलिसकर्मी ने तुरंत महिला को भद्रक जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां महिला की स्थिति अब सामान्य बताई जा रही है। पुलिस स्टेशन प्रभारी ने बताया कि आरोपी मनोज की तलाश की जा रही है। उसे पकड़ने के लिए एक इंस्पेक्टर और दो सब इंस्पेक्टर की विशेष टीम बनाई गई है। पुलिस की यह टीम कई जगहों पर छापेमारी कर चुकी है, लेकिन अभी तक आरोपी गिरफ्त में नहीं आया है। पुलिस निरंतर आरोपी को पकड़ने की कोशिश में लगी हुई है।

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फिर बिगड़े हालात किसानों के बीच कहासुनी के बाद हुई झड़प

मालदा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर एक बार फिर तनाव के हालात बन गए। पहले दोनों देशों के किसानों के बीच कहासुनी और फिर झड़प होने लगी। हालांकि, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की ओर से तत्काल हस्तक्षेप कर हालात को तुरंत कंट्रोल में किया गया।

फसल चोरी करने का आरोप

बीएसएफ के मुताबिक यह घटना आज करीब 11:45 बजे उस समय हुई जब अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास काम कर रहे भारतीय किसानों ने बांग्लादेशी किसानों पर फसल चोरी करने का आरोप लगाया। उसने बताया कि कहासुनी ने जल्द ही उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के किसान बड़ी संख्या में जमा हो गए, एक-दूसरे को गालियां देने लगे और एक-दूसरे पर पत्थरबाजी करने लगे।

बीएसएफ और बीजीबी ने किया हस्तक्षेप

बीएसएफ ने एक बयान में कहा, ''बीएसएफ और बीजीबी कर्मियों ने समय पर हस्तक्षेप किया और स्थिति पर तत्काल काबू पाया। दोनों पक्षों के किसानों को तितर-बितर कर दिया गया और उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में वापस भेज दिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।''

बीएसएफ को समस्याओं की सूचना दें किसान

बीएसएफ ने इस तरह के विवादों से बचने पर जोर दिया और भारतीय किसानों को सलाह दी कि वे सीमा पर कृषि संबंधी किसी भी समस्या की सूचना सीधे बल के कर्मियों को दें। बयान में कहा गया, ''हमने भारतीय किसानों से शांति बनाए रखने और सीमा विवादों में शामिल होने से बचने का अनुरोध किया है। किसी भी शिकायत के मामले में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।''सीमा पार बीजीबी ने भी स्थिति को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई। दोपहर बाद तक कुछ बांग्लादेशी नागरिक अंतरराष्ट्रीय सीमा के 50-75 मीटर के दायरे में देखे गए, लेकिन खबरों के मुताबिक बीजीबी कर्मियों ने उन्हें रोक दिया, जिससे स्थिति नहीं बिगड़ी। बयान के मुताबिक बीएसएफ और बीजीबी के इलाके में तैनात कमांडेंट भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के वास्ते समन्वय बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

5 साल की मासूम बच्ची से रेप, फिर हत्या, पैर में गोली लगने के बाद भी करता रहा फायरिंग, ऐसे हुआ अरेस्ट

गाजियाबाद, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक दिल दहलाने वाली वारदात हुई है। यहां एक युवक ने अपने मुहल्ले में ही रहने वाली 5 साल की मासूम के साथ रेप किया और फिर हत्या करने के बाद शव को बोरे में भरकर नाले में डाल दिया। वारदात के बाद आरोपी लड़की के परिजनों के साथ मिलकर उसकी तलाश भी कर रहा था, लेकिन इसी बीच शक के आधार पर पुलिस ने उसकी घेराबंदी की तो वह पुलिस पर ही फायरिंग करने लगा। यहां तक कि एक पैर में गोली लगने के बाद भी वह नहीं रूका तो पुलिस ने उसकी दोनों टांगों में गोली मारकर दबोच लिया है। यह वारदात गाजियाबाद के लिंकरोड थाना क्षेत्र में महाराजपुर का है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान मूल रूप से बिहार में मधेपुरा के रहने वाले नूर आलम उर्फ राजू (19) के रूप में हुआ है. वह यहां महाराजपुर गांव में किराए का घर लेकर रहता था

मैं कोई बाजारू औरत थोड़े हूं

सीतापुर एमपी राकेश राठौर पर रेप की एफआईआर के बाद महिला का ऑडियो वायरल

सीतापुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सीतापुर कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के खिलाफ महिला नेता ने रेप का मुकदमा दर्ज कराया है। सीतापुर में रविवार को एक महिला सुबह और सांसद का ऑडियो सामने आया है। पीड़िता ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में कॉल रिकॉर्डिंग भी पुलिस को दी। वायरल ऑडियो में महिला ने सांसद के किए गए वादों की बात कर रही है। महिला का आरोप है कि कांग्रेस सांसद ने 4 सालों तक उसका शारीरिक शोषण किया है। इसी के साथ सांसद ने उसके साथ शादी करने और उसे नेता बनाने का भी भरोसा दिया और उसका शोषण किया। सांसद पर धमकी देने का भी आरोप लगाया है।

ये है पूरा घटना क्रम

सीतापुर कोतवाली नगर क्षेत्र निवासी एक पीड़िता ने कांग्रेस सांसद राकेश राठौर पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने बताया कि सांसद राकेश राठौर पिछले 4 वर्षों से शादी का झांसा व राजनैतिक कैरियर की सहायता देने के आश्वासन के नाम पर पीड़िता का यौन शोषण कर रहा था। पीड़िता ने पुलिस को कॉल रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध करायी है। पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी द्वारा पीड़िता को लगातार धमकियां भी दी जा रही हैं। प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना कोतवाली नगर, सीतापुर में अभियोग संख्या: 16/2025 कायम किया गया। यह केस बीएनएस धारा 64 (आईपीसी धारा 376), बी०एन०एस० 351 (3), बीएनएस 127 (2) के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा विवेचना के क्रम में अभी तक इलेक्ट्रानिक साक्ष्य संकलन की कार्रवाई व पीड़िता का मेडिकल और न्यायाधीश के समक्ष धारा 183 बी०एन०एस०एस० (सीआरपीसी धारा 164) के अन्तर्गत बयान दर्ज किया गया है। सांसद का विवादों रहा पुराना नाता राकेश राठौर 2017 के चुनाव में भाजपा की उम्मीदवार के रूप में सीतापुर से चुने गए थे। 2021 में उनकी निजी बातचीत के कई ऑडियो क्लिप लीक हुए थे। जिसमें वह सरकार की कड़ी आलोचना कर रहे थे। खासकर कोरोना महामारी की प्रक्रिया पर साथी पार्टी के भीतर जातिवादी रुझान की भी शिकायत कर रहे थे।

भाजपा से सपा और फिर कांग्रेस का थामा था हाथ

भाजपा का दामन छोड़ने के बाद राकेश राठौर ने सपा का रुख कर लिया। हालांकि 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्हें सपा ने टिकट नहीं दिया। इसके बाद राकेश राठौर ने राहुल गांधी से मुलाकात करके कांग्रेस ज्वाइन कर ली 2024 के लोकसभा चुनाव में राकेश राठौर ने चार बार के सांसद राजेश वर्मा को 90000 मतों के अंतर से हराकर अप्रत्याशित जीत हासिल की थी।

रोहतास में ज्वेलरी दुकान का शटर तोड़कर चोरी 20 किलो चांदी और 400 ग्राम सोना ले उड़े चोर

रोहतास, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास जिले की एक ज्वेलरी दुकान से बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। नटवार थाना क्षेत्र के नटवार बाजार में स्थित न्यू मां वैष्णो ज्वेलर्स नामक दुकान को चोरों ने अपना निशाना बनाया। यहां से चोरों ने लगभग 20 किलो चांदी और 400 ग्राम सोने के गहने चुरा लिए। चोरी हुए गहनों की अनुमानित कीमत 40 लाख रुपये बताई जा रही है। चोरों ने बड़ी चालाकी से इस घटना को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि पहले चोरों ने दुकान के शटर और ताले को काटा और फिर अंदर घुसकर तिजोरी को तोड़ दिया। घटना को अंजाम देने से पहले चोरों ने बगल की एक दुकान से चौकी लाकर दुकान के सामने खड़ा किया, जिससे चोरी करते समय किसी को शक न हो। आभूषण दुकान विनय कुमार और पप्पू कुमार नामक दो युवकों की है। दुकान मालिकों ने बताया कि हाल ही में उन्होंने बड़े पैमाने पर गहनों का स्टॉक मंगवाया था उसी दौरान चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया। चोरी की घटना को लेकर विक्रमगंज के एसडीपीओ कुमार संजय ने बताया कि सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंच गए थे। चोरी की घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है और जल्द ही अपराधियों को पकड़ने के लिए विशेष टीम बनाई जाएगी। घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाने और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने का काम जारी है। चोरी की घटना को लेकर क्षेत्र के व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। इस तरह की वारदातें क्षेत्र के व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। एसडीपीओ कुमार संजय ने कहा कि चोरों ने घटना को बड़ी ही सावधानी से अंजाम दिया है। पुलिस अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। सभी संबंधित जगहों पर छापेमारी की जा रही है।

'लुटेरी दुल्हन' का मायाजाल, शादी का झांसा देकर युवाओं को बना रहीं कंगाल

देहरादून, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में शादी का झांसा देकर युवाओं को ठगने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। 'लुटेरी दुल्हन' का यह गिरोह खासतौर पर जवान लड़कों को निशाना बना रहा है। ऑनलाइन माध्यमों के जरिए यह गिरोह पहले उनसे दोस्ती करता है, फिर शादी का वादा कर उनकी व्यक्तिगत जानकारी हासिल करता है और अंत में उनके बैंक खातों को खाली कर देता है। कुमाऊं क्षेत्र के छह जिलों में अब तक ऐसे 15 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। साइबर पुलिस के अनुसार, इन घटनाओं में करीब 10 लाख रुपये से अधिक की ठगी हो चुकी है। हल्द्वानी, रुद्रपुर, अल्मोड़ा और आसपास के क्षेत्रों में ऐसे कई युवा इन साइबर अपराधियों के शिकार हो चुके हैं। साइबर पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार, यह गिरोह सोशल मीडिया और मैरिज साइट्स का इस्तेमाल करता है। यहां पर महिलाओं के फर्जी प्रोफाइल बनाए जाते हैं, जिनके जरिए वे युवक से संपर्क करती हैं। शुरुआती बातचीत में वे विश्वास जीतने के लिए भावनात्मक संबंध बनाने का प्रयास करती हैं। कुछ दिनों के बाद शादी का वादा कर युवाओं को झांसे में लेती हैं। इसके बाद युवाओं से ऑनलाइन ऐप या लिंक के जरिए उनके बैंकिंग विवरण और अन्य संवेदनशील जानकारी हासिल की जाती है। इन लिंक और ऐप्स को एक बार खोलने पर युवाओं के खाते तक पहुंच बना ली जाती है, और धीरे-धीरे उनके खातों को खाली कर दिया जाता है। हल्द्वानी के मुखानी क्षेत्र निवासी एक युवक से एक पखवाड़ा पहले 'लुटेरी दुल्हन' ने डेढ़ लाख रुपये की ठगी कर ली। युवक निजी कंपनी में कार्यरत था और शादी के लिए एक मैरिज साइट पर महिला से जुड़ा था। बातचीत के बाद महिला ने शादी का वादा किया और युवक से निवेश के नाम पर पैसे की ठगी की। रुद्रपुर साइबर थाने में एक माह पहले ऐसा ही एक मामला दर्ज किया गया। एक युवक की महिला मित्र ने दोस्ती बढ़ाने के बाद निवेश के नाम पर उससे एक लाख रुपये ठग लिए। इस तरह अल्मोड़ा के एक युवक से कुछ महीनों पहले एक महिला ने शादी का वादा कर 50 हजार रुपये की ठगी की। महिला ने ऐप के जरिए खाते की जानकारी ली

सैफ अली खान पर हमला: आरोपी के बांग्लादेशी कनेक्शन पर कैलाश विजयवर्गीय का बडा बयान

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के घर में घुसकर उन पर हमला करने वाले का बांग्लादेशी कनेक्शन सामने आया है। मुंबई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के बांग्लादेशी होने का शक जताया है। इसे लेकर बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने चिंता जताई है। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, बहुत से बांग्लादेशी बंगाल सरकार द्वारा भारत में घुसाए जा रहे हैं। हिंदू नाम से उनका आधार कार्ड बन रहा है। यहां आकर वे लोग अपराध कर रहे हैं। अभी साइबर क्राइम चल रहा है, जो बांग्लादेश के लोग कर रहे हैं। बांग्लादेशी लोगों द्वारा आपराधिक गतिविधियां चिंता का विषय है। सरकार ने कड़ाई से इस पर निर्णय लिया है। इस पर आवश्यक कार्रवाई करने की आवश्यकता है। मुंबई में अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने वाले शख्स तक पहुंचने में एक श्रमिक ठेकेदार ने मुंबई पुलिस की मदद की। पुलिस ने गुरुवार को तड़के सैफ के बांद्रा स्थित घर पर हुए हमले के मामले में बांग्लादेशी नागरिक शरीफुल इस्लाम शहजाद मोहम्मद रोहिल्ला अमीन फाकिर (30) को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस ने आरोपी का पता लगाने के लिए कई टीम गठित की थीं। आरोपी दो दिन से अधिक समय से फरार था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी तीन बार दादर रेलवे स्टेशन के बाहर देखा गया था और वह वर्ली कोलीवाड़ा भी गया था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज की जांच की और पाया कि हमलावर इलाके में एक श्रमिक ठेकेदार के पास गया था। उन्होंने कहा कि श्रमिक ठेकेदार ने पुलिस को हमलावर के बारे में सारी जानकारी दी और उसकी सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे ठाणे के एक वन क्षेत्र में स्थित श्रमिक शिविर में खोज निकाला। अधिकारी ने बताया कि आरोपी पूर्व में ठाणे स्थित एक होटल में काम कर चुका है और अब तक उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। बता दें कि अभिनेता सैफ अली खान (54) पर बांद्रा के 'सतगुरु शरण' बिल्डिंग की 12वीं मंजिल पर स्थित उनके घर में गुरुवार को हमलावर ने कई बार चाकू से वार किया था। सैफ की आपातकालीन सर्जरी करने वाले चिकित्सकों ने बाद में उनकी रीढ़ से टूटे हुए चाकू का 2.5 इंच का टुकड़ा निकाला था। चिकित्सकों का कहना था कि अगर चाकू दो मिलीमीटर और अंदर घुस जाता तो गंभीर चोट लग सकती थी।

'शपथ लेने के लिए कोट-पैंट सिलवा चुके थे जयराम ठाकुर', सीएम सुक्खू ने बीजेपी नेता पर कसा तंज

शिमला, 19 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह इन दिनों सबसे बड़े जिला कांगड़ा प्रवास पर हैं। मुख्यमंत्री यहां विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं। ज्वाली विधानसभा क्षेत्र पहुंचकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने जहां एक तरफ अपनी सरकार के दो साल के काम गिनवाए तो वहीं, दूसरी तरफ पूर्व में रही भारतीय जनता पार्टी सरकार पर भी निशाना साधा।

मुख्यमंत्री खासतौर पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर हमलावर नजर आए। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पिछली बीजेपी सरकार ने केवल चुनावी लाभ हासिल करने के लिए पांच हजार करोड़ रुपये अनावश्यक खर्च किए। बिना उपयुक्त स्टाफ और बजट के प्रावधान के 900 संस्थान खोले गए और सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता में भारी कमी आई। पिछली बीजेपी सरकार के कार्यकाल के दौरान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश फिसलकर देश में 21वें पायदान पर पहुंच गया और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी कमी हुई। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि जब हिमाचल प्रदेश में आपदा आई थी, तब भारतीय जनता पार्टी यहां सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही थी। कांग्रेस के छह विधायक पार्टी छोड़ भाजपा में चल गए। जयराम ठाकुर तो नया कोट-पेंट सिलवाकर शपथ लेने की तैयारी भी कर चुके थे। जयराम ठाकुर ने विधानसभा में चुनौती दी कि इस सरकार को भगवान भी नहीं बचा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता ने उनके साथ दिया और भारतीय जनता पार्टी का ऑपरेशन लोटस विफल हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के सहयोग से ही कांग्रेस एक बार फिर 40 विधायकों की संख्या पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्हें देवभूमि के देवी-देवताओं का भी आशीर्वाद मिला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान अनेक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। व्यवस्था परिवर्तन के ध्येय के साथ साहसिक और सुधारात्मक निर्णय लिए हैं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 20 जनवरी - 2025

डिजिटल युग में फेक न्यूज़ का ख़तरा धर्म क्षेत्र में भी दिख रहा है

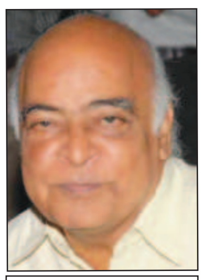
अशोक भाटिया

कुंभ मेले की सफलता को देखते हुए कुंभ मेले के विरोधियों को उनकी हरकतों से पहचाना जा सकता है .कुछ समय पूर्व समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव नै कहा था कि प्रयागराज में उतनी भीड़ नहीं है जितनी बताई जा रही है ।इसके अलावा 'हैलो, महाकुंभ में बम ब्लास्ट होगा...' वगेरह ऐसे कई फेक वीडियो फैलाये जा रहे है जिससे कुंभ विरोधियों की हताशा स्पष्ट झलकती है .कुंभ मेले में हाल ही में एक बड़ी चौंकाने वाली घटना घटी। आचार्य प्रशांत के नाम से एक झूठा पोस्टर वायरल हुआ, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने कुंभ को अंधविश्वास बताया है। जांच में यह दावा पूरी तरह से फर्जी निकला। आचार्य प्रशांत ने ऐसा कोई बयान कभी नहीं दिया। लेकिन इस झूठी खबर के कारण हिंसा भड़क गई। मौके पर मौजूद पूर्व सैनिक मोहन सिंह ने बताया कि यह पूरी तरह से सुनियोजित षड्यंत्र था।कुछ लोगों ने पहले फर्जी पोस्टर वायरल किया और फिर कुंभ में वितरित की जा रही आचार्य प्रशांत द्वारा लिखित भगवद गीता, उपनिषद, महाभारत, दुर्गा सप्तशती, शिव सूत्र और रामायण जैसी पुस्तकों को जला दिया। इतना ही नहीं, पुस्तक वितरकों के साथ मारपीट भी की गई। इस फेक न्यूज़ के फैलाने में जयपुर डायलॉग्स के संजय दीक्षित, इंडिया स्पीक्स डेली के संजय देव और एबीपी न्यूज़ जैसे संस्थानों की संलिप्तता सामने आई है। डिजिटल युग में फेक न्यूज़ का ख़तरा अब धर्म के क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। डिजिटल युग में फर्जी खबरें (फेक न्यूज) बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं, जिसमें जनता को गुमराह करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बाधित करने की क्षमता है। हालाँकि, गलत सूचना को संबोधित करने में, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत गारंटीकृत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को संतुलित करना आवश्यक है। चुनौती नागरिकों के असहमति व्यक्त करने या राय व्यक्त करने के अधिकार का उल्लंघन किए बिना गलत सूचना का मुकाबला करने में है। यह पवित्रता ही है जो समाचार को समाज में एक विशिष्ट स्थान प्रदान करती है। लेकिन फर्जी खबरों की परिघटना समाचार के मूल मूल्यों को निशाना बनाती है, जो असामाजिक तत्वों, अफवाह फैलाने वालों या उन उच्च और शक्तिशाली लोगों के निजी हितों को पोषित करती है, जो समाचार की आड़ में अपना निजी एजेंडा आगे बढ़ाते हैं। जब फर्जी खबरों को डिजिटल पंख लग जाते हैं, तो यह वायरल पत्रकारिता में बदल जाती है। यदि इसका दुरुपयोग किया जाता है, तो यह हिंसा और घृणा फैला सकती है, तबाही मचा सकती है और नागरिक समाज के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है। फैक्ट-चेकिंग संगठन समाचारों की पुष्टि करने और लोगों को फेक न्यूज़ के बारे में शिक्षित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इन संगठनों को सरकार और मीडिया द्वारा प्रोत्साहित एवं समर्थित किये जाने की आवश्यकता है। ऐसी ख़बरें रोकने के लिए आजकल कुछ चैनलों व समाचारपत्रों के आजतक फैक्ट चेक न्यूज़ में किसी भी तरह का राजनीतिक या परिस्थितिजन्य भेदभाव न करते हुए किसी ख़बर को फैक्ट चेक के लिए चुनने में पूरी तरह से निष्पक्ष रहते हैं. फैक्ट चेक प्रक्रिया शुरू करने के लिए किसी दावे के चयन में पहला कदम दर्शकों से मिले अनुरोध को देखना होता है. संभावित सूचनाओं, दुष्प्रचार, संदिग्ध वायरल पोस्ट और गलत सूचनाओं, जैसे किसी सार्वजनिक हस्ती के विवादास्पद बयान आदि के लिए लगातार मेनस्ट्रीम और सोशल मीडिया पर नजर रखा जाता है. कीस भी तरह के उकसाने वाले हैशटैग या वायरल वीडियो, मीम्स, फेसबुक पेज और वॉट्सऐप जैसे मैसेजिंग ऐप के द्वारा पहुंच सकते हैं.एक बार जब फैक्ट चेक के लिए सामग्री तय हो जाती है, तो रिसर्च और जांच के लिए मौके पर जाकर क्रॉस वेरिफिकेशन किया जाता है. फिर ख़बर तैयार करना और उसकी समीक्षा के लिए हम सत्यापित तथ्यों को देखते हैं और प्रासंगिक दृष्टकोण के साथ ही सरल, सटीक और पारदर्शी तरीके से पेश करते हैं. फैक्ट चेक की ख़बर के प्रकाशन के बाद पाठकों और दर्शकों द्वारा स्टोरी पर या सोशल मीडिया के द्वारा की गई टिप्पणियों के रूप में मिले फीडबैक पर गहरी नजर रखी जाती है.पत्र सूचना कार्यालय की माने तो उसकी तथ्य-परीक्षण इकाई ने नवंबर 2019 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक गलत सूचना के 1,160 मामलों का भंडाफोड़ किया है। फेक न्यूज़ रोकने के लिए व्यक्तियों को अपने सोशल मीडिया उपयोग के लिये ज़िम्मेदारी लेने की आवश्यकता है। उन्हें असत्यापित समाचारों को साझा करने से बचने और ऑनलाइन कंटेंट पर विवेकपूर्ण दृष्टिकोण रखने की आवश्यकता है।स्कूलों में और आम समाज में आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।लोगों को पढ़ी-सुनी गई बातों पर सवाल पूछ सकने और सूचना के विश्वसनीय स्रोतों की तलाश के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिये। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2020 में भारतीय दंड संहिता की धारा 505 के तहत 'फ़ज़ी/झूठी ख़बर/अफवाह का प्रसार' करने वाले लोगों के विरुद्ध दर्ज मामलों की संख्या में 214% की वृद्धि हुई।भारत में फेक न्यूज़ के विरुद्ध सुदृढ़ कानूनों की ज़रूरत है, जबकि मीडिया संगठनों द्वारा तथ्य-परीक्षण को एक नियमित अभ्यास के रूप में अपनाने और अधिक से अधिक जन जागरूकता का सृजन करने की आवश्यकता है। भारत में फेक न्यूज़ पर अंकुश लगाने की राह में कई चुनौतियाँ है जैसे भारत की डिजिटल साक्षरता दर अभी भी कम है, जिससे फेक न्यूज़ का प्रसार आसान हो जाता है, क्योंकि लोगों के पास प्रायः समाचार स्रोतों की प्रामाणिकता को सत्यापित करने का कौशल नहीं होता है। 'इंडिया इनइक्वलिटी रिपोर्ट 2022: डिजिटल डिवाइड' के अनुसार, देश की लगभग 70% आबादी डिजिटल सेवाओं के लिये कनेक्टिविटी के अभाव या ख़राब कनेक्टिविटी की स्थिति रखती है।निर्धनतम 20% परिवारों में से केवल 2.7% के पास कंप्यूटर और 8.9% के पास इंटरनेट की सुविधा है।भारत में राजनीतिक उद्देश्यों के लिये, विशेषकर चुनावों के दौरान, फेक न्यूज़ का प्रायः उपयोग किया जाता है। राजनीतिक दल जनमत में हेरफेर के लिये फेक न्यूज़ का उपयोग करते हैं, जिससे उनके प्रसार को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। भारत में तथ्य-परीक्षण अवसंरचना सीमित है और कई मौजूदा तथ्य-परीक्षण संगठन तथ्य-परीक्षण इकाइयाँ) आकार में छोटे हैं तथा वित्तपोषण की कमी का सामना कर रहे हैं।वर्तमान में भारत में फेक न्यूज़ के प्रसार के लिये कठोर दंड का भी अभाव है, जिससे लोगों को फेक न्यूज़ सृजन और प्रसार से भय दिखाकर रोकना कठिन हो जाता है। भ्रामक सूचनाओं पर अंकुश लगाने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है सोशल मीडिया मंचों द्वारा पारदर्शिता की कमी।ये मंच कुछ प्रकार की सूचना का खुलासा करते भी हैं तो डेटा को प्रायः इस तरीके से प्रस्तुत नहीं किया जाता है जो आसान विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता हो।पहचान की गुप्तता का सर्वप्रमुख कारण है प्रतिशोधी सरकारों के विरुद्ध सच बोलने में सक्षम होना या ऑनलाइन व्यक्त विचारों को ऑफ़लाइन दुनिया में वास्तविक व्यक्ति से संबद्ध किये जाने से बचना। बिना किसी असुरक्षा के लोगों को अपने विचार साझा कर सकने में मदद करने के बावजूद, यह इस अर्थ में अधिक हानि करता है कि लोग बिना कोई परिणाम भुगते भ्रामक सूचनाओं का प्रसार कर सकते हैं। फेक न्यूज को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ समय पूर्व एक सख्त संदेश जारी किया था । उन्होंने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि 'कुछ भी फॉरवर्ड करने से पहले 10 बार सोचें।' पीएम ने कहा था कि फेक न्यूज बेहद खतरनाक है और इसके कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई एक फर्जी खबर भी बढ़कर राष्ट्रीय चिंता का विषय बनने की क्षमता रखती है, लिहाजा उन पर लगाम कसने के लिए देश को उन्नत तकनीक पर जोर देना होगा। प्रधानमंत्री ने ऐसी किसी भी जानकारी को दूसरों के पास आगे भेजने से पहले विश्लेषण और सत्यापित करने के बारे में लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''किसी भी जानकारी को आगे भेजने से पहले 10 बार सोचना चाहिए और इस पर विश्वास करने से पहले इसे सत्यापित करना अत्यंत आवश्यक है।

तेजस्वी को झटका दे गए राहुल

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तेजस्वी यादव चुनावी रण में कूद चुके हैं। इसके साथ ही वह यह भी कह चुके हैं कि लोकसभा चुनाव के पहले विपक्षी दलों का बना गठबंधन अब अस्तित्व में नहीं है, लेकिन बिहार में महागठबंधन एक है। चुनावी साल में पहली बार बिहार आए कांग्रेस नेता राहुल गांधी कुछ ऐसा बोल गए हैं कि महागठबंधन अंदर तक हिल गया है। तेजस्वी यादव जिस मुद्दे को मास्टर स्ट्रोक मान कर चल रहे थे, राहुल गांधी ने उसकी हवा निकाल दी। महागठबंधन में सबसे मजबूत राष्ट्रीय जनता दल ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान बिहार में एनडीए के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। उस दौरान तेजस्वी यादव बार-बार शेखी बघार रहे थे कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ गए तो बिहार में जातीय जनगणना हो सकी। वे बिहार के जातीय जनगणना को लगातार अपने एजेंडे में रख रहे हैं। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर बनी हर कार्य-योजना में इसे जगह देने का मन बनाया। चुनावी साल में तेजस्वी ने साफ कहा- विकास का कार्य हम लोगों ने किया है। जाति आधारित गणना कराया है। आरक्षण की सीमा बढ़ाई है। हम लोगों ने जो कहा, वह किया। लेकिन राहुल गांधी ने तो पटना आकर ही कह दिया कि बिहार में फर्जी जातिगत जनगणना हुई थी। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के जनादेश से राज्य में गठित हुई एनडीए ने जातीय जनगणना कराने का फैसला लिया था। तत्कालीन विपक्ष, यानी महागठबंधन के दलों ने भी इसका समर्थन किया। आम लोगों ने विरोध शुरू किया और मामला कोर्ट में चला गया। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगस्त 2022 में एनडीए छोड़ महागठबंधन का दामन थाम लिया और इसी के बाद जातीय जनगणना होकर इसकी रिपोर्ट आई और अक्टूबर 2023 में आननफानन में आरक्षण भी बढ़ा दिया गया, हालांकि कोर्ट ने इसपर रोक लगा दी। एक तरफ एनडीए 2020 में अपनी सरकार बनने पर जातीय जनगणना का फैसला करने के लिए क्रेडिट ले रहा तो दूसरी तरफ अगस्त 2022 में उप मुख्यमंत्री बने तेजस्वी यादव जगणना करा कर आरक्षण बढ़ाने का क्रेडिट ले रहे। ऐसे में अब राहुल गांधी के बयान के बाद सवाल उठने लगा है कि क्या तेजस्वी इस क्रेडिट वार में अपने कदम पीछे खींच लेंगे? बिहार में विकास से ज्यादा जाति बड़ा मुद्दा है। जातीय जनगणना के बाद बढ़ा आरक्षण लागू हुआ था, तभी जातीय गतिरोध बढ़ गया था। कुछ हो, इसके पहले ही हाईकोर्ट ने इसपर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस रोक को हटाने से मना कर दिया। यह मामला अभी वहीं है। लेकिन, बिहार में जातीय जनगणना के आंकड़ों से जो माहौल बना, वह बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में कहीं-न-कहीं प्रभाव दिखाएगा, यह पक्का है। बिहार में सीटों का बंटवारा भी इसी जातीय जनगणना के आधार पर होगा और हमेशा की तरह जातीय गोलबंदी से ही चुनाव परिणाम भी प्रभावित होगा। ऐसे में राहुल गांधी का ताजा बयान महागठबंधन की एकता के लिए मुसीबत बन सकता है, क्योंकि उन्होंने जनगणना को फर्जी जो बता दिया है।

बदल रही है कौशल बाजार की तस्वीर

सुनील कुमार महला

भारत पचपन करोड़ से भी अधिक युवा आबादी के साथ आज दुनिया का सबसे युवा देश है। कहते हैं कि युवा ही किसी देश का असली भविष्य और राष्ट्र की रीढ़ होते हैं। भारत के युवा अपनी कौशल(स्किल) और प्रतिभा(टेलेंट) के माध्यम से वैश्विक स्तर पर लगातार अपनी विशिष्ट व अहम् पहचान बना रहे हैं। अमेरिका के बाद, भारत विश्व का ऐसा दूसरा देश है जहां के युवा इस मुकाम पर पहुंच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में जारी किए गए क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स में भारत ने 25वां स्थान प्राप्त किया है जो उच्च शिक्षा के परिप्रेक्ष्य और स्नातकों के कौशल विकास के आधार पर देश की स्थिति को दर्शाता है। क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स लंदन स्थित क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा विकसित इंडेक्स है जो अपनी विश्वविद्यालय रैंकिंग के लिए प्रसिद्ध है। वास्तव में इसका उद्देश्य यह आकलन करना है कि देश तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक नौकरी बाजार की मांगों को पूरा करने के लिए कितने तैयार हैं। गौरतलब है कि यह सूचकांक चार महत्वपूर्ण आयामों के आधार पर राष्ट्रों का मूल्यांकन करता है, जिसमें क्रमशः कौशल फिट(स्किल फिट) ,शैक्षिक तत्परता(अकेडमिक रेडीनेस) ,कार्य का भविष्य(फ्यूचर ऑफ वर्क) तथा आर्थिक परिवर्तन(इकोनामिक चेंज) शामिल हैं। हाल ही में जारी रिपोर्ट इस बात का खुलासा करती है कि भारत की फ्यूचर स्किल और उभरती नौकरी प्रवृत्तियों पर मजबूत ध्यान भारत को एक प्रगतिशील राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत विश्व का ऐसा देश है जिसने फ्यूचर आफ वर्क और अकेडमिक रेडीनेस में अपनी क्षमताओं को दिखाते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। सच तो यह है कि भारत में महत्वपूर्ण क्षमताएं मौजूद हैं। आज भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है, लेकिन देश की मौजूदा आर्थिक और शैक्षिक प्रणालियों में आज भी कुछ चुनौतियां हैं जो हमारे देश की प्रगति को धीमा कर सकती हैं। पाठक जानते हैं कि आज भी भारत में विश्व के अन्य देशों की तुलना में रिसर्च(शोध) और डेवलपमेंट(विकास) में निवेश कम है। यह भी एक तथ्य है कि देश अपने पर्यावरणीय नीति लक्ष्यों तक पहुंचने से अभी दूर है। क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स में भारत ने फ्यूचर ऑफ वर्क श्रेणी में 99.1 अंक, अकादमिक रेडीनेस श्रेणी में 89.9 अंक, स्किल फिट श्रेणी में 59.1 अंक और आर्थिक रूपांतरण श्रेणी में 58.3 अंक प्राप्त किए हैं। कुल मिलाकर, भारत ने 100 में से 76.6 अंक हासिल किए हैं। ऊपर बता चुका हूं कि भारत की कुल रैंकिंग 25वें स्थान पर रही है। गौरतलब है कि इस रैंकिंग में भारत ने विभिन्न श्रेणियों में क्रमशः स्किल फिट में 37वां, एकैडमिक रेडीनेस में 26वां और आर्थिक बदलाव में 40वां स्थान हासिल किया है। रिपोर्ट यह बताती है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारतीय युवा अपने कौशल(स्किल्स) में तेजी से सुधार कर रहे हैं और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए वे पूरी तरह से तैयार हैं।भारत ने 'फ्यूचर आफ वर्क' इंडिकेटर में शानदार प्रदर्शन किया है और इस श्रेणी में उसे 99.1 अंक प्राप्त हुए हैं, जो कि केवल अमेरिका से थोड़े ही कम हैं। वास्तव में इसे इस श्रेणी में दुनिया की दूसरी सबसे उच्च रैंक मिली है। आज भारत वैश्विक मंदी के बावजूद वेंचर कैपिटल फंडिंग को आकर्षित कर रहा है और इतना ही नहीं, भारत अपने कार्यबल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को शामिल करने में तत्पर है। रिपोर्ट में भारत के उच्च शिक्षा क्षेत्र, उद्योग सहयोग और रोजगार बाजार में सुधार की आवश्यकता को प्रमुख रूप से चिन्हित किया गया है। हालांकि भारतीय विश्वविद्यालयों ने क्यूएस रैंकिंग में अच्छा प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि डिजिटल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ग्रीन स्किल्स के मामले में भारतीय स्नातकों को उद्योग की बढ़ती मांगों के अनुसार और बेहतर तैयार किया जा सकता है। इस संदर्भ में भारत के लिए कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशें दी गई हैं, जैसे कि उच्च शिक्षा संस्थानों को सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्रीन टेक्नोलॉजीज जैसी वैश्विक प्रवृत्तियों के अनुरूप अनुसंधान और उद्योग प्रयासों को समन्वित करने की आवश्यकता है। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वयस्क शिक्षा पाठ्यक्रम विकसित करने पर भी जोर दिया गया है। क्यूएस के उपाध्यक्ष ने यह बात कही है कि, 'भारत की जीडीपी वृद्धि, युवा जनसंख्या और स्टार्टअप संस्कृति इसे वैश्विक मंच पर मजबूती से स्थापित कर रही है, जबकि अन्य देशों को वृद्धावस्था की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। भारत की वर्तमान जनसंख्या में विकास के लिए कई अनूठी संभावनाएं हैं।' रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था वर्ष 2025 से 2030 तक औसतन 6.5% प्रति वर्ष बढ़ने का अनुमान है, जिससे यह कई प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल जाएगा हालांकि, जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था और नवाचार बढ़ते हैं, छात्रों, स्नातकों और श्रमिकों को बदलती जरूरतों के साथ बने रहने के लिए संबंधित कौशलों के साथ समर्थन की आवश्यकता होगी। वर्ष 2047 तक, भारत एक विकसित राष्ट्र की सभी विशेषताओं के साथ 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2024 में हासिल उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा था कि 'सरकार वर्ष 2025 में और भी अधिक मेहनत करने तथा विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।' बहरहाल, सच तो यह है आज भारत कौशल से युक्त है और भारतीय युवा 2047 या शायद उससे पहले ही विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने को तैयार दिख रहे हैं, जिसका प्रमाण दुनिया के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा नेटवर्क 'क्यूएस रेटिंग' द्वारा जारी क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स है। आज भारतीयों की क्षमताओं, स्किल्स को संदेह की नजर से नहीं अपितु हर कहीं सराहा जा रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि पिछले कुछ वर्षों में, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने देश के कौशल बाजार की तस्वीर पूरी तरह से बदल दी है। सच तो यह है कि आज के भारत में शिक्षा और रोजगार के बीच अंतराल पहले की तुलना में कम हुआ है। आज भारत के युवा व्यावसायिक प्रशिक्षण व कौशल हासिल कर रहे हैं और पेशेवर बन रहे हैं। वास्तव में आज के समय में युवाओं का भविष्य के लिए तैयार रहना देश के आर्थिक विकास के लिए बहुत ही जरूरी है। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण व अहम् भूमिका का निर्वहन करती है, इसलिए यह बहुत ही आवश्यक व जरूरी है कि आज हम उच्च शिक्षा में पाठ्यक्रम में रचनात्मकता, समस्या समाधान और उद्यमशीलता की सोच को शामिल करें।

2025 के बजट से आमजन को उम्मीदें

बलदेव राज भारतीय

जनवरी की शुरुआत होते ही पूरे देश में बजट की चर्चा जोर पकड़ने लगती है। एक फरवरी को देश के वित्तमंत्री जब बजट पेश करते हैं, तो वह सिर्फ कागजों का लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि हर वर्ग के सपनों, अपेक्षाओं और चिंताओं का प्रतिबिंब होता है। चाहे वह किसान हो, मजदूर हो, गृहिणी हो, व्यापारी हो या एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति, हर कोई अपनी उम्मीदें वित्तमंत्री के पिटारे से जोड़ता है। यह बजट सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि देश के विकास की दिशा और दशा तय करने वाला सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज है। आम जनता के लिए बजट महज अर्थशास्त्र का विषय नहीं, बल्कि उनके दैनिक जीवन से जुड़ा एक अहम मुद्दा है। एक साधारण गृहिणी की सबसे बड़ी चिंता होती है रसोई का बजट। वह उम्मीद करती है कि उसकी रसोई में प्रतिदिन प्रयोग होने वाले सामान जैसे दाल, चावल, तेल, और गैस सिलेंडर की कीमतें नियंत्रण में रहें। उनकी कीमतों में कोई वृद्धि न हो। महंगाई का सीधा असर उनके घर के बजट पर पड़ता है। खाद्य सामग्री के दामों में अगर थोड़ी भी कमी होती है, तो वह उनके लिए बड़ी राहत साबित होती है। मध्यम वर्ग जो देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, एक ऐसी चक्की में पिसता है जहां उसकी उम्मीदें आसमान पर और उसकी आय जमीन पर होती है। यह वर्ग अपनी जीवनशैली समाज के उच्चतम आय वर्ग की तरह बनाना चाहता है, मगर इसकी आय निम्न वर्ग से बस थोड़ी सी बेहतर होती है। ऐसे लोग उच्च और निम्न वर्ग के बीच रबड़ की तरह खींच जाते हैं। ये लोग आयकर के मामले में कुछ राहत की उम्मीद करते हैं। वे चाहते हैं कि आयकर छूट की सीमा बढ़े और निवेश विकल्पों पर मिलने वाले कर लाभ का विस्तार हो। यह वर्ग अक्सर यह महसूस करता है कि बजट में उनकी जरूरतों को प्राथमिकता नहीं दी जाती। किसानों के लिए बजट उनकी जिंदगी का आधार होता है। वे उम्मीद करते हैं कि उन्हें उनकी फसलों का अच्छा न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले। सिंचाई के लिए सुविधाएं बढ़ें और कृषि उपकरणों पर सब्सिडी मिले। इसके साथ साथ उनकी मांग होती है कि ऋण माफी जैसी योजनाएं उनके जीवन को सरल बनाए। वे यह भी उम्मीद करते हैं कि किसानों को कृषि के लिए उत्तम श्रेणी के बीज, खाद, कीटनाशक उचित कीमतों पर तथा सब्सिडी पर मिले। व्यापार और उद्योग जगत के लिए बजट एक दिशा निर्देश की तरह होता है। वे इस पर निर्भर करते हैं कि सरकार उनकी गतिविधियों को किस तरह प्रोत्साहित करेगी। छोटे और मझोले व्यापारियों को जीएसटी में राहत की उम्मीद रहती है। वे चाहते हैं कि कर दरें सरल हों और उन्हें डिजिटल लेन-देन में अतिरिक्त लाभ मिले। बड़े उद्योगपति ऐसे नीतिगत सुधार चाहते हैं, जो विदेशी निवेश आकर्षित करें और उनके व्यवसाय को विस्तार करने में मदद करें। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने से लेकर औद्योगिक उत्पादन में तेजी लाने तक, उनकी प्राथमिकताएं स्पष्ट होती हैं। 2025 का बजट ऐसे समय में आ रहा है जब देश आर्थिक पुनरुत्थान के मार्ग पर है। वैश्विक मंदी, बढ़ती महंगाई, और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियां भारत जैसे विकासशील देश के लिए अहम सवाल खड़े करती हैं। महंगाई देश की आर्थिक सेहत का महत्वपूर्ण पैमाना है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें नियंत्रण में रहें। बढ़ती बेरोजगारी एक गंभीर समस्या है। सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह बजट में ऐसे प्रावधान करे कि जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हों, विशेषकर युवाओं के लिए, या वे विभिन्न कौशलों के जरिए देश के विकास में अपना योगदान दे सकें। महामारी के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश की जरूरत और भी बढ़ गई है। नए अस्पतालों का निर्माण, डॉक्टरों की भर्ती, हर व्यक्ति के लिए निशुल्क इलाज का प्रावधान इत्यादि करने का प्रयत्न करे। शिक्षा का बजट भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि हर बच्चे को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। एक वित्तमंत्री के लिए बजट तैयार करना किसी परीक्षा से कम नहीं। उन्हें एक तरफ जनता की उम्मीदों को पूरा करना होता है, तो दूसरी तरफ देश की आर्थिक स्थिरता को बनाए रखना होता है। बढ़ते राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करना सबसे बड़ी चुनौती है। खाद्य, उर्वरक और ऊर्जा क्षेत्र में सब्सिडी देना जरूरी है, लेकिन इसका प्रभावी क्रियान्वयन और सही लक्षित वर्ग तक पहुंच सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। देश का कर्मचारी वर्ग आयकर के क्षेत्र में बड़ी छूट की आशा लगाए हुए है। वह आयकर में एक बड़ी छूट चाहता है।

बीते जमाने की बात होती सोशियोट्रॉपी

डॉ. राजेन्द प्रसाद शर्मा

सामाजिक ताने बाने में बदलाव को इस तरह से आसानी से समझा जा सकता है कि सो शि यो ट्रॉ पी आज बीते जमाने की बात होती जा रही है। कोरोना के बाद तो हालात में और भी अधिक बदलाव आया है। आज की पीढ़ी में सामाजिकता का स्थान वैयक्तिकता लेती जा रही है। एक समय था जब सामाजिकता को वैयक्तिकता के स्थान पर अधिक तरजीह दी जाती थी। परिवार, मौहल्लों और आसपास कोई ना कोई ऐसे अवष्य मिल जाते थे जो जगत मामा तो कोई जगत काका तो कोई जगत दादा होते थे। छोटा हो या बड़ा, दादी हो या पोती, सास हो या बहू सब उन्हें प्रसिद्ध नाम से ही पुकारते थे। यह था एक तरह का अपनत्व। इस तरह के व्यक्तित्व वाले व्यक्ति सभी के चहेते होते थे तो जान-पहचान हो या ना हो, वे जरुरत के समय पहुंच जाते थे। सुख दुख खासतौर से मुसिबत के समय ऐसे व्यक्ति आगे रहते थे। हांलाकि आज इस तरह के व्यक्तित्व को ढूंढना लगभग असंभव सा ही है।दरअसल हमारी परंपरा व्यस्टी का ना होकर समस्टी की रही है। बच्चों को पहले सामाजिकता का पाठ पढ़ाया जाता था। बच्चे मौहल्ले के सभी घरों को अपना ही घर मानकर चलते थे तो मौहल्ले में रहने वाले किसी का भी बच्चा हो उसे अपने बच्चे जितना ही प्यार और दुलार देते थें। दुख दर्द में पूरा मौहल्ला साथ हो जाता था। मौहल्ले में किसी घर में मौत हो जाती थी तो पड़ोसी उस परिवार को संभालने और देखभाल की जिम्मेदारी स्वयं अपने हाथ में ले लेते थे। शादी-विवाह में काम बंट जाता था, आज तो केटरिंग का जमाना आ गया नहीं तो सैकड़ों लोगों को परिवार और मौहल्ले के युवा ही भोजन कराने की जिम्मेदारी निभा लेते थे। हलवाई के काम शुरु करते ही मौहल्ले के लोग बारी बारी से देखरेख व सहयोग के लिए तैयार रहते थे। आज यह सब बदल गया है। गगन चुंबी इमारतों में कई परिवार रहते हैं और हालात यहां तक हो गए हैं कि एक ही कॉम्पलेक्स या अपार्टमेंट में रहने वाले एक दूसरे को पहचानते ही नहीं। ऐसे में आपसी सहयोग और मेल मिलाप की बात करना बेमानी होगा। सोशियोट्रापी मनोविज्ञान में प्रयोग होता है। हांलाकि इसे सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही अर्थों में लिया जाता है। दूसरों को खुश रखने की खुशी में अपने खुशी को भूल जाना वाली मनोस्थिति को भी सोशियोट्रापी के रुप में देखा जाता है। यही कारण है कि इस एकांगिग अर्थ को लेने के चक्कर में सोशियोट्रोपी मानसिकता वाले लोगों के अवसादग्रस्त, तनाव पीड़ित और हमेशा चिंतित रहने की मनोदशा को साइड इफेक्ट के रुप में देखा जाता है। जबकि सोशियोट्रापी यहीं तक सीमित नहीं है। दूसरे के दुखदर्द में भागीदार होना, आवश्यकता के समय निस्वार्थ सहयोग व सहायता करना, दूसरे की परेशानी को समझना और उसे दूर करने में यथासंभव सहयोग करना यह सोशियोट्रापी का ही एक रुप है। हमारी परंपरा में जो व्यक्ति केवल अपने आप के बारे में सोचता है उसे एकलखोर या स्वार्थी कहा जाता रहा है। हमारी परंपरा वसुधेव कुटुम्बकम की रही है। हमारी परंपरा में दूसरे की उन्नती देखकर प्रसन्न होने की भावना रही है। खुशी के मोके पर मिठाई बांटना खुशी में सभी को भागीदार बनाना है। इसी तरह से जरुरत के समय खड़े हो जाना जरुरतमंद के लिए संबल होता है। देखा जाए तो बदलते सामाजिक ताना-बाना से सब कुछ बदल कर रख दिया है। एकल परिवार की संस्कृति समाज में अपना प्रभुत्व जमा चुकी है। परिवार पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित होता जा रहा है। जो भावनात्मकता संबंधों को तरोताजा रखती थी वह भावनात्मकता कहीं खो गई है। अवकाश के दिनों का उपयोग दादा-दादी या नाना-नानी के पास गुजारने के स्थान पर कहीं घूमने घामने में जाया होने लगा है।

तलाकोत्सव सेरेमनी का फंडा

रामविलास जांगिड़

तलाक अब कोई गम का कारण नहीं बल्कि नई स्वतंत्रता का जश्न है। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमारे अंतरराष्ट्रीय तलाक कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड ने तलाक महोत्सव को शानदार और आधुनिक तरीके से मनाने के उपाय बताए हैं। तलाक महोत्सव का एक शानदार कार्ड छपवाएं। हम अलग हो रहे हैं, आप भी आकर इस खुशी में शामिल हों। दो दिल टूटे, टूटे दिलों ने इकरार किया। आज हम दोनों ने दूर-दूर रहना स्वीकार किया। ऐसा संदेश लिखाएं। शादी में लाल जोड़े का रिवाज़ होता है। तलाक महोत्सव में सफेद, काले या फिर फ्रीडम थीम वाले कपड़े पहनें। तलाक दर्शियों के स्वागत के लिए एक बड़े से गेट पर बड़ा सा बोर्ड लगाया जाए- दुखों से मुक्ति का द्वारः तलाक महोत्सव में आपका स्वागत है। तलाक महोत्सव के लिए एक खास केक डिज़ाइन किया जाए, जिसमें लिखा हो- सिंगलहुड ज़िंदाबाद। इसे काटने की रस्म एक दूसरे को गालियां बकते हुए पूरी हो। तलाकोत्सव में कोई प्रशिक्षित व्यक्ति एक प्रतिज्ञा दिलाए- अब मैं किसी और की ज़िंदगी का ही कांटा बनूंगा। इसे सात बार दोहराएं। तलाकोत्सव में फोटो बूथ लगाया जाए, जहां अलग-अलग सिंगल लाइफ को प्रमोट करने वाले पोस्टर और प्रॉप्स के साथ तस्वीरें खिंचवाई जाएं। अतिथि महोत्सव में आकर अपने तलाकशुदा के नए जीवन के लिए गिफ्ट दें- जैसे हॉबी किट्स, ट्रेवल वाउचर्स या लव योरसेल्फ हैंपर। ब्रेकअप सॉन्ग्स और सिंगलहुड एंथम्स पर संगीत और डांस का जबरदस्त परफॉर्मेंस किया जाए। जैसे शादी में दुल्हन का वॉक होता है, तलाक महोत्सव में भी डिवोर्स वॉक हो, जिसमें दोनों पक्ष अपनी नई-नई आज़ादी को स्टाइल में दिखाएं। जिसे सरल भाषा में 'उलटे फेरे पड़ना' भी कह सकते हैं। भोजन में इंडिपेंडेंस कबाब, सिंगल बर्गर, सिंगल डोसा और फ्रीडम फ्राइज़ जैसे आइटम्स ही रखे जाएं। शादी में थैंक यू स्पीच के अनुसार ही तलाक महोत्सव में दोनों पार्टनर एक-दूसरे के लिए गुडबाय स्पीच दें। अतिथियों को तलाक के जश्न में शामिल होने के लिए एक स्मृति पत्र दिया जाए- तलाक महोत्सवः सफलता पूर्वक संपन्न। दोनों पार्टनर को बेस्ट इंडिपेंडेंट का खिताब दिया जाए। इन्हें तलाक की एक बड़ी सी ट्रॉफी दी जाए। रिलेशनशिप टिप्स सेशन के लिए हमारे एक्सपर्ट को बुलाया जाए जो गेस्ट्स के लिए यह बताए कि अगली बार 'किससे बचें।' डिवोर्स पार्टी गेम्स का आयोजन हो जिसमें कपल्स की उल्टी दौड़, रिंग टॉस ऑन एक्स, कौन बकेगा जल्दी गाली जैसे मजेदार गेम्स रखे जा सकते हैं। स्मृति जलाने की रस्म हेतु विवाह की पुरानी यादों को अलविदा कहने के लिए, शादी की तस्वीरें और उपहार जलाने का आयोजन हो। महोत्सव का अंत स्वतंत्रता बैलून उड़ाकर किया जाए, जो दोनों पार्टनर्स के नई शुरुआत का प्रतीक हो। जो लोग तलाकशुदा हैं, उनके लिए सिंगल्स क्लब का उद्घाटन किया जाए।

उज्जैन के ज्योतिर्लिंग का नाम क्यों पड़ा महाकालेश्वर ?

मध्यप्रदेश के उज्जैन शहर में स्थित महाकालेश्वर मंदिर शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर का कई पौराणिक ग्रंथों में काफी सुंदर वर्णन मिलता है। यहां भगवान शिव के दर्शन के लिए पूरे साल भक्तों का तांता लगा रहता है। कार्तिक पूर्णिमा, वैशाख पूर्णिमा एवं दशहरे पर यहां विशेष मेले लगते हैं। भगवान शिव के इस ज्योतिर्लिंग का श्रृंगार भस्म और भांग से किया जाता है। यहां की भस्मारती विश्व प्रसिद्ध है। इसे 'महाकाल' इसलिए कहा जाता है कि प्राचीन समय में यहीं से संपूर्ण विश्व का मानक समय निर्धारित होता था जिस कारण इस ज्योतिर्लिंग का नाम 'महाकालेश्वर' रखा गया है।

ऐसे हुई थी भगवान महाकाल की स्थापना: पुराणों के अनुसार, अवंतिका यानी उज्जैन भगवान शिव को बहुत प्रिय था। एक समय अवंतिका नगरी में एक ब्राह्मण रहता था। जिसके चार पुत्र थे। दूषण नाम के राक्ष सने अवंतिका में आतंक मचा दिया। वह राक्षस उस नगर के सभी वासियों को पीड़ा देना लगा। उस राक्षस के आतंक से बचने के लिए उस ब्राह्मण ने भगवान शिव की आराधना की। ब्राह्मण की तपस्या से खुश होकर भगवान शिव धरती फाड़ कर महाकाल के रूप में यहां प्रकट हुए और राक्षस का वध करके नगर की रक्षा की। नगर के सभी भक्तों ने भगवान शिव से उसी स्थान पर हमेशा रहने की प्रार्थना की। भक्तों के प्रार्थना करने पर भगवान शिव अवंतिका में ही महाकाल ज्योतिर्लिंग के रूप में वहीं स्थापित हो गए।

मंदिर कैसे पहुंचे? उज्जैन से लगभग 45 कि.मी की दूरी पर इन्दौर का एयरपोर्ट है। वहां तक हवाई मार्ग से आकर रेल या सड़क मार्ग से महाकाल मंदिर पहुंचा जा सकता है। देश के लगभग सभी बड़े शहरों से उज्जैन के लिए रेल गाड़ियां चलती हैं। उज्जैन पहुंचने के लिए सड़क मार्ग का भी प्रयोग किया जा सकता है।

महाकाल मंदिर के आस-पास घूमने के स्थान: यहां पास में ही हरिसिद्धि मंदिर है। जो देवी सती के इक्यावन शक्ति पीठों में से एक है। यहां प्रसिद्ध कालभैरव मंदिर भी है। जहां भगवान की मूर्ति को प्रसाद के रूप में मदिरा चढ़ाई जाती है। उज्जैन शहर के मध्य में गोपाल मंदिर है जो भगवान कृष्ण का दर्शनीय मंदिर है। यहां का मंगलनाथ मंदिर भी काफी फेमस है। मंगल संबंधी दोषों का नाश करने के लिए यह देश का एक मात्र मंदिर है।

मंदिर के बारे में जरूरी जानकारी:

– मंदिर में प्रतिदिन सुबह भस्म आरती होती है। जिसमें ताजा मुर्दे की भस्म से भगवान महाकाल का श्रृंगार किया जाता है। आरती में शामिल होने के लिए पहले से ही बुकिंग करानी जरूरी है।

– महाकाल के दर्शन करने के बाद जूना महाकाल के दर्शन करना जरूरी माना गया है।

– वर्तमान में जो महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग है, वह 3 खंडों में विभाजित है। निचले खंड में महाकालेश्वर, मध्य खंड में ओंकारेश्वर तथा ऊपरी खंड में श्री नागचन्द्रेश्वर मंदिर स्थित है। नागचन्द्रेश्वर शिवलिंग के दर्शन साल में एक ही बार नागपंचमी के दिन ही होते हैं।

– गर्भगृह में भगवान महाकालेश्वर का विशाल दक्षिणमुखी शिवलिंग है। साथ ही माता पार्वती, भगवान गणेश व कार्तिकेय की प्रतिमाएं भी हैं। गर्भगृह में नंदी दीप स्थापित है, जो सदैव प्रज्वलित होता रहता है।

– उज्जैन का एक ही राजा माना जाता है और वह है महाकाल बाबा। ऐसी मान्यता है कि विक्रमादित्य के शासन के बाद से यहां कोई भी राजा रात में नहीं रुक सकता। कहा जाता है कि जिसने भी यह दुस्साहस किया है, वह संकटों से घिरकर मारा गया।

माघ में नदियों में स्नान करने से मिलेगा पुण्य

नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर कर सकते हैं स्नान

माघ महीने में नदियों में स्नान करने का महत्व काफी अधिक है। इस महीने में प्रयागराज के संगम में भक्त कल्पवास के लिए पहुंचते हैं। इस साल प्रयागराज में कुंभ का मेला लगा हुआ है। इतनी ठंड होने के बाद भी लाखों भक्त रोज गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान कर रहे हैं। मान्यता है कि इस महीने में किए गए नदी स्नान से अक्षय पुण्य मिलता है। जानिए माघ मास में नदी स्नान की परंपरा से जुड़ी खास बातें...

ग्रंथों में माघ स्नान के बारे में जिक्र है। गंगा, यमुना, सरस्वती, नर्मदा, शिप्रा, गोदावरी जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। शास्त्रों में लिखा है कि - माघे निमज्जनं यत्र पापं परिहरेत्ततः।

इस श्लोक का अर्थ ये है कि माघ मास में पवित्र नदियों में स्नान करने से पापों का नाश होता है।

माघ मास में ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करके भगवान विष्णु, शिव जी का ध्यान करना, पूजन करना बहुत शुभ होता है, इसी वजह से करोड़ों भक्त हर साल माघ मास में कल्पवास के लिए प्रयागराज के संगम तट पहुंचते हैं।

माघ मास की सर्दी में ठंडे पानी से स्नान करना, एक तप की तरह है। इसे भगवान के प्रति समर्पण की तरह माना जाता है। स्नान के बाद नदी के जल से सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

नदी में स्नान न कर पाएं तो क्या करना चाहिए?

जो लोग माघ मास में नदियों में स्नान नहीं कर पाते हैं, उन्हें घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए।

अगर गंगाजल न हो तो सभी पवित्र नदियों का और तीर्थों का ध्यान करते हुए स्नान करना चाहिए।

स्नान करते समय स्नान मंत्र का जप करें। मंत्र - गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वति। नर्मदे सिन्धु कावेरी जलऽस्मिन्सन्निधिं कुरु।।

स्नान के बाद ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं।

सूर्य पूजा के बाद घर के मंदिर में पूजा करें।

पूजा के बाद घर के आसपास जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज, भोजन, कपड़ों का दान करें। किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें।

नदी में स्नान करते समय इन बातों का ध्यान रखें

नदी में स्नान करते समय अपनी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें, क्योंकि नदी में की गई छोटी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

नदी में उतरने से पहले नदी की गहराई और बहाव पर ध्यान दें। तेज बहाव वाली जगहों पर स्नान करने से बचें।

नदी में स्नान के लिए सुरक्षित जगह चुनें, ऐसी जगह जहां अन्य लोग स्नान करते हैं, वहां सावधानी से स्नान कर सकते हैं।

नदी किनारे ही स्नान करना चाहिए, गहराई में जाने से बचें।

नदी में उतरते समय धीरे-धीरे चलें, तेज चलेंगे तो पैर फिसलने का खतरा रहता है।

कभी भी अकेले नदी में स्नान नहीं करना चाहिए। घर-परिवार के लोगों के साथ, मित्रों के साथ या अन्य लोगों के साथ नदी स्नान के लिए जाना चाहिए। नदी में स्नान करते समय कोई न कोई हमारे आसपास जरूर होना चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर मदद मिल सके। नदी स्नान के समय बच्चों का खास ध्यान रखें।

नदी में स्नान करते समय नदी का पानी पीने से बचें। ध्यान रखें नदी के पानी से इंफेक्शन हो सकता है।

क्या घर के अंदर सीढ़ियां बनाना सही है?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के निर्माण में हर छोटी से छोटी बात का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। सीढ़ियां भी घर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इनके निर्माण में वास्तु नियमों का पालन करना और भी अधिक आवश्यक हो जाता है। सीढ़ियों के निर्माण में वास्तु के सिद्धांतों का पालन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति मिलती है। अगर सीढ़ियां वास्तु के नियमों के अनुसार नहीं बनाई गई हैं, तो इससे घर में कई तरह के वास्तु दोष उत्पन्न हो सकते हैं। ये दोष घर के रहने वालों के स्वास्थ्य, धन, और रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

घर के अंदर सीढ़ियां बनाना शुभ या अशुभ?

वास्तु के अनुसार घर के अंदर सीढ़ियां बनाना शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर घर के अंदर सीढ़ियां बनाने से व्यक्ति को अशुभता झेलनी पड़ती है और घर परिवार में सुख-समृद्धि की भी कमी आने लग जाती है। साथ ही इसका असर घर के वास्तु पर भी पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सीढ़ियां बनाने के कुछ नियम होते हैं, जिनका पालन करना महत्वपूर्ण होता है। सीढ़ियां का स्थान और दिशा घर के वास्तु और ऊर्जा के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अगर सीढ़ियों को सही तरीके से न डिजाइन किया जाए तो यह नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

सीढ़ियां बनाने के लिए वास्तु के नियम

उत्तर और पूर्व दिशा में सीढ़ियों का निर्माण सबसे शुभ माना जाता है। ये दिशाएं सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं और घर में सुख-समृद्धि लाती हैं।

दक्षिण और पश्चिम दिशा में सीढ़ियों का निर्माण न करना बेहतर होता है, क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो सकता है और परिवार में वित्तीय समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

घर के मुख्य द्वार के सामने सीढ़ियां नहीं बनानी चाहिए, क्योंकि यह सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को रोकता है और घर में समृद्धि में कमी आ सकती है।

सीढ़ियों का आकार सही होना चाहिए। अत्यधिक चौड़ी या संकीर्ण सीढ़ियां न बनाएं।

सीढ़ियों के बीच में अगर कोई खाली स्थान छोड़ा जाता है तो यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश करवा सकता है।

सीढ़ियों के नीचे कोई सामान नहीं रखना चाहिए। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह नकारात्मक ऊर्जा का कारण बन सकता है और घर में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

स्वामी विवेकानंद की सीख

जब हम परेशानियों से या किसी डर से भागते हैं तो वह परेशानी और डर हमारा पीछा नहीं छोड़ते हैं।

जब हम अपने डर का और परेशानियों का सामना करते हैं, तब ही इनसे मुक्ति मिल सकती है।

इसलिए हमें मुश्किलों से भागना नहीं चाहिए, बल्कि मुश्किलों को सामना करना चाहिए।

नंदी के कान में मनोकामना मांगने का नियम

कम ही लोग जानते होंगे इसके पीछे का रहस्य

भारत के प्राचीन मंदिरों में एक अनोखी परंपरा सदियों से चली आ रही है वो है नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहना। भगवान शिव के वाहन नंदी, हर शिव मंदिर में उनकी प्रतिमा के सामने स्थापित होते हैं। भक्त शिवलिंग की पूजा के बाद नंदी के कान में अपनी इच्छाएं फुसफुसाते हैं, यह मानते हुए कि नंदी उनकी प्रार्थना भगवान शिव तक पहुंचाएंगे।

क्यों कही जाती है नंदी के कान में मनोकामना?

इस परंपरा के पीछे कई पौराणिक कथाएं हैं।

एक कथा के अनुसार, भगवान शिव ने नंदी को यह वरदान दिया था कि जो कोई उनके कान में अपनी मनोकामना कहेगा, वह अवश्य पूरी होगी। नंदी को भगवान शिव का परम भक्त और उनका संदेशवाहक माना जाता है। इसलिए, भक्त नंदी को अपनी प्रार्थनाओं का माध्यम मानते हैं।

कैसे कहें नंदी के कान में मनोकामना?

नंदी के कान में मनोकामना कहने का भी एक तरीका है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, मनोकामना बाएं कान में कहनी चाहिए। कहते हैं कि मनोकामना कहते समय अपने दोनों हाथों से अपने होठों को ढक लेना चाहिए ताकि कोई और उसे सुन न सके। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि नंदी के कान में किसी की बुराई या किसी का बुरा करने की बात नहीं कहनी चाहिए।

क्या है इस परंपरा का रहस्य?

नंदी के कान में मनोकामना कहने की परंपरा विश्वास और श्रद्धा पर आधारित है। यह एक प्रतीकात्मक क्रिया है जो भक्तों को भगवान से जोड़ती है। इस परंपरा का रहस्य यह है कि यह भक्तों को आशा और विश्वास की भावना प्रदान करती है।

नंदी के कान में मनोकामना कहने के बाद, कुछ लोग नंदी से अपनी मनोकामना पूरी करने की प्रार्थना करते हैं।

यह परंपरा आज भी लाखों भक्तों के दिलों में बसी हुई है। यह न केवल एक धार्मिक क्रिया है, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर भी है जो पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है।

घर की दिशा के अनुसार मुख्य द्वार पर रखें इन शुभ रंगों की डोरमैट

उत्तर दिशा के लिए नीला या गहरा नीला रंग

उत्तर दिशा को जल तत्व का प्रतीक माना जाता है। इस दिशा का स्वामी ग्रह बुध होता है, जो बुद्धिमत्ता और संपन्नता का प्रतिनिधित्व करता है।

इस दिशा में गहरे नीले या हल्के नीले रंग की डोरमैट रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। यह रंग मानसिक शांति, स्थिरता, और करियर में उन्नति लाने में मदद करता है। नीला रंग आपके घर में शीतलता और समृद्धि लाने के लिए अत्यंत प्रभावी माना जाता है।

दक्षिण दिशा में रखें लाल रंग की डोरमैट

दक्षिण दिशा को अग्नि तत्व से संबंधित माना जाता है और इसका स्वामी मंगल ग्रह है। यह दिशा ऊर्जा, शक्ति, और आत्मविश्वास का प्रतीक मानी जाती है।

यदि आपके घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा की तरफ है, तो इस स्थान पर लाल रंग की डोरमैट रखना सबसे शुभ माना जाता है। यह रंग नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और घर में सकारात्मकता बनाए रखता है। लाल रंग जीवन में उन्नति और सफलता लाने में भी सहायक होता है। यह आपके घर के वातावरण को जोश और उत्साह से भर देता है।

पश्चिम दिशा में रखें मिट्टी कलर की डोरमैट

पश्चिम दिशा पृथ्वी तत्व से संबंधित मानी जाती है। इस दिशा में भूरे या मिट्टी के रंग की डोरमैट रखना वास्तु शास्त्र के अनुसार बेहद शुभ होता है। यह रंग घर में स्थिरता और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। मिट्टी कलर की डोरमैट आपके घर में स्थायित्व, सुरक्षा और समृद्धि लाती है। इस दिशा में यह रंग धन और संपत्ति में बढ़ोतरी का संकेत भी देता है।

पूर्व दिशा के लिए बादामी या मैरून रंग

पूर्व दिशा को सूर्य के उदय की दिशा माना जाता है और इसे उर्जा और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिशा में बादामी या मैरून रंग की डोरमैट रखना शुभ होता है।

यह रंग सकारात्मकता और समृद्धि का प्रतीक है। यह घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और नए अवसरों के द्वार खोलता है। यह रंग पारिवारिक सुख और आपसी सामंजस्य बढ़ाने में भी मदद करता है। यदि आपका मुख्य द्वार पूर्व दिशा की तरफ खुलता है तो आपको इन्हीं रंगों की डोरमैट मुख्य द्वार पर रखनी चाहिए।

घर का मुख्य द्वार न केवल घर की सजावट का प्रमुख हिस्सा है, बल्कि यह सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का मार्ग भी है। वास्तु शास्त्र में मुख्य द्वार को विशेष महत्व दिया गया है। यहां सही डोरमैट का चुनाव और उसे उचित तरीके से रखने से घर की ऊर्जा को संतुलित किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि डोरमैट से जुड़े वास्तु नियमों और उनकी अहमियत के बारे में।

मुख्य द्वार पर साफ-सुथरी डोरमैट रखें

मुख्य द्वार पर डोरमैट रखना सामान्य सी बात लग सकती है, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार इसका सही उपयोग बेहद आवश्यक है। डोरमैट को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए। गंदे या फटे-पुराने डोरमैट न केवल घर की सजावट को खराब करते हैं, बल्कि नकारात्मक ऊर्जा को भी आकर्षित करते हैं।

यह ध्यान रखना चाहिए कि मुख्य द्वार पर रखे गए डोरमैट की स्थिति नियमित रूप से जांची जाए और इसे समय-समय पर बदला जाए। पुराने और जर्जर डोरमैट को तुरंत हटा देना चाहिए क्योंकि यह वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है। इसके स्थान पर नया और उचित रंग का डोरमैट रखें, जो घर की ऊर्जा को सकारात्मक बनाए रखने में सहायक हो।

सही आकार की डोरमैट रखें

डोरमैट का आकार मुख्य द्वार के अनुपात में होना चाहिए। बहुत बड़ा डोरमैट दरवाजे की सुंदरता को बिगाड़ सकता है, वहीं बहुत छोटा डोरमैट घर की ऊर्जा को संतुलित नहीं कर पाता। डोरमैट का आकार ऐसा हो, जो मुख्य द्वार के आकार से मेल खाए और घर की सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाए।

डोरमैट की दिशा का ध्यान रखें

डोरमैट को हमेशा मुख्य द्वार के ठीक बाहर रखना चाहिए। इसका उद्देश्य यह है कि घर में प्रवेश करने से पहले ही बाहर की नकारात्मक ऊर्जा वहीं रुक जाए और घर में केवल सकारात्मकता का प्रवाह हो। डोरमैट को इस तरह रखें कि कोई भी व्यक्ति घर में प्रवेश करने से पहले अपने जूते और पैरों को साफ करे, ताकि बाहरी गंदगी और नकारात्मकता घर के भीतर न आ सके।

डोरमैट के रंग का महत्व

डोरमैट के रंग का सही चयन न केवल घर के सौंदर्य को बढ़ाता है, बल्कि यह वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की ऊर्जा को भी संतुलित करता है। सही रंग सकारात्मकता, समृद्धि और शांति का प्रवाह बनाए रखता है।

रिलोडिड वर्जन के साथ 'पुष्पा 2' का भौकाल

इस वाले सीन पर थिएटर में बज रहीं खूब सीटियां

फिल्म पुष्पा 2 का रीलोडेड वर्जन 20 मिनट की अतिरिक्त फुटेज के साथ आज सिनेमाघरों तक पहुंच गया है। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक बार फिर पुष्पा 2 की चर्चा छिड़ गई है। नए फुटेज के साथ फिल्म की जबर्दस्त चर्चा हो रही है और इन्हें देखने को बाद सिनेमाघरों में सीटी और तालियां भी खूब बज रही हैं। सबसे ज्यादा चर्चा जिस सीन की हो रही है।

अल्लू अर्जुन ने किया एक्स पर पोस्ट

फिल्म का रिलोडेड वर्जन रिलीज होने के बाद अल्लू अर्जुन ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा किया। इसमें लिखा है, 'आज से आपके लिए 'पुष्पा 2 रिलोडेड वर्जन' लेकर आया हूं। उम्मीद है कि आप सभी को इससे मनोरंजन का एक नया अनुभव होगा'। दर्शकों को जोड़े गए नए सीन काफी पसंद आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनकी प्रतिक्रिया से तो कुछ यही लग रहा है।

पुष्पराज को वापस मिली सोने की चेन

यूं तो फिल्म में जोड़े गए सारे ही सीन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। लेकिन, सबसे ज्यादा तारीफें हो रही हैं सोने की चेन वाले सीन पर। पुष्पराज को अपनी सोने की वह चेन वापस मिल गई है, जो उससे बचपन में छीन ली गई थी। इस सीन में भावनाओं को बहुत करीने से गूंथा गया है, जिसे देख दर्शक नॉस्टैल्जिक हो रहे हैं। रिलोडेड वर्जन को दर्शक 'परफेक्ट सिनेमा' की उपमा दे रहे हैं।

सलाम-ए-इश्क की शूटिंग के लिए सलमान ने सुबह 5 बजे उठने से कर दिया मना, पूरी रात जागे रहे निर्देशक

सलमान खान अपने सह कलाकारों के साथ कनेक्ट रहते हैं। सलाम-ए-इश्क की शूटिंग के दौरान सलमान खान ने सुबह 5 बजे शूटिंग करने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि पूरी रात जगना होगा। शूटिंग 'तेनू लेके' गाने के लिए होनी थी।

सलमान खान ने कही ये बात

मैशेबल इंडिया के साथ बातचीत में, निखिल ने याद किया, ₹हमने सलमान को पूरी रात जगाए रखा क्योंकि उन्होंने कहा कि मैं सुबह 5 बजे नहीं आ सकता। या तो मेरे साथ बैठो या मैं सीधे 10 बजे सो जाऊंगा।₹ इसके बाद सभी लोग रात भर जगे, उन्होंने शॉट लिया और फिर सलमान सोने गए थे।

सलमान के काम को लेकर बोले निखिल

उन्होंने कहा, 'सलमान खान की फिल्मों को 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करनी होती है। अगर उनकी फिल्में इससे कम कमाई करती हैं, तो उन्हें बहुत बुरा लगता है और मैं यह बोझ नहीं उठाना चाहता। मैं रात को चैन की नींद सोना चाहता हूं। मुझे 300-400 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली फिल्म बनाने का बोझ नहीं उठाना चाहता। मैं वही फिल्में बनाना चाहता हूं, जो मैं बनाना चाहता हूं। मैं सलमान से प्यार करता हूं। वो मेरे मसीहा हैं।'

गोविंदा के लिए भी कही ये बात

निखिल आडवाणी ने गोविंदा के लिए भी कहा कि मेरे लिए, इरफान, गोविंदा और अक्षय खन्ना ऐसे लोग हैं जिन्हें निर्देशित करने में मुझे सबसे अधिक खुशी मिली। वे अपने काम को गंभीरता से नहीं लेते। गोविंदा मुझसे पूछते थे, 'आप इस दृश्य को कैसा चाहते हैं- इतालवी, मुगलई, भारतीय, चीनी?' गोविंदा उन दिनों पार्टनर और सलाम-ए-इश्क की शूटिंग कर रहे थे इसलिए वह खुद को भी संभाल रहे थे। जब वे बहुत बुरी हालत में थे, तब सबको गलत साबित करना चाहते थे।

फिल्म के सेट पर घायल हुए अर्जुन कपूर अचानक छत गिरने से हुआ हादसा

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर इन-दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म मेरे हस्बैंड की बीवी की शूटिंग कर रहे हैं. मुदस्सर अजीज की ओर से निर्देशित इस फिल्म में अर्जुन के अलावा भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत भगनानी हैं. हालांकि फिल्म के एक गाने की शूटिंग के दौरान सेट पर बड़ा हादसा हुआ. छत गिरने से अर्जुन, जैकी भगनानी और मुदस्सिर घायल हो गए. हालांकि राहत की बात यह है कि न तो अभिनेताओं और न ही क्रू के किसी सदस्य को गंभीर नुकसान हुआ है. अर्जुन, जैकी और मुदस्सर को मामूली चोटें आईं हैं.

अर्जुन हुए घायल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुराने हॉल में आवाज के कंपन से सेट हिल गया, जिसके कारण छत गिर गई. फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) के अशोक दुबे ने बताया कि अर्जुन कपूर की कोहनी और सिर में चोट आई है. इसी बीच डीओपी मनु आनंद के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया है. इसके अलावा कैमरा अटेंडेंट को रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई है. जब यह घटना घटी तब कोरियोग्राफर विजय गांगुली भी अभिनेताओं के साथ सेट पर थे. उन्होंने कहा कि शूटिंग का पहला दिन अच्छा गुजरा था, लेकिन दूसरे दिन में बड़ा हादसा होते होते रह गया.

विजय गांगुली ने हादसे को लेकर क्या कहा

विजय गांगुली ने सेट पर हादसे को लेकर कहा, "हम मॉनिटर पर थे, तभी अचानक छत गिर गई. सौभाग्य से, यह टुकड़ों में गिरा और हमारी रक्षा के लिए हमारे पास एक कुंड था. अगर पूरी छत हमारे ऊपर गिर जाती तो यह बड़ा हादसा हो सकता था.

हालांकि इस घटना में भी कई लोगों को चोट आई है. हालांकि अर्जुन कपूर ने अभी तक इस घटना पर कुछ रिएक्ट नहीं किया है. इस बीच, 'मेरे हसबैंड की बीवी' में 21 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

'लवयापा' में अपने किरदार को निभाने के लिए जुनैद ने की खास तैयारी

जुनैद खान और खुशी कपूर नई जोड़ी के रूप में पर्दे पर नजर आने वाले हैं। फैंस के बीच यह फिल्म इसलिए भी जबर्दस्त उत्साह पैदा कर रही है, क्योंकि उनकी 'लवयापा' का निर्देशन अद्वैत चंदन ने किया है। इससे पहले वह सीक्रेट सुपरस्टार और लाल सिंह चड्ढा जैसी फिल्म बना चुके हैं।

किरदार के लिए जुनैद ने की खास तैयारी

फिल्म 7 फरवरी को रिलीज होने जा रही है। इसकी रिलीज से पहले एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। कई समाचार पोर्टल में छपी खबरों की माने तो

इस फिल्म के लिए जुनैद ने काफी ज्यादा मेहनत की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जुनैद खान ने फिल्म में अपने किरदार को पूरी तरह से जीवंत बनाने के लिए दिल्ली में तीन महीने बिताए।

दिल्ली के लड़के का निभाया है किरदार

फिल्म में उन्होंने एक स्थानीय दिल्ली के लड़के का किरदार निभाना था। इसके लिए उन्होंने दिल्ली की गलियों में समय बिताया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनके हाव-भाव और बोलचाल की भाषा को आत्मसात किया। जुनैद ने न केवल दिल्ली की बोली को समझा, बल्कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर उनके रहने के तरीके को भी महसूस किया।

जुनैद ने करीब से देखी दिल्ली की जिंदगी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चांदनी चौक की भीड़-भाड़ से लेकर लोधी गार्डन की शांति तक, जुनैद ने दिल्ली के विभिन्न पहलुओं को अनुभव किया, जिससे उन्हें अपने किरादर को निभाने में मदद मिली। हाल ही में लवयापा का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसे देखने के बाद लोग उम्मीद जता रहे है कि फिल्म में उन्हें अच्छी कॉमेडी और ड्रामा देखने को मिलेगा। हालांकि, लोगों की उम्मीदों पर यह फिल्म खरी उतरेगी या नहीं यह तो वक्त ही बताएगा।

राणा दग्गुबाती-प्रियदर्शी की फिल्म को मिला टाइटल

फिल्म लीडर से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाले साउथ अभिनेता राणा दग्गुबाती ने बाहूबली में भल्लालदेव के किरदार से दर्शकों के बीच अमिट छाप छोड़ी है। राणा जल्द ही प्रियदर्शन की फिल्म में नजर आएंगे, जिसका टाइटल नाम सामने आ चुका है।

अप्रैल 2024 में, श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी (एसवीसीएलएलपी) ने प्रियदर्शी अभिनीत एक रोमांचक नई परियोजना की घोषणा की जा चुकी है, लेकिन उसका टाइटल तय नहीं हुआ था। यह फिल्म अब चर्चा में है क्योंकि निर्माताओं ने

इसके शीर्षक का खुलासा किया है। फिल्म का टाइटल है 'प्रेमांटे'। टैगलाइन थ्रिल-यू प्राप्तिरस्तु के साथ, फिल्म में आनंदी मुख्य महिला भूमिका में हैं, जबकि लोकप्रिय तेलुगु एंकर सुमा कनकला एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

निर्माताओं का पोस्ट

प्रेमांटे का परिचय। थ्रिलर फिल्म है। एक अनोखी प्रेम कहानी की विशेषता- प्रियदर्शीपीएन और आनंदी अभिनेत्री के साथ इट्ससुमाकनकला द्वारा निर्देशित एक महत्वपूर्ण भूमिका में।

यह परियोजना नवनीत श्रीराम के निर्देशन की पहली फिल्म और जाह्नवी नारंग की पहली प्रोडक्शन वेंचर है, जिन्हें हाल ही में पावर वुमेन 2024 पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। शीर्षक के अनावरण के बाद एक भव्य पूजा समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकार, क्रू और विशेष अतिथि शामिल हुए। फिल्म के मुख्य अभिनेता राणा दग्गुबाती ने फिल्म को लेकर अपनी खुशी जताई था, जबकि संदीप रेड्डी वांगा ने कैमरा चालू करके परियोजना को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया। इस फिल्म में विश्वनाथ रेड्डी द्वारा सिनेमैटोग्राफी, लियोन जेम्स द्वारा संगीत और अनवर अली ने संपादन किया गया है। शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है।

ऋतिक रोशन को रियाद में मिला जॉय अवार्ड बोले- अभिनय समझने में 25 साल लग गए

ऋतिक रोशन ने दशकों के अपने करियर में भारतीय फिल्म इंडस्ट्री पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। अपने अभिनय, शानदार लुक और बेहतरीन डांसिंग स्किल्स के लिए मशहूर इस अभिनेता ने बॉलीवुड में 25 साल पूरे करके एक नई उपलब्धि हासिल की है। सिनेमा में उनके योगदान के लिए हाल ही में रियाद में जॉय अवॉर्ड्स में उन्हें सम्मानित किया गया।

अवॉर्ड स्वीकार करते हुए ऋतिक ने कहा, धन्यवाद। धन्यवाद, रियाद। धन्यवाद, जॉय अवार्ड्स। मुझे यहां इंवाइट करने के लिए क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को मेरा धन्यवाद। महामहिम, आप एक दूरदर्शी व्यक्ति हैं और हम सभी के लिए इस शानदार शाम को बनाने के लिए आपका धन्यवाद। मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। मैं प्रोत्साहित हूं। मेरा मतलब है, देखिए मैं किसके साथ हूं।

आगे ऋतिक ने कहा, यहां महान दिग्गजों के बीच मुझे यह अवॉर्ड मिला है। 25 साल हो गए हैं। यह एक लंबा समय लगता है, लेकिन मुझे यह समझने में 25 साल लग गए कि अभिनय वास्तव में क्या है। अब मैं एक अभिनेता के रूप में अपनी उड़ान भरने के लिए

तैयार महसूस कर रहा हूं। इसलिए मैं इसे अपने दिल में मौजूद उम्मीद और अगले 25 सालों के वादे के प्रतीक के रूप में लेता हूं। उम्मीद है कि अगर मैं वापस आता हूं, तो मैं इस तरह के सम्मानों के लिए थोड़ा और योग्य महसूस करूंगा।

ऋतिक ने 2000 में अभिनेत्री अमीषा पटेल के साथ फिल्म 'कहो ना प्यार है' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। राकेश रोशन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनुपम खेर, मोहनीश बहल, दिलीप ताहिल और आशीष विद्यार्थी भी अहम भूमिका में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इस फिल्म के लिए ऋतिक को सर्वश्रेष्ठ न्यू कमर अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला था।

काम की बात करें तो कथित तौर पर ऋतिक अगली बार एक्शन थ्रिलर फिल्म वॉर 2 में नजर आएंगे। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित और यश राज फिल्म्स द्वारा समर्थित इस फिल्म में कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और जूनियर एनटीआर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

भारत में नहीं मिली हरी झंडी, अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रिलीज होगी 'पंजाब 95'

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ अपने दिल-लुमिनाती टूर 2024 के बाद अब बड़े पर्दे पर फिल्म 'पंजाब 95' से वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन संघर्ष पर आधारित है, जो 1995 में रहस्यमय तरीके से गायब हो गए थे। फिल्म की कहानी में उस समय के राजनीतिक और सामाजिक हालात को भी दिखाया गया है, जब पंजाब में सिख आंदोलन और मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे गरम थे।

सेंसर ने 120 कट्स की कही थी बात

फिल्म की रिलीज पहले भारत में होने वाली थी, लेकिन सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) के साथ विवाद के कारण यह फिल्म अब तक भारत में रिलीज नहीं हो पाई। सेंसर बोर्ड

ने फिल्म में 120 कट्स की सिफारिश की थी। साथ ही, शीर्षक में बदलाव करने को भी कहा था।

विदेश में बिना बदलाव के रिलीज होगी फिल्म

खासकर, जसवंत सिंह खालड़ा की मृत्यु के वर्ष को दर्शाने के लिए शीर्षक में बदलाव की मांग की गई थी, जिससे फिल्म की रिलीज कई बार टल गई। दिलजीत ने स्पष्ट किया है कि सीबीएफसी द्वारा सुझाए गए किसी भी कट में कोई कटौती नहीं की जाएगी और फिल्म की अंतरराष्ट्रीय रिलीज से संबंधित कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

इस दिन देगी पर्दे पर दस्तक

अब यह फिल्म भारत में नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म बिना किसी काट-छांट के 7 फरवरी को विदेश में प्रदर्शित होगी।फिल्म के निर्देशक हनी त्रेहान ने इस प्रोजेक्ट पर लंबे समय तक काम किया है। यह फिल्म एक ऐतिहासिक और संवेदनशील विषय को छूती नजर आएगी।

गुजराती लड़के से पक्का होगा यामी गौतम का रिश्ता, 'धूम धाम' से निकाला गया विज्ञापन

यामी गौतम की शादी का विज्ञापन निकला है। अपने सुशील और घरेलू होने की काबिलियत बताते हुए उन्होंने शादी के लिए कई शर्तें रखी हैं। इससे पहले कि मन में कुछ खिचड़ी पकाएं, स्पष्ट कर दें कि यह सब अभिनेत्री की आगामी फिल्म के बारे में हैं, जिसकी झलक आज साझा की गई है। इसमें यामी के साथ प्रतीक गांधी नजर आएंगे। फिल्म का पोस्टर काफी मजेदार है।

वर-वधू की तलाश वाले विज्ञापन की तर्ज पर आया पोस्टर

यामी गौतम की आगामी फिल्म का नाम 'धूम धाम' है। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आएगी। आज नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पेज से फिल्म की झलक शेयर की गई है। पोस्टर अखबारों में पारंपरिक अंदाज में आने वाले शादी के विज्ञापन की तर्ज पर है। एक लड़की कोयल चड्ढा (यामी गौतम) को लड़के की तलाश है। वहीं, एक गुजराती लड़के डॉ वीर (प्रतीक गांधी) को दुल्हन की तलाश है। दोनों ने अपनी-अपनी मांगों का बाकायदा विज्ञापन में जिक्र किया है।

श्रद्धा मिश्रा बनीं 'सा रे गा मा पा' की विनर

10 लाख रूपए इनाम में मिले, बोलीं- पापा के पैरों का इलाज करवाऊंगी

आगरा की श्रद्धा मिश्रा ने सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा' का टाइटल जीत लिया। इसके साथ ही उन्होंने ट्रॉफी के साथ 10 लाख रूपए का इनाम भी मिला है। श्रद्धा ने बताया कि वह इस राशि से अपने पिता के पैरों का इलाज करवाना चाहती हैं। इसके अलावा, उनका सपना एक म्यूजिक स्टूडियो बनाने का भी है। पढ़िए बातचीत के कुछ प्रमुख अंशः

जब मैं इस शो में हिस्सा लिया, तो जब नही सोचा था कि मंच पर खड़े होकर यह ट्रॉफी लूगी । मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस मंच पर खड़ी होकर विजेता बनूंगी। यहां तक कि सपने में भी ये ख्याल नहीं आया था कि मैं जीत पाउंगी। मुझे लगा था कि मैं बस अपना बेस्ट दूंगी, जितना आता है उतना करूंगी। लेकिन जब मैंने खुद को विनर के रूप में देखा, तो वो पल मेरे लिए अविश्वसनीय था। आज भी यकीन नहीं हो रहा है कि ट्रॉफी मेरे पास है और मैं इस टाइटल को जीत चुकी हूं।

पहला ऑडिशन... वो पल मेरे लिए बहुत ही खास था, लेकिन मैं बहुत डरी हुई थी। इतने बड़े-बड़े दिग्गजों के सामने खड़े होकर गाना आसान नहीं था। सचिन-जिगर सर, सचेत-परंपरा, गुरु सर जैसे लोग मेरे सामने थे। नर्वस होना स्वाभाविक था। लेकिन मैंने सोचा कि जैसा मैं गाती हूं, वैसे ही

गाउंगी। कुछ अलग करने की कोशिश नहीं की।

मुझे याद है, जब मैंने अपना परफॉर्मेंस दिया, तो सचेत सर ने मुझे एक गिटार गिफ्ट किया, जिस पर उन्होंने 'बेखयाली' कम्पोज किया था। ये मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा था।

इस सफर में कई पल ऐसे थे जो मेरे दिल के करीब हैं। लेकिन विनिंग मोमेंट तो हमेशा याद रहेगा। इसके अलावा, जब मैंने गुरु सर के साथ मंच शेयर किया और उनका गाना गाया, वो पल भी मेरे लिए बेहद खास था।

गुरु रंधावा सर ने मुझे इतना कॉन्फिडेंस दिया कि उस वक्त मुझे किसी बात का डर ही नहीं था। और हां, एक और पल जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती, वो था जब जिगर सर ने टीवी पर घोषणा की कि मुझे यूके में परफॉर्म करने का मौका मिलेगा। उस पल मुझे लगा कि मेरी मेहनत रंग लाई है।

मेरी संगीत की शुरुआत बचपन में हुई थी। मेरी पैदाइश आगरा में हुई, और वहीं मेरी स्कूलिंग भी हुई। मेरी दादी ने मुझे भजन सिखाया। स्कूल में मैंने पहली बार भजन गाया था, और मेरी टीचर ने मम्मी से कहा कि इस बच्ची को म्यूजिक सिखाना चाहिए।

धीरे-धीरे मैंने इसे गंभीरता से लेना शुरू किया। सांतवीं क्लास में मैंने तय किया कि संगीत ही मेरी जिंदगी बनेगा। फिर मैं मुंबई आ गई। यहां अकेले ढाई साल तक रही, और इसके बाद मम्मी-पापा भी मुंबई आ गए। मेरा पहला प्लेबैक गाना संदेश शांडिल्य सर के साथ था। मैंने फिल्म 'शिकारा' में गाया, जो फिल्मफेयर में नॉमिनेट हुआ था।

सच बताऊ तो मुझे नहीं पता था कि कोई इनाम राशि भी मिलेगी। मैं सिर्फ ट्रॉफी पर फोकस कर रही थी। लेकिन अब जब राशि मिली है, तो मैंने तय किया है कि इसे पापा को दूंगी। वो इसे सही तरीके से इन्वेस्ट करेंगे।

मेरा एक सपना है कि मैं अपना खुद का म्यूजिक स्टूडियो बनाऊ । एक ऐसा स्पेस जहां मैं म्यूजिक क्रिएट कर सकूं, कम्पोज कर सकूं और खुद को पूरी तरह म्यूजिक के जरिए एक्सप्रेस कर सकूं।

मेरे पापा का एक पैर कई सालों से ठीक नहीं है। वो चलने में दिक्कत महसूस करते हैं। मेरा सपना है कि मैं उनके इलाज में मदद करूं। मैं चाहती हूं कि उनका पैर पूरी तरह ठीक हो और वो पहले की तरह चल सकें।

अरिजीत सिंह मेरे सबसे बड़े फेवरेट हैं। मैं एक बार उनसे मिली थी, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई। उनका म्यूजिक मेरे दिल के बहुत करीब है। साथ ही, मैं ए.आर. रहमान सर के साथ काम करना चाहती हूं। अगर मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो वो मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा अचीवमेंट होगा। आलिया भट्ट। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। उनकी एनर्जी और टैलेंट मुझे बहुत इंस्पायर करता है। उनके लिए गाना गाने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत खास होगा।

सीवी भेजने से पहले इन बातों का ध्यान रखें

ऑफिस खुलते ही या फिर शाम को कितने बजे भेजना चाहिए?

अगर आप भी नौकरी की तलाश में हैं तो आपको एक रिज्यूमे तैयार करना होगा. लेकिन कई लोगों को मालूम नहीं होता कि सीवी भेजने का बेस्ट टाइम क्या है, तो चलिए आपको बताते हैं किस समय सीवी भेजने पर आपके सलेक्शन के चांसेस बढ़ जाते हैं.

किसी भी जॉब के लिए अप्लाई करने के लिए सबसे पहले सीवी या रिज्यूमे की जरूरत होती है. इन डॉक्यूमेंट्स के आधार पर ही कंपनी आपको आगे के प्रोसेस-परीक्षा या सीधे इंटरव्यू के लिए बुलाती है. कई बार अच्छी सीवी होने के बाद भी कैंडिडेट का सिलेक्शन नहीं हो पाता है. इसके अलावा सीवी भेजने का समय भी सही होना चाहिए. आज हम आपको सीवी भेजने का सही समय बता रहे हैं.

सीवी भेजने से पहले इन बातों का ध्यान रखें

नौकरी के लिए कहीं भी अप्लाई करने से पहले एक सही सीवी तैयार करना जरूरी है. किसी भी नौकरी में सिलेक्शन के लिए सीवी का कंटेंट बहुत महत्वपूर्ण है. सीवी भेजना एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो नौकरी पाने की दिशा में पहला कदम होती है. सीवी भेजने का समय उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि इसका कंटेंट. सही समय पर सीवी भेजने से आपके सिलेक्शन के चांस बढ़ जाते हैं.

अक्सर आपके दिमाग में भी यह सवाल आता होगा कि सीवी कब भेजना सही है. सुबह या शाम को? इसके लिए आपको सबसे पहले यह ध्यान देना होगा कि आपको जहां सीवी भेजनी है वहां के ऑफिस की टाइमिंग क्या है. अगर ऑफिस की टाइमिंग 9 बजे से लेकर 6 बजे कर है तो आप ऑफिस खुलने के एक घंटे के अंदर सीवी भेजते हैं तो आपके सिलेक्शन के चांसेस बढ़ जाएंगे. क्योंकि आपका सीवी सबसे ऊपर होगा. इससे HR का ध्यान आपके सीवी पर सबसे पहले जाएगा.

शाम को सीवी भेजना भी बेहतर

अगर आप शाम को भी सीवी भेजते हैं तो एक बेहतर विकल्प हो सकता है. इस समय ज्यादातर लोग अपने दिन भर के काम को निपटा चुके होते हैं और घर जाने से पहले एक बार ई-मेल जरूर चेक करते हैं. इसके अलावा अगले दिन ऑफिस आने के बाद लोग एक दिन पहले आए ईमेल को पढ़कर दिन की शुरुआत करते हैं. इस तरह ऑफिस खुलते समय और शाम को ऑफिस खत्म होने से पहले सीवी भेजना सही है.

वीकेंड पर भेजी गई सीवी को सबसे ज्यादा महत्व दी जाती है. इसलिए, अगर आप नौकरी के लिए किसी संस्थान में सीवी भेज रहे हैं तो इसे रविवार शाम या सोमवार की सुबह जल्दी भेजे. इससे सिलेक्शन के चांसेस बढ़ जाते हैं.

सप्ताह के उन दिनों में अपना रिज्यूम जमा करना भी एक अच्छा विचार है जब मीटिंग कम होते हैं. क्योंकि काम कम होने की वजह से प्रेशर कम होता है. मंगलवार, बुधवार या गुरुवार को अपना सीवी भेजना भी सही हो सकता है.

कुछ लोगों के अनुसार, ज्यादातर मामलों में, शुक्रवार का दिन हायरिंग मैनेजरों के लिए अगले कार्य सप्ताह पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ज्यादा होता है, इसलिए आमतौर पर शुक्रवार से पहले अपना रिज्यूम भेजना बेहतर होता है ताकि वीकेंड में यह निर्णय लिया जा सके कि कौन सा कैंडिडेट आपके बेहतर है. इसके अलावा आप किसी भी दिन लंच के बाद अपना सीवी भेज सकते हैं.

वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि देर रात सीवी भेजना भी एक बेहतर विकल्प हो सकता है. क्योंकि HR सुबह सबसे पहले आकर अपना ईमेल चेक करते हैं.

12वीं साइंस के बाद ये हैं बेस्ट करियर ऑप्शन

अगर आप भी 12वीं साइंस विषयों से उत्तीर्ण करने के बाद डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बनना चाहते हैं तो इसके इतर भी बहुत से ऑफबीट कोर्स मौजूद हैं। आप 12वीं साइंस के करने के बाद न यूजी पीजी डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट कोर्स को करके डॉक्टर या इंजीनियर से हटकर बेहतर करियर का निर्माण कर सकते हैं। कुछ विकल्पों की जानकारी आप यहां से चेक कर सकते हैं।

डिग्री के बिना भी कर सकते हैं मोटी कमाई, ये हैं बेस्ट करियर ऑप्शन

बेहतर करियर के लिए अच्छी पढ़ाई और एक्सपीरियंस का होना बहुत जरूरी है. लेकिन ऐसे भी लोग हैं जो कॉलेज जाकर पढ़ाई नहीं कर पाते, जिनके पास कोई डिग्री नहीं होती. लेकिन ऐसे भी कई करियर ऑप्शन हैं जिनमें बिना डिग्री के भी आप अच्छी कमाई कर सकते हैं. आज हम ऐसे ही करियर ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं-

1. वेबसाइट डेवलपर

यदि आप कॉलेज में हैं और आगे करियर टेक्नॉलोजी में बनाना चाहते हैं तो आप छोटे बजट के साथ स्टार्टअप के लिए वेबसाइट डेवलप कर सकते हैं. इसके लिए ग्रेजुएशन की डिग्री लेने की कोई जरूरत नहीं है.

सैलरी- ज्यादातर छात्र जो अपने स्टार्टअप के लिए वेबसाइट बना रहे हैं, उन्होंने इसे यूट्यूब पर सीखा है और हर वेबसाइट बनाने के लिए 30,000 रुपये की सैलरी ले रहे हैं.

2. ट्रांसलेटर्स

यदि आप कई भाषा जानते हैं और नई- नई भाषा जानने के शौकिन हैं तो आप ट्रांसलेटर के पदों पर काम कर सकते हैं. सैलरी- असाइनमेंट के आधार पर ट्रांसलेटर हर टांसलेशन के 25,000 रुपये तक कमा सकते हैं.

3. इवेंट प्लानर

जिस प्रकार भारत में शादियां जितनी भव्य तरीके से होती है, उतनी ही इवेंट प्लानर की उतनी मांग में बढ़ोतरी होती है. इवेंट प्लानर्स को किसी औपचारिक डिग्री की आवश्यकता नहीं होती है, लेकिन बढ़िया कम्यूनिकेशन स्किल, क्रिएटिव आइडिया होने के साथ- साथ उनका दिमाग नए-नए डिजाइन के बारे में सोचता हो. सैलरी- इवेंट प्लानिंग में, कोई व्यक्ति काम और क्लाइंट के आधार पर 10,000 रुपये से लेकर 80,000 रुपये प्रति इवेंट तक कमा सकता है. साथ ही इस फील्म में कमाई की कोई सीमा नहीं है.

4. सोशल मीडिया मैनेजर

पिछले कुछ सालों में सोशल मीडिया मार्केटिंग नौकरियों, एजेंसियों और फ्रीलांसरों में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी हुई है. एक छोटे से स्टार्ट-अप से लेकर एक बड़े ब्रांड तक, हर किसी को एक अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है. उन्हें पता होना चाहिए कि उनकी ऑडियंस अपने फेसबुक पेज पर क्या देखती हैं. ये काम सोशल मीडिया मैनेजर का होता है. सैलरी- सोशल मीडिया मैनेजक को प्रति महीने 60000 रुपये तक सैलरी मिल जाती है.

5. कलाकार / पेंटर

आज सोशल मीडिया के माध्यम से स्वतंत्र कलाकार अपनी कल को दुनिया भर में दिखा रहे हैं. जिसके चलते कभी-कभी, इन कलाकारों को फेमस ब्रांड के सहयोग से अच्छा काम मिल जाता है. जिसके चलते ये अपना काम लोगों के बीच दिखा सकते हैं. वहीं ये एक क्रिएटिव क्षेत्र है. सैलरी- कोई सीमा नहीं है. आपके काम के अनुसार आपको आपकी कला के पैसे मिलेंगे.

6. डॉग ट्रेनर

पिछले कुछ सालों में भारत ने डॉग ट्रेनर्स की आवश्यकता में वृद्धि देखी गई है. डॉग ट्रेनर बनने के लिए कोई औपचारिक डिग्री की आवश्यकता नहीं है लेकिन कुत्तों के लिए प्यार और उन्हें ट्रेनिंग देने का एक्सपीरियंस जरूर होना चाहिए. सैलरी- दिल्ली जैसे शहर में एक डॉग ट्रेनर एक डॉग को ट्रेनिंग देने के लिए प्रति महीने 20,000 रुपये तक सैलरी लेता है. जितने डॉग को आप ट्रेनिंग देंगे आपकी सैलरी में उतनी है बढ़ोतरी होगी.

7. रीयल एस्टेट एजेंट

घर बेचना 2000 के दशक से युवाओं के लिए एक खास करियर ऑप्शन उभर कर सामने आया है. एक रियल एस्टेट एजेंट का काम 12वीं कक्षा की डिग्री के साथ आसानी से किया जा सकता है लेकिन घरों के बारे में जितना संभव हो उतना ज्ञान होना जरूरी है. सैलरी- काम के अनुसार पैसे मिलेंगे. जिसकी कमाई तय नहीं है.

'इंटरव्यू' से पहले

आप जब किसी कम्पनी में इंटरव्यू के लिए जाते हैं तो आपको पहले उस कम्पनी के बारे में जानकारी होना आवश्यक है कि वह कम्पनी क्या काम करती है उसके उत्पाद, विजन, मिशन के बारे में जानकारी होनी चाहिए। इससे आप खुद को इंटरव्यू के लिए बेहतर ढंग से तैयरा कर सकते हैं।

आप इंटरव्यू में उपस्थित होने के लिए पहले से ही तैयारी करें। अपने दोस्तों से परामर्श करें। साथ ही साथ इंटरव्यू से संबंधित जानकारी हासिल करें। वैसे अक्सर कुछ इस तरह के सवाल पूछे जाते हैं :

अपने बारे में बताओ ? अपने सी.वी. के बारे में विस्तार

से जानकर ट्रो अपना इंट्रोडक्शन दो ?

क्या आप इस कम्पनी के बारे में कुछ जानते हैं?

आप इस कम्पनी से क्यों जुड़ना चाहते हैं?

आप इस इंडस्ट्री से क्यों जुड़ना चाहते हैं?

अपनी कमजोरियों और ताकत के बारे में कुछ बताएं?

हमेशा एक सकारात्मक सोच रखें, इंटरव्यू को लेकर घबराएं न, सफलता और असफलता जीवन के दो पहलू हैं तो इनसे डरने की बात नहीं। आप तैयारी के साथ जाएं-सफल और असफल होने तो हर किसी के साथ होता है। बस अपना अच्छा प्रयास करें और मेहनत के साथ अपने पथ पर चलते रहे, एक न एक दिन अपनी मंजिल को पा ही लेंगें।

महिलाओं के लिए इन क्षेत्रों में मौजूद हैं बेस्ट करियर ऑप्शन

पढ़ाई लिखाई कर नौकरी पाने की चाह हर युवा को होती है. आज पुरूषों कि तरह महिलाएं भी हर फिल्ड में आगे बढ़ रही हैं, तो फिर नौकरी में वो पिछे क्यों रहें. पढ़ने लिखने और डिग्री हासिल करने के अलावा आज कल महिलाओं के लिए ऐसे करियर ऑप्शंस भी हैं जिसमें वो टैलेंट और स्किल के बदौलत आगे बढ़ सकती हैं.

टीचिंग में करियर

महिलाओं और लड़कियों के लिए टीचिंग क्षेत्र में करियर सबसे बेस्ट माना जाता है. अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल के साथ साथ विषय में अच्छी पकड़ होने से आप इस फिल्ड में अपना करियर बना सकती हैं. टीचिंग फिल्ड में आपकी सैलरी आपके एक्सपीरिएंस, डिग्री और काम से डिसाइड होती है. अब स्कूलों के अलावा ट्यूशन या ऑनलाइन क्लासेस लेकर भी आप टीचिंग फिल्ड से जुड़ सकती हैं.

फ्रीलांस राइटिंग में करियर

फ्रीलांस राइटर की डिमांड इन दिनों बढ़ गई है. अगर आपका इंटरेस्ट लिखने में है तो बहुत से ऐसे वेबसाइट हैं जो फ्रीलांसर को हायर करती हैं. इसके अलावा आप एक ब्लॉगर के रूप में भी लिख सकती हैं. इस फिल्ड में सैलरी आपके काम के अनुरूप मिलती है.

ह्यूमन रिसोर्सेज

एच आर मैनेजर यानी ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर के रूप में करियर आज कल लड़कियों के बीच क्रेज बना हुआ है. इस फिल्ड में शुरुआत के लिए आप एचआर मैनेजमेंट में एमबीए या पीजीडीएम कर सकते हैं. एचआर मैनेजर बनने के बाद आपकी सैलरी में अच्छी ग्रोथ होती है.

कुकिंग

अगर आपको खाने खिलाने का शौक है, तो आप कुकिंग फिल्ड में करियर बना सकते हैं. आज कल क्लाउड कुकिंग का जमाना है, आप टिफिन सर्विस शुरू कर सकती हैं. इसके अलावा इन दिनों सोशल मीडिया पर कुकिंग वीडियो अपलोड कर पैसे कमा सकते हैं. इसके अलावा छोटे रेस्टोरेंट खोलकर भी आप अच्छे पैसे कमा सकती हैं.

फैशन डिजाइनर के रूप में करियर

लड़कियों के लिए फैशन डिजाइनर के रूप में कैरियर एक बेहतर विकल्प माना जा सकता है. महिलाएं और लड़कियों में अगर स्टिचिंग और कपड़ों के पहनने का शौक और फैब्रिक की सही समझ है तो इस फिल्ड में फ्यूचर बना सकती है. छोटे और मंझले शहरों में भी इन दिनों बुटीक का फैशन चल पड़ा है, आप बुटीक खोल कर अच्छी कमाई कर सकती हैं.

एमपी में निकली शिक्षकों की 10 हजार से अधिक नौकरियां

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने मध्यप्रदेश शिक्षक भर्ती 2025 के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 28 जनवरी से शुरू होंगी और 11 फरवरी को समाप्त होगी। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

इस भर्ती अभियान के तहत माध्यमिक शिक्षक (विषय, खेल एवं संगीत गायन वादन) और प्राथमिक शिक्षक (खेल संगीत गायन-वादन व नृत्य) और जनजातीय विभाग के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षक (विषय) और प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत, गायन वादन, नृत्य) चयन परीक्षा 2024 से शिक्षकों के 10758 पदों पर भर्ती की जाएगी।

माध्यमिक शिक्षक

विषय शिक्षकः संबंधित विषय में स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री, तथा दो वर्षीय शिक्षा स्नातक। खेल शिक्षकः शारीरिक शिक्षा में स्नातक डिग्री या समकक्ष। इसमें एमपी खेल पात्रता परीक्षा 2023 में पास हुए युवा इसमें आवेदन कर सकेंगे।संगीत शिक्षक (गायन एवं वादन): संगीत में डिग्री या डिप्लोमा होना चाहिए। इसके लिए माध्यमिक शिक्षक संगीत गायन वादन पात्रता परीक्षा 2023 में पास उम्मीदवार आवेदन कर सकेंगे।

प्राथमिक शिक्षक : खेल शिक्षकः शारीरिक शिक्षा में उम्मीदवारों के पास स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। संगीत शिक्षक (गायन और वाद्य): संगीत में डिग्री या डिप्लोमा होना चाहिए। नृत्य शिक्षकः नृत्य में डिग्री या डिप्लोमा होना चाहिए।

आयु सीमा : मध्यप्रदेश में शिक्षकों के पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए और अधिकतम 40 वर्ष आयु निर्धारित है।

इन पदों के लिए परीक्षा 20 मार्च से शुरू होगी। परीक्षा दो पाली में आयोजित होगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9 से 11 बजे तक होगी जबकि दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी शिक्षक भर्ती परीक्षा राज्य के 13 शहरों में होगी। इनमें बालाघाट, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रीवा रतलाम, सागर, सीधी और उज्जैन शामिल हैं।

चुने फार्मासिस्ट करियर, बनें दवाओं के जानकार

फार्मासिस्ट, वे स्वास्थ्य पेशेवर होते हैं, जो दवाएं वितरित करते हैं और मरीजों को दवाओं के सेवन की जानकारी के बारे में सलाह देते हैं. इन पेशेवरों को ड्रगिस्ट या केमिस्ट के रूप में भी जाना जाता है.

बारहवीं के बाद करें कोर्स

साइंस से बारहवीं पास कर करनेवाला कोई भी छात्र फार्मेसी कोर्स में प्रवेश हासिल कर फार्मासिस्ट बनने की नींव रख सकता है. फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी के साथ बारहवीं पास करने के बाद चार वर्षीय बैचलर ऑफ फार्मेसी (बीफार्मा) में प्रवेश ले सकते हैं. फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी/ मैथमेटिक्स से बारहवीं करने वालों के पास दो वर्षीय डिप्लोमा इन फार्मेसी यानी डीफार्मा करने का विकल्प भी है. फार्मेसी में ग्रेजुएशन के बाद करियर को मजबूती देने के लिए मास्टर ऑफ फार्मेसी यानी एमफार्मा करना बेहतर होता है.

जीपैट से खुलती है मास्टर कोर्स की राह

फार्मेसी के मास्टर प्रोग्रामों में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट (जीपैट) का स्कोर आवश्यक है. इस परीक्षा का आयोजन साल में एक बार किया जाता है. जीपैट के स्कोर को एआईसीटीई द्वारा मान्यताप्राप्त सभी संस्थानों/ यूनिवर्सिटी के विभागों/ कॉलेजों या उससे संबद्ध कॉलेजों में स्वीकार किया जाता है. फार्मेसी के क्षेत्र में कुछ स्कॉलरशिप व अन्य वित्तीय सहायता भी जीपैट स्कोर के आधार पर मुहैया करायी जाती है.

आप बन सकते हैं

फार्मासिस्ट बनने की योग्यता हासिल करने के बाद आप निम्न जॉब प्रोफाइल के साथ करियर की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं-

हॉस्पिटल फार्मासिस्ट : ये दवाओं की आपूर्ति की निगरानी के प्रभारी होते हैं और दवाओं की खरीद, वितरण और गुणवत्ता परीक्षण के लिए जिम्मेदार होते हैं.

ड्रग इंस्पेक्टर : ड्रग इंस्पेक्टर वे स्पेशलिस्ट हैं, जो किसी दवा के निर्माण से लेकर उसकी बिक्री तक दवा की उपयोगिता, गुणवत्ता और सुरक्षा की निगरानी करते हैं. ये मेडिकल शॉप्स का निरीक्षण करते हैं और नकली दवाओं की जांच के लिए नमूने लेते हैं.

क्लीनिकल रिसर्च एसोसिएट : क्लीनिकल रिसर्च एसोसिएट नयी दवाओं के क्लीनिकल ट्रायल को व्यवस्थित करने और निगरानी करने में मदद करते हैं, ताकि उनसे जुड़े लाभों और जोखिमों का मूल्यांकन किया जा सके.

मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव : मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव (जिन्हें रेप्स भी कहा जाता है) ग्राहकों, डॉक्टरों, फार्मासिस्टों और नर्सों के लिए दवाएं, प्रिसक्रिप्शन ड्रग्स और मेडिकल उपकरण सहित कंपनी के उत्पादों को बेचने के लिए जिम्मेदार होते हैं.

रेगुलेटरी अफेयर्स ऑफिसर : ये चिकित्सा, फार्मास्युटिकल, अनुसंधान संगठनों और अन्य दवा निर्माताओं के लिए काम करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी कंपनी के उत्पाद नियामक मानदंडों का पालन करते हैं या नहीं. ये प्रोडक्ट का परीक्षण भी करते हैं, नयी दवाओं के लिए लाइसेंस प्राप्त करते हैं और फिर प्रोडक्ट लेबल पर उसके इस्तेमाल से संबंधित जानकारी लिखते हैं.

यूपी इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा के लिए आवेदन का आखिरी मौका

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग 17 जनवरी, 2025 को यूपीपीएससी ईएसई परीक्षा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया बंद कर देगा, जो उम्मीदवार संयुक्त राज्य इंजीनियरिंग सेवा (सामान्य/विशेष भर्ती) परीक्षा 2024 के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे यूपीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट (uppsc.up.nic.in) के माध्यम से सीधा लिंक पा सकते हैं। इसके लिए सुधार विंडो खुल गई है और 24 जनवरी 2025 को बंद हो जाएगी।

इस भर्ती का उद्देश्य कुल 604 रिक्तियों को भरना है, जिसमें सामान्य भर्ती के तहत 582 पद और विशेष भर्ती के तहत 22 पद शामिल हैं।

पात्रता मानदंड

उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल, मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल जैसे प्रासंगिक क्षेत्रों में इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यताएं भी स्वीकार की जाती हैं। राष्ट्रीय कैडेट कोर से ₹बी₹ प्रमाणपत्र या प्रादेशिक सेना में सेवा जैसे प्रमाणपत्र वाले उम्मीदवारों को अतिरिक्त वरीयता दी जा सकती है।

अभ्यर्थियों की आयु 01 जुलाई 2024 को 21 वर्ष होनी चाहिए तथा 40 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात उनका जन्म 2 जुलाई 1984 से पहले तथा 01 जुलाई 2003 के बाद नहीं हुआ होना चाहिए।

आवेदन शुल्क

इन पदों पर भर्ती के लिए आवेदन करने वाले अनारक्षित/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को 125 रुपये का आवेदन शुल्क देना होगा,जबकि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 65 रुपये है और विकलांग व्यक्तियों के लिए आवेदन शुल्क 25 रुपये है।

कैसे करें आवेदन?

यूपीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाएं।अभ्यर्थी पंजीकरण लिंक पर क्लिक करें और एक नया पेज खुलेगा। अब UPPSC ESE 2024 डायरेक्ट लिंक पर क्लिक करें और अपना रजिस्ट्रेशन करें। एक बार हो जाने पर, खाते में लॉगिन करें। अब आवेदन पत्र भरें और आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

बजट 2025 में अगर हो गया ये ऐलान तो...

मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और फुटवियर इंडस्ट्री में आ जाएगी जान

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार को लोकल मैन्युफैक्चरिंग को सपोर्ट करने के लिए आगामी बजट में मेडिकल कंपोनेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान और जूता-चप्पल (फुटवियर) इंडस्ट्रीज में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल (इनपुट) पर कस्टम ड्यूटी की डिमांड हो रही है। अगर ऐसा होता है तो इकोनॉमी में भी तेजी आएगी। साथ ही नौकरी में भी इजाफा होगा। डेलॉयट इंडिया के भागीदार (अप्रत्यक्ष कर) हरप्रीत सिंह ने कहा कि एक फरवरी को संसद में पेश किए जाने वाले 2025-26 के बजट से सीमा शुल्क पक्ष की प्रमुख मांगें दरों को युक्तिसंगत बनाने, व्यवस्था को सरल करने और मुकदमेबाजी और विवाद प्रबंधन की होंगी।

क्या है बजट से उम्मीदें

सिंह ने कहा कि फेजवाइज मैन्युफैक्चरिंग स्कीम की तर्ज पर हम इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरणों, हेल्थ सर्सिस प्रोडक्ट्स और फार्मास्युटिकल्स में कच्चे माल में कुछ शुल्क कटौती की उम्मीद करते हैं। ये ऐसे उद्योग हैं जहां सरकार विनिर्माण के मामले में प्रोत्साहन देना चाहती है। जुलाई, 2024 में पेश बजट में घोषित प्रस्तावित सीमा शुल्क युक्तिकरण पर सिंह ने कहा कि जिन क्षेत्रों में करों को तर्कसंगत किया जा सकता है उनमें स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा उपकरण विनिर्माण, रेफ्रिजरेटर, एसी जैसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, जूते और खिलौने शामिल हैं।

पिछले बजट में क्या था?

वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में कारोबार सुगमता के लिए सीमा शुल्क ढांचे की वृहद समीक्षा की घोषणा की गई थी। इसमें कहा गया था कि अगले छह माह में सीमा शुल्क ढांचे की समीक्षा की जाएगी। इससे कारोबार करना सुगम होगा, उलट शुल्क ढांचे और विवादों को कम करने में मदद मिलेगी। वर्गीकरण विवादों को कम करने के लिए, बजट ने सीमा शुल्क दरों की समीक्षा की घोषणा की थी। वर्तमान में, एक दर्जन से अधिक सीमा शुल्क दरें हैं, और सरकार दर स्लैब की संख्या को घटाकर चार या पांच करने पर विचार कर रही है।

प्राइस वॉटरहाउस एंड कंपनी एलएलपी के मैनेजिंग डायरेक्टर अनुराग सहगल ने कहा कि सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए अलग-अलग स्लैब ला सकती है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि वह मूल्य श्रृंखला में कहां स्थित है। वस्तुओं को मूल्य वर्धित/प्राथमिक और कच्चे माल/मध्यवर्ती के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, और उसी के अनुरूप स्लैब तय किए जा सकते हैं।

नांगिया एंडरसन एलएलपी के कार्यकारी निदेशक-अप्रत्यक्ष कर शिवकुमार रामजी ने कहा कि दरों की बहुलता को कम करने के लिए सीमा शुल्क ढांचे को सरल करने की मांग उठ रही है।

इसके अलावा उलट शुल्क ढांचे को भी दुरुस्त करने की जरूरत है। इसके साथ ही, स्पष्टीकरण और दरों को सुसंगत कर वर्गीकरण विवादों को कम करने की जरूरत है। ग्रांट थॉर्नटन भारत के भागीदार मनोज मिश्रा ने कहा कि सीमा शुल्क विवादों में करीब 50,000 करोड़ रुपये फंसे हुए हैं और माफी योजना से विवाद निपटाने में मदद मिलेगी।

कौन हैं अंकुर वारिकू जिन्होंने बताए अमीर बनने के टिप्स? घर बैठे करते हैं मोटी कमाई, नेटवर्थ जानकर चौंक जाएंगे

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अंकुर वारिकू। यह नाम आपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काफी सुना होगा और इन्हें देखा भी होगा। अंकुर कारोबारी और कंटेंट क्रिएटर हैं। इन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। इसमें इन्होंने लोगों को इन्वेस्टमेंट के तरीके बताए हैं। सही तरीके से निवेश करके अमीर बना जा सकता है। उन्होंने साल 2024 में कहां से और कितनी कमाई की। साथ ही उन्होंने कमाई के तरीकों के बारे में भी बताया है। कमाई के साथ निवेश की रणनीति क्या होनी चाहिए और निवेश के बारे में कैसे सोचना चाहिए। अंकुर ने बताया कई लोग अपनी इनकम के साथ पैसिव होते हैं। बस नौकरी करना, थक जाना और सैलरी पर ही संतुष्ट हो जाना। वहीं अन्य लोग अपने निवेश के साथ काफी ऐक्टिव होते हैं। वे लगातार स्टॉक पर नजर रखते हैं, ट्रेडिंग करते हैं और जोखिम भरे वेंचर्स की खोज करते हैं।अपनी इनकम के साथ ऐक्टिव होना चाहिए। कभी भी मेहनत करना बंद नहीं करना चाहिए। साथ ही वे निवेश के साथ निष्क्रिय होने का सुझाव देते हैं। अंकुर अपनी पोस्ट में बताते हैं कि एसआईपी जैसी लॉन्गटर्म और कम रखरखाव वाली स्कीम में निवेश करना बेहतर हो सकता है। साल 2024 में उन्हें अलग-अलग कमाई के सोर्स से 20 लाख डॉलर (करीब 16.84 करोड़ रुपये) की कमाई हुई। हालांकि उन्होंने बताया है कि यह सिर्फ रेवेन्यू है, उनका प्रॉफिट नहीं है। इसमें टीम की सैलरी, मार्केटिंग, सॉफ्टवेयर आदि खर्च भी शामिल है। सारे खर्च निकालने के बाद वह बताते हैं कि प्रॉफिट करीब 20 से 25 फीसदी रहेगा। अपहली है 'ब्रांड वारिकू'। यह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कंटेंट तैयार करती है। दूसरी यूनिट 'वेबवेदा' है। यह एजुकेशनल कंटेंट प्रदान करती है। तीसरी यूनिट 'निवेश' है।

शपथग्रहण से पहले डोनाल्ड ट्रंप के डिनर में पहुंचे मुकेश और नीता अंबानी

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। वाशिंगटन डीसी में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह से पहले आयोजित डिनर में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने शिरकत की। इस खास अवसर पर दुनिया के कई बड़े इंडस्ट्रियलिस्ट, वैश्विक व्यापार जगत के नेता और ट्रंप के कैबिनेट के नामित सदस्य मौजूद थे।डिनर में अंबानी परिवार को अन्य भारतीय उद्यमियों, जैसे एम3एम डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक पंकज बंसल और ट्रिबेका डेवलपर्स के संस्थापक कल्पेश मेहता के साथ देखा गया। कल्पेश मेहता भारत में ट्रंप टावर्स को स्थापित करने में एक प्रमुख भागीदार हैं। इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीरों में मेहता को मुकेश और नीता अंबानी के साथ पोज़ देते हुए देखा जा सकता है

खास ड्रेस में नजर आया अंबानी परिवार

मुकेश अंबानी ने इस मौके पर काले रंग का सूट पहना, जबकि नीता अंबानी सिल्क साड़ी के साथ लंबे ओवरकोट में नजर आईं। इस आयोजन में कई और बड़े इंडस्ट्रियलिस्ट भी शामिल हुए।

इसके अलावा एमजान के संस्थापक जेफ बेजोस और मेटा के मुख्य कार्यकारी मार्क जुकरबर्ग भी इस अवसर पर दिखे।कल्पेश

मेहता ने सोशल मीडिया पर ट्रंप और उनके परिवार के साथ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 45वें और 47वें राष्ट्रपति के साथ इस अद्भुत उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस किया। उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया के साथ आतिशबाजी का आनंद ले रहे थे।रिपोर्ट्स के अनुसार, अंबानी परिवार को डोनाल्ड ट्रंप के शपथग्रहण समारोह से एक रात पहले आयोजित कैंडललाइट डिनर के लिए स्पेशल इनविटेशन दिया गया था। इस अवसर पर ट्रंप के साथ उनकी करीबी मित्र मंडली और परिवार के सदस्य मौजूद थे।ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के बाद, अंबानी परिवार को रिपब्लिकन मेगा-डोनर मिरियम एडेलसन और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग द्वारा आयोजित ब्लैक-टाई रिसेप्शन में शामिल होगा। इस आयोजन में दुनिया के प्रभावशाली नेताओं और व्यापार जगत के दिग्गजों का जमावड़ा होगा।

रिलायंस की कमाई देख दुनिया हुई हैरान,नोमुरा से एचएसबीसी तक ने लगाया ये अनुमान

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) छह महीने की चुनौतियों के बाद एक बार फिर से ग्रोथ की राह पर वापस आ गई है। कंपनी की कमाई देख दुनिया भी हैरान रह गई हैं। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर नतीजे दिए हैं। कच्चे तेल से लेकर टेलीकॉम और रिटेल सेक्टर में कार्यरत ग्रुप ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपनी सबसे ऊंची 43,800 करोड़ रुपए का एबिटडा दर्ज किया है। इन आंकड़ो से पता चलता है कि समूह ने विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन किया है। मुख्य रूप से कंपनी ने तेल-से-रसायन (ओ2सी) क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा कंपनी के उपभोक्ता खुदरा कारोबार में भी सुधार हुआ है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर ब्रोकरेज कंपनियां रिलायंस इंडस्ट्रीज को लेकर क्या अनुमान लगा रही हैं। मॉर्गन स्टेनली ने एक नोट में कहा कि छह महीने की चुनौतियों के बाद रिलायंस वृद्धि की राह पर वापस लौट आई है। कंपनी विनाइल/पॉलिएस्टर सीरीज और फ्यूल इंपोर्ट लॉजिस्टिक्स में निवेश के साथ घरेलू बाजार पर केंद्रित अपनी रसायन क्षमता का विस्तार करना चाहती है। मॉर्गन स्टेनली ने कहा कि भारत में रसायनों की मांग मजबूत बनी हुई है, जो कि सालाना 5 से 16 फीसदी की दर से बढ़ रही है। एचएसबीसी ग्लोबल रिसर्च ने कहा कि उसे 2025 में ग्रुप के कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए कई उत्प्रेरक दिख रहे हैं। इसमें रिटेल सेक्टर में बदलाव, न्यू एनर्जी की शुरुआत और डिजिटल कारोबार में नई गति शामिल है। इसने कहा कि हमारा मानना है कि तीसरी तिमाही का नतीजा उम्मीदों के अनुरूप रहा है। यह निकट अवधि में उम्मीद से थोड़ा कमतर नतीजों में आखिरी है।

अब हमारा मानना है कि रिटेल सेक्टर में बदलाव, न्यू एनर्जी बिजनेस की शुरुआत और डिजिटल कारोबार की रफ्तार समूह के लिए उत्प्रेरक साबित होंगे।एचएसबीसी का मानना है कि रिटेल सेक्टर के लिए कंपनी अपने पोर्टफोलियो और उत्पादों के अनुकूलन को पूरा कर लेगी और वृद्धि की राह पर लौटेगी। अपने हाइपरलोकल मॉडल के माध्यम से कंपनी किराने की इंस्टैंट सप्लाई के कारोबार में आगे बढ़ेगी। नए ऊर्जा कारोबार की बात करें रिलायंस के मॉड्यूल उत्पादन और सेल कारोबार शुरू करने की उम्मीद है। साथ ही कंपनी खुद के इस्तेमाल के लिए पांच से 10 गीगावाट सौर क्षमता चालू करेगी, सोडियम आयन सेल का उत्पादन बढ़ाएगी और हाइड्रोजन मैन्युफैक्चरिंग की घोषणा करेगी। एचएसबीसी ने कहा कि डिजिटल के मोर्चे पर एयरफाइबर आधारित ब्रॉडबैंड की पहुंच बढ़ने से कंपनी की प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) बढ़ेगी। शुल्क वृद्धि का पूरा प्रभाव जून, 2025 तक दिखेगा।नोमुरा ने कहा कि निकट अवधि में तीन चीजों के जरिये रिलायंस आगे बढ़ेगी। इसमें मार्च, 2025 में शुरू होने वाला नया ऊर्जा कारोबार, जियो के लिए शुल्क वृद्धि और जियो का ही संभावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और उसकी सूचीबद्धता शामिल हैं। नुवामा इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज ने कहा कि पेट्रोरसायन विस्तार के बाद रिलायंस दुनिया में शीर्ष 10 उत्पादकों में होगी।

न्यूयॉर्क से लंदन तक सुरंग... एलन मस्क ने दिया इसे बनाने का ऑफर, मात्र एक घंटे में तय होगी 5000 किमी की दूरी

नई दिल्ली,19 जनवरी (एजेंसियां)। जो काम असंभव सा लगता है, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क उसे पूरा करने की जिम्मेदारी लेते हैं। फिर चाहे ड्राइवरलेस कार की बात हो या फिर लॉन्चिंग के बाद रॉकेट को वापस लॉन्च पैड पर लाना हो। इसमें वह सफल भी हुए हैं। मस्क ने एक ऐसे ही लगभग असंभव से लगने वाले काम को पूरा करने का ऑफर दिया है। यह ऑफर है ट्रांस अटलांटिक सुरंग बनाने का। करीब 5000 किमी लंबी यह सुरंग न्यूयॉर्क से लंदन के बीच समुद्र के नीचे बनाई जानी प्रस्तावित है। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने कहा है कि उनकी बोरिंग कंपनी इस सुरंग को बनाने का काम पूरा कर सकती है। बेन्जिंगा की एक रिपोर्ट के मुताबिक मस्क ने कहा है कि वह इस काम को अनुमानित खर्च (20 लाख करोड़ डॉलर) के मुकाबले 1000 गुना कम कीमत

में कर सकते हैं। इस हिसाब से एलन मस्क इस सुरंग का निर्माण मात्र 20 अरब डॉलर में कर सकते हैं। इस सुरंग को अटलांटिक महासागर के नीचे बनाने की चर्चा पिछले कई वर्षों से चल रही है। इस सुरंग को बनाने का उद्देश्यों दो देशों के बीच हवाई जहाज से भी कम समय में पहुंचना है।दरअसल, इस सुरंग का निर्माण हाइपरलूप ट्रेन शुरू करने के लिए बनाए जाने की बात चल रही है। हाइपरलूप एक हाई-स्पीड ट्रेन है जो ट्यूब में वैक्यूम में चलती है। इसका प्रस्ताव भी एलन मस्क की ओर से लाया गया था। हाइपरलूप ट्रेन के कई मॉडल आ चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई भी हाइपरलूप हाई-स्पीड ट्रेन शुरू नहीं हुई है। माना जा रहा है कि इस सुरंग के बनने और यहां हाइपरलूप ट्रेन के शुरू होने के बाद न्यूयॉर्क से लंदन तक की करीब 5000 किमी की दूरी मात्र एक घंटे में पूरी हो जाएगी। ट्रांस अटलांटिक सुरंग बनाने को लेकर कई चुनौतियां सामने आ रही हैं। पहले भी लागत और दूसरे कारणों के चलते इस सुरंग को बनाने का काम धरातल पर नहीं उतर सका है।बेन्जिंगा के अनुसार, इस सुरंग को बनाने के लिए हाई टेक्नॉलजी की चीजों की जरूरत होगी। मस्क की ओर से सुरंग बनाने की जिम्मेदारी लेने के बावजूद अभी इस सुरंग के लिए कोई ठोस योजना, सरकारी अनुमोदन या धन आवंटित नहीं किया गया है। मस्क ने कई साल पहले हाइपरलूप ट्रेनों के बारे में अवधारणा पेश की थी। उन्होंने कहा था कि इन ट्रेनों के जरिए लंबी से लंबी दूरी बेहद कम समय में पूरी की जा सकेगी।

ईपीएफओ के 10 करोड़ सदस्यों के लिए खुशखबरी

व्यक्तिगत जानकारी में सुधार करना होगा आसान

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सदस्य अपनी व्यक्तिगत जानकारी जैसे नाम आदि में सुधार आसानी से कर सकेंगे। यह जानकारी शनिवार को केंद्रीय मंत्री की तरफ से दी गई है। सरकार ने ईपीएफओ में रिफॉर्म लागू किए गए हैं, जिसके बाद आसानी से ईपीएफओ के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जाकर सदस्य अपनी व्यक्तिगत जानकारी में स्वयं ही बदलाव कर पाएंगे।केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री, मनसुख मांडविया ने कहा, ईपीएफओ के 10 करोड़ से ज्यादा लाभार्थी हैं, जब भी किसी सदस्य को ईपीएफओ के पास मौजूद अपनी जानकारी में कोई बदलाव करवाना होता था, तो उसे लंबे प्रोसेस से गुजरना होता था, लेकिन अब ईपीएफओ में रिफॉर्म लागू कर दिया है। इसके बाद सदस्य आसानी से बिना किसी बाहरी सहायता के स्वयं ही अपनी जानकारी में बदलाव कर पाएंगे।मनसुख मांडविया ने आगे कहा, ईपीएफओ के पास नाम और अन्य जानकारियों में बदलाव से जुड़ी हुई करीब 8 लाख शिकायतें आई हुई हैं। इस बदलाव से इन सभी शिकायतों का जल्द समाधान हो सकेगा। इसके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री ने बताया, सरकार ने ईपीएफओ

अकाउंट ट्रांसफर को सरल बनाने के लिए भी रिफॉर्म लागू किया है। अब आसानी से सदस्य एक ओटीपी के माध्यम से ईपीएफओ अकाउंट को एक संस्था से दूसरी संस्था में ट्रांसफर कर पाएंगे। इसके लिए पहले प्रोसेस काफी लंबा था। इस महीने की शुरुआत में ईपीएफओ ने बताया था कि देशभर में अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में सेंट्रलाइज्ड पेंशन पेमेंट्स सिस्टम (सीपीपीएस) का रोलआउट पूरा कर लिया है। इससे 68 लाख से अधिक पेंशन पाने वालों को लाभ मिलेगा।इस नए सिस्टम के साथ लाभार्थियों को सुविधा मिलेगी कि वे किसी भी बैंक से पेंशन निकाल सकेंगे। साथ ही पेंशन शुरू होने के समय वेरिफिकेशन के लिए लाभार्थी को बैंक जाने की जरूरत नहीं होगी। यह कदम उन पेंशनभोगियों के लिए राहत भरा होगा, जो रिटायरमेंट के बाद अपने होमटाउन चले जाते हैं और वहीं, आगे का जीवन गुजर-बसर करते हैं।

विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार के उड़ाए होश, 20 साल में कभी नहीं हुआ ऐसा

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों की ऐसी बेरुखी जनवरी के महीने में बीते दो दशकों में कभी नहीं देखने को मिली। जितनी साल 2025 के महीने में देखने को मिल रही है। शेयर बाजार विदेशी निवेशकों की बिकवाली की वजह से शेयर बाजार के होश उड़े हुए हैं। विदेशी निवेशकों ने साल 2022 के बाद जनवरी के महीने में सबसे ज्यादा पैसा शेयर बाजार से निकाला है। जोकि एक रिकॉर्ड बन चुका है। साल 2022 की जनवरी में जो बिकवाली का 33 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का देखने को मिला था। वो जनवरी 2025 के महीने में 44 हजार करोड़ रुपए के पार चला गया है। अभी जनवरी का महीना खत्म नहीं हुआ है। जानकारों की मानें तो साल का पहला महीना खत्म होने तक ये आंकड़ा 50 हजार या फिर उससे पार भी जा सकता है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मौजूदा समय में विदेशी निवेशकों से जुड़े हुए किस तरह के आंकड़े देखने को मिल रहे हैं।

शेयर बाजार से भाग रहे विदेशी निवेशक

डॉलर की मजबूती, अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी और कंपनियों के तिमाही नतीजे कमजोर रहने की आशंका के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार से 44,396 करोड़ रुपए निकाले हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 15,446 करोड़ रुपये डाले

थे। घरेलू और वैश्विक मोर्चे पर तमाम तरह की अड़चनों की वजह से विदेशी निवेशकों के रुख में बदलाव हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने (17 जनवरी तक) अबतक भारतीय शेयरों से शुद्ध रूप से 44,396 करोड़ रुपये निकाले हैं। दो जनवरी को छोड़कर इस महीने के सभी दिन एफपीआई बिकवाल रहे हैं।

बॉन्ड मार्केट में मामूली बिकवाली

चूंकि अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल आकर्षक बना हुआ है, ऐसे में एफपीआई डेट या बॉन्ड बाजार में भी बिकवाली कर रहे हैं। उन्होंने बॉन्ड बाजार में सामान्य सीमा के तहत 4,848 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 6,176 करोड़ रुपये निकाले हैं। कुल मिलाकर यह रुझान विदेशी निवेशकों के सतर्क रुख को दर्शाता है, जिन्होंने 2024 में भारतीय शेयरों में सिर्फ 427 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। इससे पहले 2023 में एफपीआई का भारतीय शेयरों में निवेश 1.71 लाख करोड़ रुपये रहा था। 2022 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा दरों में आक्रामक वृद्धि के बीच एफपीआई ने भारतीय बाजार से 1.21 लाख करोड़ रुपये निकाले थे।

क्या कह रहे हैं जानकार

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय रुपये में लगातार गिरावट ने विदेशी निवेशकों पर काफी दबाव डाला है। यही वजह है कि वे भारतीय बाजार से अपना निवेश निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हाल की गिरावट के बावजूद भारतीय शेयरों का ऊंचा मूल्यांकन, कमजोर तिमाही नतीजों की संभावना, आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को लेकर अनिश्चितता निवेशकों को प्रभावित कर रही है।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई की लगातार बिकवाली की मुख्य वजह डॉलर की मजबूती और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल का बढ़ना है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-53
सूर्यास्त. -18-00
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मकर	मे	मकर...	06-29	बजे
चंद्र-	कन्या	मे	कुंभ...	08-20	बजे
मंगल	कर्क	मे	मीन...	09-58	बजे
बुध-	धनु	मे	मेष...	11-34	बजे
गुरु-	वृष	मे	वृष...	13-19	बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	मिथुन	15-20	बजे
शनि-	कुंभ	मे	कर्क..	17-31	बजे
राहु-	मीन	मे	सिंह....	19-44	बजे
केतु-	कन्या	मे	कन्या...	21-52	बजे
			तुला....	23-56	बजे
			वृश्चिक..	02-05	बजे
			धनु......	04-19	बजे

दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी . 09-58 तक उपरान्त सप्तमी
मास - माघ कृष्ण ,सोमवार 20 January
नक्षत्र - हस्त 20-29 तक उपरान्त चित्रा
योग - सुकर्मा 02-51 तक उप. धृति
करण- वणिज 09-58 तक उप विष्टी
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्राकाल 09-58 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:15 से 09:39 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:53 - 08:15	शुभ	चंचल	18:00 - 19:40	शुभ
काल	08:15 - 09:39	अशुभ	रोग	19:40 - 21:15	अशुभ
शुभ	09:39 - 11:03	शुभ	काल	21:15 - 22:51	अशुभ
रोग	11:03 - 12:27	अशुभ	लाभ	22:51 - 00:27	शुभ
उत्पात	12:27 - 13:51	अशुभ	उत्पात	00:27 - 02:03	अशुभ
चंचल	13:51 - 15:15	शुभ	शुभ.	02:03 - 03:39	शुभ
लाभ.	15:15 - 16:40	शुभ	अमृत	03:39 - 05:15	शुभ
अमृत	16:40 - 18:00	शुभ	चंचल	05:15 - 06:53	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता । इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें । अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढाने के लिए अच्छा समय है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज ग्रहों की दशा आपको शांत तरीके से अपने बारे में सोचने का मौका देगी । आपने पिछले समय में कई मौकों पर काफी कठोर ढंग से अपनी प्रतिक्रिया दी है लेकिन अब आप मानसिक रूप से काफी शांत स्थिति में हैं । सुलह करने और सम्बन्ध सुधरने के लिए बहुत अच्छा समय है। ख़ुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि खुद को भी और दूसरों को भी एक दूसरा मौका जरुर दें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं । कर्क प्यार और संबंध राशिफल आज का दिन अन्य एवं दूसरे मौके के लिए उपयुक्त है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप एक लापरवाह और असाधारण अवस्था में रहेंगे । आज के दिन आप किसी पार्टी के आयोजन में आनंद लेंगे और आस पास के व्यक्तियों को प्रभावित भी करेंगे । आज आप ये नहीं सोचेंगे की धन कहा से आ जा रहा है जिसकी वजह से आपके वित्त पर एक नकारात्मक असर पड़ने की संभावना है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप की भावना अदम्य है, इसलिए आप अपनी क्षमता को दुसरो को आगे बढ़ने में समर्पित करे और चीजों को व्यवस्थित एवं संगठित करे । इससे आप अपनी कठोर मेहनत के बल पर मान्यता और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे । आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है , इसलिए अपने खर्चे और निवेश को कम करे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको नौकरी की संभावनाओं के बारे में कुछ अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी पसंद की कंपनियों में एक साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है। आज उभरते हुए लेखकों के लिए यह एक महान दिन हो सकता है क्यों की आपके लेख या आपकी पुस्तक प्रसिद्ध प्रकाशक के द्वारा प्रकाशित हो सकती है । आपका करियर अब पूरी तरह से एक नए रूप में शोभित होगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे । यह न केवल आपको लोकप्रिय बनाएगा बल्कि आपके भविष्य में भी मदद देगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप अपने करियर की एक बड़ी सफलता के कगार पर खड़े है। ये आपके निर्णायक निर्णय पर निर्भर करेगा की आप इसे किस दिशा में ले जाना चाहते है। इसके लाभ और हानि पर आपको विश्लेषण करने की जरूरत है। आपका निर्णय आपके जीवन को प्रभावित करेगा और अगर आप सही विकल्प का चुनाव करते हैं, तो आपकी आय में अगले कुछ दिनों में काफी वृद्धि होने की संभावना है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है , जिससे की आपकी भूमिका के लिए प्रशंसा और सम्मान आपको मिलने की संभावना है और आपके धन का स्वास्थ्य भी स्वस्थ्य रहने की संभावना है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है क्यों की कोई सहकर्मी आपके करियर के विपरीत कार्य कर सकता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हीरों की जूतियों वाली महारानी

माधोराव सिंधिया से सगाई तोड़ लव मैरेज की, इटली से हीरे-मोती लगे जूते मंगवातीं थी, भारत की सबसे बोल्ड महारानी

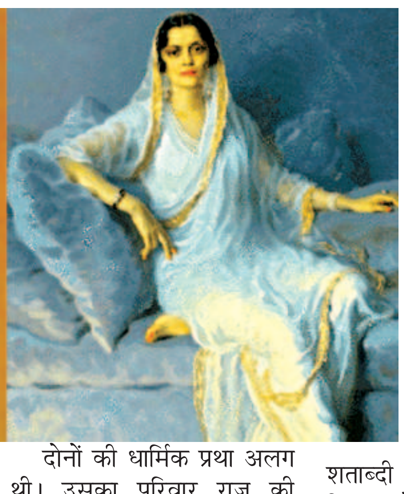

कोलकाता, 19 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। भारत में जब फैशन और ब्रांड की बात आती है तो सबसे प्रतिष्ठित नामों में से एक है पश्चिम बंगाल के कूच बिहार की महारानी इंदिरा देवी का। जिनका जन्म वर्ष 1892 में हुआ था। इंदिरा देवी की बोल्डनेस, ब्रैंड की पसंद और लग्जरी लाइफ की कहानियां आज भी चर्चा में रहती हैं। इंदिरा देवी जयपुर की महारानी गायत्री देवी की मां थीं। वह एक विद्रोही महारानी भी कही जाती हैं, जिन्होंने उस जमाने में लव मैरेज के लिए अपने परिवार से खिलाफत की। वह तब इटली के सबसे बड़े शूज के ब्रैंड से जूतियां मंगवाती थीं और हीरे-मोती वाली जूतियां पहनती थीं।

महारानी इंदिरा देवी को जूते पसंद थे, विशेष रूप से इतालवी लक्जरी फैशन हाउस साल्वाटोर फेरागामो के, जो अपने बेहतरीन गुणवत्ता वाले जूतों के लिए जाने जाते थे। खास बात है कि उन्होंने सा्वाटोर फेरागामो से एक या दो नहीं बल्कि 100 जोड़ी जूते खरीदे थे। इनमें माणिक, पन्ना और हीरे भी जड़े हुए थे।

अपने समय की एक फैशन विद्वान के रूप में जानी जाने वाली, महारानी इंदिरा एक गूढ़ महिला थीं। जिन्होंने सनसनीखेज रात्रिभोज पार्टियों की मेजबानी की, सौभाग्य के लिए अपने बगल में एक रत्न से भरे कछुए के साथ जुआ खेला और महिलाओं की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने के लिए बनाए गए सामाजिक मानदंडों को चुनौती दी।

राजकुमारी इंदिरा राजे का जन्म 1892 में उस समय के दूसरे सबसे शक्तिशाली भारतीय शाही परिवार बड़ौदा के महाराजा गायकवाड़ सयाजीराव तृतीय की एकमात्र बेटी के रूप में हुआ था। वह अपने भाइयों के साथ लक्ष्मी विलास पैलेस के चमकते हॉल के बीच पली-बढ़ी, जो देश की सबसे महंगी संपत्तियों में से एक है। शिक्षा पर अपने माता-पिता के प्रगतिशील विचारों के कारण, स्कूल और कॉलेज दोनों में भाग लेने वाली पहली भारतीय राजकुमारी थीं।

अपनी सुंदरता, बुद्धि और भव्यता के लिए प्रसिद्ध, इंदिरा ने कई शाही दावेदारों का ध्यान आकर्षित किया। उनके पिता ने ग्वालियर के महाराजा, माधो राव सिंधिया से उनकी शादी तय कर दी। हालांकि, महाराजा न केवल उनसे दो दशक बड़े थे, उनकी पहले से ही एक पत्नी थी।

इंदिरा की स्पष्ट अनिच्छा के बावजूद, सगाई बहुत धूमधाम से आयोजित की गई थी। एक साल बाद, वह कूच बिहार के राजकुमार जितेंद्र नारायण से मिलीं और उन्हें प्यार हो गया। उन्होंने खुद ग्वालियर के महाराजा को एक पत्र लिखकर सगाई तोड़ दी।

महारानी इंदिरा के क्रोधित माता-पिता को जितेंद्र के साथ उसकी शादी मंजूर नहीं थी। महाराजा जितेंद्र पश्चिम बंगाल में कूच बिहार रियासत के महाराजा नृपेंद्र नारायण और महारानी सुनीति देवी के दूसरे बेटे थे। इंदिरा के माता-पिता इस शादी के लिए इसलिए खिलाफ थे क्योंकि वह बंगाली थे। दोनों की धार्मिक प्रथा अलग थी। उसका परिवार राज की प्राथमिकता के क्रम में काफी कम था।

इंदिरा को उनके माता-पिता यूरोप ले गए, लेकिन वह जिद पर अड़ी रहीं। उन्होंने प्रेस में यह बात लीक कर दी कि वह कूच बिहार के राजकुमार से शादी करने का इरादा रखती हैं। वह कूच बिहार के राजा के साथ शादी करने के लिए भागने जा रही थीं, तब गायकवाड़ों को अनिच्छा से इस शादी के लिए अपनी सहमति देनी पड़ी। लेकिन उन्होंने किसी भी समारोह में भाग लेने या मेजबानी करने से इनकार कर दिया। नतीजतन, इंदिरा और जितेंद्र ने आधिकारिक तौर पर अगस्त 1913 में मध्य लंदन में एक गैर-वर्णित रजिस्ट्रार के कार्यालय में शादी कर ली।

एक दशक बाद, कूचबिहार की महारानी इंदिरा देवी ने अपने पति को खो दिया, और अपने बेटे के लिए रीजेंट बन गईं। उसके रास्ते में तुरंत कई बाधाएं आईं, जिनमें उसके बहनोई की साजिशें शामिल थीं, जिनकी नज़र सिंहासन पर थी।

उनकी ननद ने उन्हें दिवालियापन घोषित कर दिया, उसके दरबार में शत्रुतापूर्ण शक्तियां थीं, और अकेले पालन-पोषण करने के लिए पांच बच्चे थे। हालांकि उन्होंने इन सबका डटकर सामना किया और अगले 15 वर्षों तक राज्य पर शासन किया। महामंदी ने उनके शासनकाल के दौरान कूच बिहार पर कहर बरपाया, लेकिन राज्य न केवल संकट से बचा, बल्कि लंबे समय से लंबित ऋणों का भुगतान करने में भी कामयाब रहा।

महारानी ने एक बार कथित तौर पर 20वीं शताब्दी के सबसे प्रसिद्ध जूता डिजाइनरों में से एक साल्वाटोर फेरागामो से 100 से अधिक जोड़ी जूते-जिनमें से कुछ रूबी, पन्ना और हीरे से जड़े हुए थे-का ऑर्डर दिया था। फेरागामो ने अपने संस्मरणों में अपने शाही ग्राहकों के बारे में भी लिखा है। 1938 में, महारानी इंदिरा देवी के लिए एक कस्टम-निर्मित साल्वाटोर फेरागामो जूता बनाया गया था। सैंडल को कीमती रत्नों, हीरे और पन्ने से भरा गया था जो उनके द्वारा भारत से डिजाइनर को भेजे गए थे। इन जूतों को अब इटली के फ्लोरेंस में साल्वाटोर फेरागामो संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया है।

महारानी इंदिरा देवी को भारत में शिफॉन साड़ियां लाने का श्रेय भी दिया जाता है। उनकी साड़ियां पेरिस के फैशन हाउसों के बेहतरीन रेशम से बनाई जाती थीं। उन्हें पेरिस से भारत में शिफॉन साड़ियों को पेश करने का श्रेय दिया जाता है।

वह केवल 45 इंच चौड़ाई में विशेष रूप से बुनी गई साड़ियां पहनती थीं। कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) और दिल्ली की दुकानों, जहां से इन साड़ियों का ऑर्डर दिया जाता था, को एक साल के बाद ही बिक्री के लिए डिजाइनों को दोहराने की अनुमति दी गई थी।

नौकरियां खाकर हाहाकार मचा देगा एआई?

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने हाल ही में भारत का दौरा किया। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी अगले दो सालों में भारत में 3 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह निवेश क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में होगा। इससे एआई का विकास और उपयोग तेजी से बढ़ेगा। नडेला ने यह भी वादा किया कि अगले पांच सालों में वे एक करोड़ भारतीयों को एआई की ट्रेनिंग देंगे। इससे एक कुशल तकनीकी कर्मचारी वर्ग तैयार होगा, जिसकी माइक्रोसॉफ्ट को अपने वैश्विक कार्यों के लिए जरूरत है।

पश्चिमी देशों की जनसंख्या घट रही है। इसलिए वहां स्टेम (विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग, गणित) के पर्याप्त स्नातक नहीं मिल पा रहे हैं। एआई के क्षेत्र में तेजी से विकास के लिए इन स्नातकों की जरूरत है। भारत की शिक्षा प्रणाली में भले ही कई समस्याएं हों, लेकिन यहां दुनिया में सबसे ज्यादा अंग्रेजी बोलने वाले स्टेम ग्रैजुएट तैयार होते हैं। इसलिए भारत, सिर्फ माइक्रोसॉफ्ट के लिए नहीं, पूरी दुनिया के लिए प्रतिभा का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है।

अभी तक भारतीय अपेक्षाकृत कम तकनीकी वाले सूचना-प्रौद्योगिकी के काम करते थे। ज़्यादा उच्च स्तरीय काम पश्चिमी देशों में होते थे। लेकिन अब सभी बड़ी वैश्विक कंपनियों ने भारत में ग्लोबल कैपबिलिटी सेंटर्स (जीसीसीएस) खोल दिए हैं। ये कंपनियां भारत में स्टेम ग्रैजुएट की अपार आपूर्ति का फायदा उठा रही हैं।

हर साल यहां से बड़ी संख्या में स्नातक निकलते हैं। इसलिए भारत अब उस काम को करने की स्थिति में है जिसे नडेला 'तकनीकी मोर्चे का कार्य' कहते हैं।

यह एआई और संबंधित क्षेत्रों में लाखों नौकरियां पैदा करने के लिए बहुत अच्छा लगता है। लेकिन क्या एआई लाखों नौकरियां खत्म भी नहीं करेगा? पहले के नवाचारों के विपरीत, यह न केवल ब्लू कॉलर जॉब में बल्कि वाइट कॉलर जॉब की एक विशाल श्रृंखला में लोगों की जगह लेने में सक्षम दिखता है। कुछ लोगों को डर है कि एआई मशीनें इंसानों से ज्यादा बुद्धिमान हो जाएंगी और दुनिया पर कब्जा कर लेंगी। लेकिन ज्यादा व्यापक डर यह है कि एआई इस तरह की बड़े पैमाने पर बेरोजगारी पैदा करेगा जैसा पहले कभी अनुभव नहीं किया गया।

मेरे जैसे आशावादी कहते हैं कि हर नई तकनीक बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और संकट का डर पैदा करती है, जो कभी सच नहीं होता। पहली कपड़ा बनाने वाली मशीनों ने इतने लोगों की नौकरियां छीन लीं कि इंग्लैंड में लुडाइट्स ने मशीनीकरण को रोकने के लिए कपड़ा मिलों को नष्ट कर दिया। जैसा कि बाद में पता चला, हाथ से काते गए धागे से मशीन से काते गए धागे में बदलाव का मतलब प्रति कर्मचारी अधिक उत्पादकता, अधिक वेतन और बहुत सस्ता कपड़ा था। कुछ श्रमिकों को अस्थायी बेरोजगारी का सामना करना पड़ा, लेकिन अंतिम परिणाम अच्छा रहा।

परिवहन के मशीनीकरण के साथ भी ऐसा ही हुआ। घोड़ों और गाड़ियों में पारंपरिक रोजगार ऑटोमोबाइल ने नष्ट कर दिया था, लेकिन इस कारण उच्च उत्पादकता, उच्च मजदूरी और कम वास्तविक कीमतें संभव हो सकीं। फिर पर्सनल कंप्यूटर, औद्योगिक रोबोट और इंटरनेट सामने आए। तीनों ने नौकरियों की एक विशाल श्रृंखला को खतरे में डाल दिया, लोगों को इस बात का कोई भरोसा नहीं था कि पर्याप्त नई नौकरियां आएंगी। फिर भी हर मामले में, कुल मिलाकर अधिक नौकरियां पैदा हुईं जबकि समृद्धि में सुधार हुआ।

नौकरियों के लिए गंभीर खतरे लगातार आपदा नहीं, बल्कि उच्च समृद्धि के रास्ते क्यों बन गए? मुख्य रूप से उस वजह से जिसे अर्थशास्त्री मैक्रोइकॉनॉमिक इफेक्ट्स कहते हैं। मशीनीकरण ने मशीनीकृत की जा रही वस्तुओं और सेवाओं की वास्तविक कीमतों को कम कर दिया। इससे उपभोक्ताओं के पास अन्य खरीदारी के लिए जेब में अधिक नकदी बची, जिससे मशीनीकृत होने वाले उद्योग से पूरी तरह से असंबंधित विभिन्न प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ गई।

उदार लोग मशीनों से विस्थापित लोगों के भाग्य के बारे में चिंता करते हैं और असंबंधित उद्योगों के लिए सकारात्मक प्रभाव नहीं देख पाते हैं। लेकिन यही वह चीज है जिसने मशीनीकरण को सभी समाजों के लिए शुद्ध सकारात्मक बना दिया है।

19वीं सदी के अंत में, आधी अमेरिकी कार्यबल कृषि में कार्यरत थी और 40% खपत भोजन की थी। फिर खेत के मशीनीकरण की लहरों ने कई नौकरियां खत्म कर दीं। आज केवल 1.8% अमेरिकी ही खेतों में काम करते हैं लेकिन देश को खिलाते हैं और निर्यात के लिए भारी मात्रा में अतिरिक्त अन्न पैदा करते हैं। मशीनीकरण ने भोजन की वास्तविक कीमत को लगातार कम किया है, जो अब घर के खर्च का केवल 12% है। ऊपर से मात्रा, गुणवत्ता और विविधता में जबरदस्त वृद्धि भी हुई है।

निराशावादी कहते हैं कि भले ही एआई स्टेम ग्रैजुएट्स के लिए कुछ बहुत अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियां पैदा करने में सफल हो जाए, यह दूसरों के लिए बड़े पैमाने पर बेरोजगारी पैदा करेगा। वे एक ऐसे भविष्य को देखते हैं जिसमें तकनीकी कंपनियां भारी मुनाफा कमाती हैं और तकनीकी कर्मचारी अमीर बन जाते हैं लेकिन वर्कफोर्स के बड़े हिस्से के कौशल को अप्रचलित कर देते हैं, जिससे उच्च तकनीक से युक्त कर्मचारियों और अन्य सभी के बीच भारी विभाजन पैदा होता है।

यह असंभव है लेकिन असंभव नहीं है। अब तक देश विस्थापित श्रमिकों को बेरोजगारी भत्ता, पुनर्प्रशिक्षण और कुल मिलाकर कम कीमतों के साथ क्षतिपूर्ति करने में सक्षम रहे हैं। लेकिन क्या एआई के तेजी से प्रसार का मतलब यह हो सकता है कि सकारात्मक प्रभावों के शुरू होने के लिए नौकरी का नुकसान बहुत तेजी से हो रहा है?

इसे खारिज नहीं किया जा सकता है। लेकिन निश्चित रूप से समाधान सरकारों के लिए उच्च कॉर्पोरेट मुनाफे और तकनीकी कर्मचारियों की उच्च आय पर बेरोजगारी मुआवजे को बढ़ाने के लिए टैक्स लगाना होगा और इसे लंबे समय तक भुगतान करना होगा, जिससे रीट्रेनिंग और कम कीमतों के लाभ सभी तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

'मोदी की एक और गारंटी पूरी': छत्तीसगढ़ के भूमिहीन श्रमिकों को मिलेगा सालाना 10-10 हजार रुपये

रायपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भूमिहीन श्रमिकों के लिए खुशखबरी है। राज्य के सभी भूमिहीन श्रमिकों को सालाना 10-10 हजार रुपये मिलेगा। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कर दी है। सीएम साय ने मोदी की एक और गारंटी को पूरी करने की घोषणा की है। राज्य के ग्रामीण भूमिहीन श्रमिकों को अब 10-10 हजार रुपये की राशि सालाना प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने राज्य सरकार के एक साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला मुख्यालय सक्ती में आयोजित कार्यक्रम में आज ये घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के पांच लाख 62 हजार श्रमिकों को फायदा मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर सक्ती जिले के दमऊदरहा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज लगभग 170 करोड़ रुपए के विकास कार्यों से सक्ती जिले के विकास को नई गति मिलेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत विवाह बंधन में बंधे 15 जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

उन्होंने कहा कि हम लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रहे हैं। पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी गई है। पहले चरण में 8.47 लाख आवास निर्माण को स्वीकृति मिली थी। इनमें से कई हितग्राही अपने आवास में गृह प्रवेश कर रहे है। बीते दिनों केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान दुर्ग के नगपुरा आए थे जहां उन्होंने 3.5 लाख अतिरिक्त आवास की स्वीकृति दी है।

सीएम साय ने कहा कि इसके साथ ही आवास प्लस के सर्वे का काम भी शुरू कर दिया गया है। पीएम आवास के लिए पात्रता का दायरा बढ़ा दिया गया है। अब जिनके पास दो पहिया वाहन है, 2.5 एकड़ सिंचित भूमि अथवा 5 एकड़ असिचिंत भूमि, 15 हजार तक की मासिक आमदनी है, वे भी आवास हेतु आवेदन कर सकते हैं। आवास स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल बनाने ऑनलाइन ऐप लॉन्च किया गया है। इससे किसी भी व्यक्ति द्वारा घर बैठे ही आवेदन किया जा सकेगा।

झारखंड में अब बैंक वाले नहीं करा पाएंगे गुंडों के माध्यम से रिकवरी

हेमंत सरकार ने जारी किया नया आदेश

रांची, 19 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने रिकवरी एजेंटों के माध्यम से आम लोगों और भोले-भाले ग्रामीणों को डराकर पैसा वसूली की प्रवृत्ति पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसे बैंकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए।

वित्त मंत्री ने बताया कि उन्होंने आरबीआई के प्रतिनिधि से कहा कि सभी जिलों के एसपी को इससे संबंधित गाइडलाइन भेजी जाए, ताकि ऐसी अमानवीय घटनाओं को रोका जा सके। कमर्शियल बैंक 9-11 प्रतिशत की दर पर ऋण देते हैं। इसके बावजूद छोटे बैंक, एनबीसी बैंकों के माध्यम से लोग 22 से 30 प्रतिशत तक ब्याज दर पर ऋण लेते हैं। आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक प्रेमरंजन प्रसाद ने कहा कि इस तरह की घटनाओं में बैंक ही जिम्मेदार होंगे।

इसके पूर्व एसएलबीसी की बैठक की औपचारिक शुरुआत करते हुए जीएम मनोज कुमार ने कहा कि सीडी रेशियो पहली बार 50 प्रतिशत से ऊपर हुआ है। 30 सितंबर 2023 को जहां यह अनुपात 45.04% था, वहीं 30 सितंबर 2024 को यह बढ़कर 50.22% हो गया है।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति झारखंड के अध्यक्ष एम. कार्तिकेयन ने देश के आर्थिक विकास तथा वित्तीय समावेशन में बैंकों की अहम भूमिका के बारे में चर्चा की। राज्य के बैंकों से कृषि एवं संबन्धित गतिविधियों में ज्यादा से ज्यादा ऋण प्रवाह करने का आग्रह किया।

कर्तिकेयन ने सभी बैंकों की ओर से आश्वासन दिया कि मार्च 2025 के अंत तक सभी बैंकों द्वारा 55 प्रतिशत सीडी अनुपात का मील का पत्थर हासिल किया जाएगा।

वार्षिक ऋण योजना 2024-25

- कृषि क्षेत्र में वर्ष 2024-25 के लिए 23,100 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले सितंबर 2024 तक राज्य की कुल उपलब्धि 7399 करोड़ रही, यानी कुल लक्ष्य का 32.03 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज हुई।

- सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम के क्षेत्र में वर्ष 2024-25 हेतु 43,000 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले, सितम्बर 2024 तिमाही तक राज्य की कुल उपलब्धि 24,756 करोड़ रही, यानी कुल लक्ष्य का 57.57 प्रतिशत उपलब्धि देखी गई है।

- अन्य प्राथमिकता क्षेत्र में वर्ष 2024-25 हेतु 3,900.00 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले, सितम्बर 2024 तिमाही तक राज्य की कुल उपलब्धि 1227.00 करोड़ रही, यानी कुल लक्ष्य का 31.45 प्रतिशत उपलब्धि है।

यूनियन बैंक के जोनल मुख्यालय को बिहार ले जाने के फैसले पर भड़के वित्त मंत्री

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने यूनियन बैंक के जोनल ऑफिस को रांची से पटना शिफ्ट किए जाने के फैसले पर गहरी आपत्ति जताई है। उन्होंने एसएलबीसी की बैठक में निर्णय पर अधिकृत विरोध जताते हुए इस मुद्दे पर

कड़ा रुख अख्तियार किया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड बाहर से संस्थाओं को यहां लाने के लिए बना था, ना कि यहां के संस्थाओं को बाहर ले जाने के लिए। उन्होंने जोनल मैनेजर से इस निर्णय के पीछे का कारण पूछा। इस दौरान जोनल मैनेजर ने बिजनेस से संबंधित अपनी बातें रखी।

वित्त मंत्री ने उनसे बिहार और झारखंड में ब्रांच की संख्या से लेकर डिपोजिट तक के आंकड़े बताए और कहा कि बिहार में डेढ़ सौ ब्रांच अधिक होने के बावजूद डिपोजिट के आंकड़े समतुल्य हैं।

वित्त मंत्री ने यूनियन बैंक के जोनल अधिकारी से जोनल ऑफिस के स्थानांतरण के फैसले पर पुनर्विचार की बात कही। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यूनियन बैंक के 120 ब्रांच झारखंड में हैं और उनमें 13555 करोड़ ही डिपोजिट है। वहीं बिहार में 236 ब्रांच होने पर भी 15743 करोड़ डिपोजिट है।

वित्त मंत्री ने कहा कि हमारी भावना यह है कि हम झारखंड में अधिक से अधिक नए कार्यालय खोलें। हमारी भावना है कि झारखंड में नए-नए उद्योग लगाए जाएं। उन्होंने यूनियन बैंक के कार्यालय को बिहार ले जाने के निर्णय पर बार-बार आपत्ति जताई।

कार्यक्रम में मौजूद कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अपने संबोधन में बैंकों से आग्रह किया कि वे झारखंड के वंचित और गरीब लाभार्थियों को सरकार की प्रभावी योजनाओं का लाभ दिलाएं।

उन्होंने यह भी आग्रह किया कि दूर-दराज के स्थानों और वित्तीय समावेशन से दूर रहने वाले क्षेत्रों में शाखाएं खोलकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जाए।

वित्त सचिव प्रशांत कुमार ने बैंकों को गुरुजी क्रेडिट कार्ड की उपलब्धियों के लिए बधाई दी तथा बैंक के प्रमुख अधिकारियों से आग्रह किया कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में अपनी भागीदारी दिखाएं और केसीसी ऋण माफी योजना को शीघ्र पूरा करने की कवायद करें।

अज्ञात लोगों ने हमला कर युवक और युवती को घायल किया

लहूलुहान कर सड़क किनारे फेंका

कोरबा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कोरबा के अरेतरा लेमरू मार्ग पर स्थित कॉफी प्वाइंट में कोरबा जिले के एक युवक और युवती पर अज्ञात लोगों ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

पिकनिक मनाने गए लोगों को जब इस बारे में जानकारी हुई तो उन्होंने पर डायल 112 को सूचना दी। पीड़ितों को कोरबा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

जिला मुख्यालय कोरबा से 22 किलोमीटर दूर स्थित कॉफी प्वाइंट वन विभाग के द्वारा विकसित किया गया। एक टूरिस्ट पॉइंट है, जहां पर पार्टी के लिए आसपास से लोग पहुंचते हैं। इसी कड़ी में स्कूटी से एक युवक और युवती पहुंचे हुए थे, जिनके साथ अज्ञात लोगों ने मारपीट की और फिर अधमरा कर छोड़ दिया।

जिला मेडिकल में पदस्थ सुरक्षा कर्मी संजीवनी नायर ने बताया कि वो अपने परिवार के साथ घूमने गई हुई थी इस दौरान दोनों सड़क किनारे खून से लहूलुहान पड़े हुए मिले। दोनों बात करने की स्थिति में नहीं थे।

दोनों के सिर आंख और हाथ मे चोंटे आई हैं। 112 की मदद से जिला मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती किया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कड़े नियम : माइनिंग लीज लेना अब आसान नहीं होगा

रांची, 19 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में खनन पट्टा का निबंधन लेना अब आसान नहीं होगा। एजी की आपत्ती व राजस्व नुसकान को देखते हुए इसके लिए नियम सख्त किए गए हैं। महालेखाकार की आपत्ति के बाद अब खनन पट्टा पर मुद्रांक शुल्क एवं निबंधन शुल्क को प्रभावित करने वाले समस्त तथ्यों का पूर्णरूप के वर्णन कराया जाएगा। इसके बाद ही प्रमंडलीय आयुक्त की ओर से अनुमोदित लीज प्रारूप के आधार पर अनुमोदन प्राप्त करने के उपरांत निबंधन शुल्क की गणना पर उपायुक्त का अनुमोदन लिया जाएगा। आयुक्त-उपायुक्त की अनुमति के बाद ही अब खनन विभाग को सूचित किया जाएगा। इस संबंध में निबंधन आइजी आदित्य कुमार आनंद ने सभी उपायुक्त, जिला अवर निबंधक, सभी अवर निबंधक को पत्र लिखा है। निबंधन आइजी ने कहा है कि भारतीय मुद्रांक अधिनियम, 1899 की धारा 27 के अंतर्गत मुद्रांक की प्रभार्यता से संबधित शासन आवश्यक तथ्यों विलेख में अनिवार्य वर्णय आवश्यक है। भारतीय मुद्रांक अधिनियम 1899 की धारा 64 के अंतर्गत धारा 27 राजस्व क्षति की स्थिति में संबंधित व्यक्ति को दंडित किए जाने का स्पष्ट प्रावधान है।

राजस्व की सही वसूली के लिए आवश्यक

मुद्रांक शुल्क एवं निबंधन शुल्क की गणना निबंधन पदाधिकारी के द्वारा किया जाता है। लेकिन इस गणना का आधार दस्तावेज से प्राप्त होने वाले खनन राजस्व व नीलामी की राशि, रॉयल्टी, लगान, डीएमएफटी, भूतल लगान आदि शामिल है। जिसका स्पष्ट वर्णन दस्तावेज में आवश्यक है। निबंधन आइजी ने कहा कि राजस्व की सही वसूली के लिए यह आवश्यक है कि खनन पट्टा में ऐसे समस्त तथ्यों को पूर्ण रूप से अंकित किया जाए कि जिनके आधार पर निबंधन शुल्क एवं मुद्रांक शुल्क की वसूली की जा सके।

इसके लिए यह आवश्यक है कि जिला खनन कार्यालय की खनन पट्टा की निबंधन पर प्रभावी मुद्रांक शुल्क एवं निबंधन शुल्क की गणना की सूचना निबंधित होने वाले खनन पट्टा के प्रारूप के आधार पर उपलब्ध कराया जाए। निबंधित खनन पट्टा की नीलामी की राशि, डीएमएफटी एवं सभी प्रकार की सरकारी भुगतेय की राशि का स्पष्ट वर्णन नहीं होने के कारण सरकार को बड़े पैमाने पर राजस्व की क्षति हुई है एवं इस संदर्भ में महानिबंधक, झारखंड के द्वारा भी आपत्ति की गई है।

छत्तीसगढ़ में पारा गिरने से बढ़ने लगी ठंड अभी दो डिग्री और गिरेगा रात का तापमान, छाया घना कोहरा

रायपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम साफ होने से ठंड बढ़ने लगी है। एक बार फिर से न्यूनतम तापमान में गिरावट होने का दौर शुरू होने वाला है। इससे प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ने वाली है। बीते दिनों की तुलना में बलरामपुर जिले में न्यूनतम तापमान गिरावट दर्ज की गई है। यहां रात का पारा 5.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके साथ ही ग्रामीण और आउटर इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ के उत्तरी भागों के जिलों में आज रविवार को घना कोहरा छाए रहेगा। इसके साथ ही यहां ठंड भी जबरदस्त पड़ने वाली है। दूसरी ओर अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री तक गिरावट हो सकती है। इसके बाद पारा चढ़ सकता है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि आगामी कुछ दिनों तक मौसम ऐसे ही रहने की संभावना है। हालांकि तापमान में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी रहेगा। अगले दो दिनों तक रात के तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने से शुष्क हवा फिर आगमन हो रहा है। इससे न्यूनतम तापमान में गिरावट आने लगी है। राज्य के उत्तर भागों को छोड़कर बाकी हिस्सों में मौसम साफ रहेगा। साथ ही शुष्क हवा चलेगी।

आज राजधानी रायपुर में मौसम साफ रहेगा। बादल छटने से ठंड में हल्की बढ़ोतरी हुई है। बीते दिनों की तुलना में न्यूनतम तापमान में कमी भी आई है। सबसे ठंड इलाका बलरामपुर रहा है। यहां न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं सर्वाधिक अधिकतम तापमान दंतेवाड़ा में 30.8 डिग्री दर्ज किया गिया है।

सीजफायर पर फिर अटकी बात? नेतन्याहू के तेवर सख्त

बोले- 'जब तक बंधकों की सूची नहीं मिलती, तब तक गाजा में संघर्ष विराम शुरू नहीं होगा'

यरुशलम, 19 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच होने वाला युद्धविराम एक बार फिर टलता दिख रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ सख्त तेवर दिखाए हैं। रविवार को नेतन्याहू ने कहा कि जब तक इजरायल को हमास से रिहा किए जाने वाले बंधकों की सूची नहीं मिल जाती, तब तक गाजा में संघर्ष विराम शुरू नहीं होगा। युद्धविराम से बमुश्किल एक घंटे पहले ही इजरायली पीएम ने अपनी चेतावनी दोहराई, जिससे सीजफायर की संभावनाएं फिर कम हो गई हैं। उधर, हमास ने नाम सौंपने में देरी के लिए तकनीकी कारणों को जिम्मेदार ठहराया। इसने एक बयान में कहा कि वह पिछले सप्ताह घोषित संघर्ष विराम समझौते के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के लिए हमास के साथ हुए समझौते को इजरायल की कैबिनेट ने छह घंटे से अधिक समय तक चली बैठक के बाद शनिवार को मंजूरी दे दी थी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कैबिनेट के आठ सदस्यों ने समझौते का विरोध किया, जबकि 24 मंत्रियों ने समझौते के समर्थन किया। विरोधियों ने कहा कि यह समझौता हमास के सामने आत्मसमर्पण को दर्शाता है।

नाइजीरिया में बड़ा हादसा, गैसोलीन टैंकर में विस्फोट से 70 लोगों की मौत; 56 घायल

नाइजीरिया, 19 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तरी नाइजीरिया में एक पेट्रोल टैंकर ट्रक पलट गया, जिससे ईंधन फैल गया और विस्फोट हो गया। इस धमाके में कम से कम 70 लोग मारे गए और अधिक घायल हो गए। इस रिपोर्ट के अनुसार, 70 से अधिक शव बरामद किए गए हैं, 56 व्यक्ति घायल हुए हैं और 15 से अधिक दुकानें नष्ट हो गई हैं। राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण ने एक बयान में कहा, 'घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में ले जाया जा रहा है, उनके इलाज के लिए हर संभव कोशिश जारी है।

नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी के हुसैनी ईसा ने बताया कि फ्यूल ट्रांसफर के कारण विस्फोट हुआ, जिसके बाद गैसोलीन ट्रांसफर करने वालों और आसपास खड़े लोगों की मौत हो गई। राज्य के डिक्को क्षेत्र में कई निवासी गैसोलीन टैंकर से ईंधन निकालने की कोशिश करते समय भीषण आग में फंस गए। बागो ने कहा, कई लोग जलकर मर गए। जो लोग टैंकर के इतने करीब नहीं थे, वे घायल होने के बावजूद बच गए। इस घटना को चिंताजनक, हृदय विदारक और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। नाइजर राज्य के संघीय सड़क सुरक्षा कोर सेक्टर कमांडर कुमार त्सुक्वाम ने भी इस मामले में अपना बयान दर्ज कराया है। उन्होंने कहा, 'रोकने के ठोस प्रयासों के बावजूद ईंधन लेने के लिए लोगों की बड़ी भीड़ जमा हो गई।' सुक्वाम ने कहा कि अग्निशमन कर्मी आग पर काबू पाने में कामयाब रहे। नाइजर राज्य में यह दुर्घटना पिछले अक्टूबर में जिगावा राज्य में इसी तरह के विस्फोट के बाद हुई है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून गिरफ्तार

महाभियोग विवाद के बीच कोर्ट से लगा झटका

सियोल, 19 जनवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल को आज तड़के औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। यून सुक येओल देश में महाभियोग का सामना कर रहे हैं। यून सुक येओल को कुछ दिन पहले सियोल में राष्ट्रपति निवास से हिरासत में लिया गया था। इससे पहले, अदालत ने इस बात पर विचार किया कि उनकी औपचारिक गिरफ्तारी के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसी के अनुरोध को स्वीकार किया जाए या नहीं। यून सुक येओल के आवास पर कानून प्रवर्तन एजेंसी ने एक अभियान चलाकर उन्हें बुधवार को हिरासत में लिया था। उन पर 3 दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा से जुड़े संभावित विद्रोह के आरोप हैं।

पांच घंटे तक बंद कमरे में चली सुनवाई

यून के वकीलों ने बताया कि करीब पांच घंटे तक बंद कमरे में चली सुनवाई के दौरान राष्ट्रपति ने न्यायाधीश के सामने करीब 40 मिनट तक अपनी दलील पेश की। उनकी कानूनी टीम और भ्रष्टाचार रोधी एजेंसियों ने यून को हिरासत में रखे जाने अथवा छोड़े जाने के मुद्दे पर दलीलें दीं। पेशी के बाद यून का काफिला शनिवार शाम कोर्ट से हिरासत केंद्र की ओर जाता देखा गया था।

मार्शल लॉ लगाने का आरोप

यून के आवास पर कानून प्रवर्तन एजेंसी ने अभियान चलाकर उन्हें बुधवार को हिरासत में लिया था। उन पर तीन दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा से जुड़े संभावित विद्रोह के आरोप हैं, जिसके कारण 1980 के दशक के अंत में देश में लोकतंत्रीकरण के बाद सबसे गंभीर राजनीतिक संकट उत्पन्न हुआ है।

तीन दिसंबर को लगा था मार्शल लॉ

सुक येओल की ओर से तीन दिसंबर को मार्शल लॉ के एलान ने दक्षिण कोरियाई लोगों आश्चर्य में डाल दिया था। इस घोषणा के बाद देशभर में आक्रोश देखने को मिला। हालांकि, मार्शल लॉ केवल कुछ घंटे तक ही लागू रहा, लेकिन इसने देश की राजनीति, कूटनीति और वित्तीय बाजार में हलचल मचा दी थी। इसके बाद एशिया के सबसे जीवंत लोकतंत्रों में से एक दक्षिण कोरिया ने अचानक से राजनीतिक उथल-पुथल का दौर देखा। इसके बाद 14 दिसंबर को सांसदों ने उन पर महाभियोग चलाने और उन्हें पद से हटाने के लिए मतदान किया।

ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले हजारों लोग खिलाफ में उतरे सड़क पर, एलन मस्क का भी हो रहा विरोध

वाशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में महज कुछ घंटे शेष हैं, लेकिन इससे पहले ही उनके खिलाफ हजारों लोग वाशिंगटन डीसी की सड़कों पर उतर आए हैं। वह ट्रंप के करीबी और खरबपति कारोबारी एलन मस्क का भी विरोध कर रहे हैं। सड़क पर विरोध प्रदर्शन करने वाले ये लोग कौन हैं और इनकी क्या मांग है, आइये आपको पूरा मामला बताते हैं। दरअसल ट्रंप 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। मगर उससे पहले ही हजारों लोग राजधानी वाशिंगटन डीसी में उनके खिलाफ एकत्र होकर ट्रंप की कुछ नीतियों का विरोध कर रहे हैं। सखी फॉर साउथ एशियन सर्वाइवर्स समेत गैर-लाभकारी निकायों के एक समूह ने 'पीपुल्स मार्च' के बैनर तले यहां ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। ट्रंप (78) रोधी पोस्ट दिखाते हुए प्रदर्शनकारियों ने अगले राष्ट्रपति और टेस्ला के मालिक एलन मस्क समेत उनके करीबी समर्थकों के खिलाफ नारे लगाए। जनवरी 2017 में भी ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के समय भी ऐसा ही एक विरोध प्रदर्शन हुआ था। तीन अलग-अलग पार्कों से शुरू हुए विरोध मार्च लिंकन मेमोरियल के निकट समाप्त हुए। पीपुल्स मार्च की तरफ से कहा गया, "सामूहिक विरोध प्रदर्शन हमारे समुदायों को यह दिखाने का सबसे प्रभावी तरीका है कि हम पहले से ही नतमस्तक नहीं हैं या फासीवाद के आगे नहीं झुक रहे हैं। हम उन्हें भी ऐसा करने के लिए आमंत्रित करते हैं।" ट्रंप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले समूहों में अबॉर्शन एक्शन नाउ, टाइम टू एक्ट, सिस्टरसॉन्ग, विमेंस मार्च, पॉपुलर डेमोक्रेसी इन एक्शन, हैरियट्स वाइल्डेस्ट ड्रीम्स, द फेमिनिस्ट फ्रंट, नाउ, प्लांड पैरेंटहुड, नेशनल विमेंस लॉ सेंटर एक्शन फंड, सिएरा क्लब और फ्रंटलाइन शामिल हैं।

जाते-जाते बाइडेन ने चीन को दिया बड़ा झटका, टिकटॉक को प्लेस्टोर्स से हटाया गया

न्यूयॉर्क, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जाते-जाते चीन को बड़ा झटका दिया है। बाइडेन ने अमेरिका में लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'टिकटॉक' पर प्रतिबंध लगाने वाला संघीय कानून प्रभावी होने से कुछ समय पहले शनिवार शाम इस ऐप को प्रमुख ऐप के स्टोर से हटा दिया गया है। पूर्वी मानक समयानुसार रात साढ़े 10 बजे तक एप्पल और गूगल के प्लेस्टोर में यह ऐप उपलब्ध नहीं था। एक कानून के तहत एप्पल और गूगल प्लेस्टोर के इन ऐप को पेश करने पर रोक लगा दी गई है। अमेरिकी कानून के तहत टिकटॉक की मूल कंपनी बाइट डांस को प्लेटफॉर्म बेचने या फिर अमेरिका में प्रतिबंध का सामना करने के लिए कहा गया है। शनिवार शाम जब उपयोगकर्ताओं ने टिकटॉक खोला तो एक कंपनी की तरफ से एक 'पॉप अप' मैसेज आया, जिसमें लिखा था, "अमेरिका में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने का कानून पारित किया गया है। इसका मतलब है कि दुर्भाग्य से आप अब टिकटॉक का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।"

ट्रंप कर सकते हैं टिकटॉक को बहाल

संदेश में लिखा था, "हम भाग्यशाली हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह पदभार संभालने के बाद टिकटॉक को बहाल करने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करेंगे।" इस बीच, ट्रंप ने दिए साक्षात्कार में कहा कि वह वह टिकटॉक को रविवार के बाद भी काम करते रहने के लिए समय देने पर विचार कर रहे हैं। यानि ट्रंप के सत्ता में आने के बाद टिक टॉक के फिर से बहाल होने की उम्मीद की जा रही है।

दुकान में चोरी की तो युवक का अपहरण कर बेरहमी से पीटा, भारतीय मूल का दुकानदार गिरफ्तार

वॉशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में एक भारतीय मूल के व्यक्ति को अपहरण और हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने एक शख्स ने भारतीय मूल के आरोपी की दुकान से कुछ सामान चोरी किया था, जो दुकानदार ने देख लिया। इसके बाद भारतीय मूल के दुकानदार ने अन्य साथियों के साथ मिलकर पीड़ित शख्स का अपहरण किया और उसे बुरी तरह से पीटा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय मूल के व्यापारी को गिरफ्तार कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कौशल कुमार पटेल का ई-जेड सुपर फूड मार्ट नाम से केंटुकी में एक रिटेल स्टोर है। बीते साल अक्तूबर में एक शख्स ने कौशल के रिटेल स्टोर से वेप पेन्स का एक डिब्बा चोरी कर लिया। कौशल ने चोर को देख लिया। जब चोर मौके से भाग गया तो कौशल ने अपने अन्य साथियों का साथ उसका पीछा किया और आरोपी चोर को पकड़ लिया। आरोप है कि कौशल ने चोर की आंखों पर मिर्च का स्प्रे कर उसे पकड़ लिया। इसके बाद कौशल और उसके साथी चोर को वैन में डालकर एक गैराज में ले गए, जहां उसे बुरी तरह से पीटा गया। आरोप है कि इस दौरान कौशल और उसके साथियों ने पीड़ित शख्स के निजी अंगों में भी मिर्च का स्प्रे किया।

पहले धमकी और अब दोस्ती

ताजपोशी के बाद ट्रंप कर सकते हैं चीन का दौरा, भारत भी आने की संभावना

वाशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कल यानी 20 जनवरी को शपथग्रहण समारोह होगा। वह आज अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बन जाएंगे। राष्ट्रपति के रूप में यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा। ताजपोशी के बाद इसके बाद वो चीन का दौरा कर सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि ट्रंप चीन से साथ मजबूत संबंध स्थापित करना चाहते हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, पदभार ग्रहण करने के बाद ट्रंप चीन की यात्रा करना चाहते हैं। वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना चाहते हैं। हालांकि, हाल ही में ट्रंप ने चीन को चीनी आयातों पर अधिक टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात थोड़े तनावपूर्ण हो गए थे। मगर चीजें अब थोड़ी बदली नजर आ रही हैं।

ट्रंप ने अपनी ताजपोशी में शी को बुलाया

इसके अलावा ट्रंप का भारत को लेकर भी प्लान है। पदभार ग्रहण करने के बाद ट्रंप भारत की भी यात्रा कर सकते है। जानकारी के मुताबिक, भारत की संभावित यात्रा के बारे में उन्होंने अपने सलाहकारों से बात की है। ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया है। हालांकि, चीनी नेता कभी भी विदेशी नेताओं के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होते हैं। मगर ट्रंप के आमंत्रण के बाद जिनपिंग ने उपराष्ट्रपति हान झेंग को इस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भेजा है। यह पहली बार है जब कोई वरिष्ठ चीनी अधिकारी अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होगा। वहीं, भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर प्रतिनिधित्व करेंगे। दरअसल, एक दिन पहले ट्रंप ने जिनपिंग से बात की थी।

डोनाल्ड ट्रंप ने शी से की फोन पर बात

बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि जिनपिंग के साथ उनकी बातचीत बहुत अच्छी रही। ट्रंप नेअपने सोशल मीडिया हैंडल ट्रुथ पर कहा कि मैंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात की है। मुझे उम्मीद है कि हम मिलकर कई समस्याओं का समाधान करेंगे और इसे तुरंत शुरू करेंगे। ट्रंप ने कहा कि मैंने जिनपिंग के साथ व्यापार, फेंटेनाइल, टिकटॉक और अन्य विषयों पर चर्चा की और कहा कि यह कॉल दोनों देशों के लिए बहुत अच्छी रही। ट्रंप ने कहा कि शी और मैं दुनिया को और अधिक शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगी भारत की दीपिका देशवाल, विशेष निमंत्रण पर बोलीं- यह गर्व का क्षण

वॉशिंगटन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ लेने वाले हैं। शपथ ग्रहण समारोह का न्यौता दुनियाभर की तमाम प्रमुख हस्तियों को भेजा गया है। इसमें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक दीपिका देशवाल का नाम भी शामिल है। उन्हें समारोह में शामिल होने के लिए विशेष निमंत्रण मिला है। दीपिका देशवाल ने कोविड 19 के दौरान निस्वार्थ सामाजिक सेवा और महिला अधिकारों की रक्षा करने के लिए काम किया। इसके लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया। वहीं 2023 में उन्होंने तीसरी बार संयुक्त राष्ट्र को संबोधित किया। ऐसा करने वाली वह सबसे कम उम्र की भारतीय हैं। दीपिका देशवाल दिल्ली विवि छात्र संघ की पूर्व सचिव रह चुकी हैं। साथ ही उन्होंने 2022 में कांग्रेस के टिकट पर दिल्ली नगर निगम का चुनाव लड़ा था। एक्स पोस्ट में दीपिका देशवाल ने लिखा कि गर्व का क्षण! वाशिंगटन डीसी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और

उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने का अवसर मिला। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड और यूएन में स्पीच के लिए मिला यह सम्मान न केवल मेरा, बल्कि पूरे भारत का गौरव है। जय हिंद, जय भारत।

शपथ ग्रहण समारोह के स्थान में किया गया बदलाव

अमेरिका में आर्कटिक तूफान जारी है। हालिया मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, सोमवार को वाशिंगटन डीसी में तापमान माइनस 11 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। खराब मौसम के कारण ट्रंप का शपथ ग्रहण कैपिटल रोटुंडा में आयोजित होगा। ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन में तापमान रिकॉर्ड निचले स्तर पर जा सकता है। मैं लोगों को बीमार होते नहीं देखना चाहता। यह कानून प्रवर्तन व समारोह में लगे हजारों कर्मचारियों के लिए खतरनाक होगा, जो समारोह के दिन घंटों तक बाहर रहते। आप समारोह में आ रहे हों तो कृपया गर्म कपड़े पहनें।

40 साल बाद होगा ऐसा

ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के स्थान में हुआ बदलाव आज से 40 साल पहले यानी 1985 की याद दिलाता है। जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने भी ठंड के कारण रोटुंडा में भाषण दिया था। बता दें कि पहले यह समारोह यूएस कैपिटल के बाहर नेशनल मॉल में होना था। ट्रंप ने आगे कहा कि ऐसा वे शपथ ग्रहण भाषण रोटुंडा में देंगे जैसा कि 1985 में रोनाल्ड रीगन ने भी ठंडे मौसम के कारण किया था।

तालिबान के रुख में आ रही नरमी? शीर्ष नेता ने लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध के खिलाफ उठाई आवाज

काबुल, 19 जनवरी (एजेंसियां)। तालिबान की छवि एक कट्टर समूह की है, जो महिलाओं की शिक्षा के खिलाफ है। हालांकि अब ऐसा लग रहा है कि तालिबान के कुछ नेताओं की सोच में बदलाव आया है। दरअसल तालिबान के एक शीर्ष नेता ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि महिलाओं को शिक्षा पाने से प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए और इसकी कोई वजह नहीं है। यह पहली बार है कि तालिबान के ही किसी नेता ने सार्वजनिक तौर पर सरकार की नीति की आलोचना की है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार में विदेश मंत्रालय के राजनीतिक डिप्टी शेर अब्बास स्टैनिकजई ने महिला शिक्षा की पैरवी की है। अफगानिस्तान के दक्षिण पूर्वी खोस्त प्रांत में एक भाषण के दौरान स्टैनिकजई ने यह बात कही। एक धार्मिक स्कूल समारोह में स्टैनिकजई ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने की कोई वजह नहीं है और ऐसा बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए।

चीन के हाथ लगा खजाना, 168 टन तक पहुंचा ड्रैगन के नए खोजे गए सोने का भंडार

अकेले गान्सु में ही 102 टन गोल्ड

बीजिंग, 19 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में सोने का एक और महत्वपूर्ण भंडार मिला है। प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने जानकारी दी है कि उसके भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उत्तर-पश्चिमी चीन के गान्सु प्रांत, उत्तरी चीन के आंतरिक मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र और पूर्वोत्तर चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत में हालिया समय में सोने के भंडार मिले हैं। चीनी वेबसाइट ग्लोबल टाइम्स ने बताया है कि कुल नए खोजे गए सोने के संसाधनों की मात्रा 168 टन है। इसमें सबसे ज्यादा गान्सु में 102.4 टन सोना है, जिसे सुपर-लार्ज डिपॉजिट के रूप में क्लासीफाइड किया गया है। चीन के हुनान प्रांत में बीते साल नवंबर में दुनिया का सबसे बड़ा सोना का भंडार मिला था। हुनान की पिंगजियांग काउंटी के पास हुई खोज में हाई क्वालिटी का 1000 मीट्रिक टन सोना होना आंका गया था। इसकी कीमत 83 बिलियन डॉलर (तकरीबन 7 लाख करोड़ भारतीय रुपए) से भी ज्यादा आंकी गई है। इसे अब तक दुनिया में खोजा गया सबसे बड़ा सोना का भंडार माना जा रहा है। यह साउथ अफ्रीका की साउथ डीप खदान में मिले 900 मीट्रिक टन सोना से भी ज्यादा है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा गोल्ड प्रोड्यूसर है। साल 2023 में वैश्विक उत्पादन में अकेले चीन का हिस्सा 10 फीसदी था। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के पास 2,264 टन गोल्ड रिजर्व है। ये दुनिया का छठां सबसे ज्यादा गोल्ड भंडार है। सोने का ज्यादा भंडार सीधेतौर पर उस देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद करता है। गोल्ड रिजर्व किसी देश की करेंसी वैल्यू का सपोर्ट करने के लिए एक अच्छा एसेट है। ऐसे में सोने का भंडार चीन की बड़ी मदद करेगा। भारत के एक और पड़ोसी पाकिस्तान में भी हाल ही में सोने का बड़ा भंडार मिला है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने करीब 800 अरब पाकिस्तानी रुपए से सोने के बड़े भंडार का पता लगाने का दावा किया है। पंजाब के खान एवं खनिज मंत्री सरदार शेर अली गोरचानी का कहना है कि अटक जिले में 28 लाख तोला सोना खोजा गया है।

बच्चों से मिलना चाहता है सीमा हैदर का पूर्व पति, भारत सरकार से मांगी मदद

कराची, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सीमा हैदर के पूर्व पति गुलाम हैदर ने भारत सरकार से अपील की है कि वह उसे अपने बच्चों से मिलने और हिरासत हासिल करने में मदद करे। सीमा मई 2023 में बच्चों को लेकर नेपाल के रास्ते भारत आई थी। वह जुलाई में तब सुर्खियों में आई जब भारतीय अधिकारियों ने उसे ग्रेटर नोएडा में 27 वर्षीय भारतीय नागरिक सचिन मीना के साथ रहते हुए पाया। वह दावा करती है कि उसने शादी कर ली है। गुलाम हैदर ने हाल ही में एक वीडियो संदेश में विदेश मंत्री एस जयशंकर से न्याय की अपील की है। दावा किया है कि पाकिस्तानी वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता अंसार बर्नी की मदद से 2023 के अंत से अपने बच्चों की कस्टडी हासिल करने की कोशिश कर रहा है। बर्नी ने कहा कि भारतीय वकील अली मोमिन को नियुक्त किया है और भारतीय अदालतों में कानूनी कार्यवाही शुरू करने के लिए पावर आफ अटार्नी भेज दी है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि मामला शुरू किया गया है या नहीं। हैदर ने कहा कि 2023 से अपने बच्चों को नहीं देखा है। सीमा हैदर और सचिन ने दिसंबर में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में सीमा के प्रेगनेंट होने की जानकारी दी गई। इसके बाद उनके द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो पर लोग बधाई दे रहे हैं। हैदर ने कहा कि 2023 से अपने बच्चों को नहीं देखा है। मोबाइल में ऑनलाइन गेम (पबजी) खेलते समय दोनों को आपस में प्यार हो गया था। वायरल वीडियो में सीमा को अपना बेबी बंप दिखाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में सीमा सचिन को एक सकारात्मक प्रेग्नेंसी टेस्ट दिखाती है, जो बहुत खुश हो जाता है। वह उसे गले लगाता है और फिर टेस्ट किट को अपने सीने से लगा लेता है। बाद में, सीमा बताती है कि वह सात महीने की गर्भवती है। उसने हिंदू धर्म अपना लिया और नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर में सचिन से शादी कर ली। भारत आने के बाद उसने अपने बच्चों के नाम भी बदल दिए। उनके बेटे फरहान अली का नाम अब राज है और उनकी बेटियों फरवा, फरीहा बतूल और फरहा का नाम बदलकर प्रियंका, मुन्नी और परी रखा गया है। इस बीच, उनके पहले पति गुलाम हैदर पाकिस्तान में रहते हैं।

ह्यूस्टन पर बर्फीले तूफान का संकट

खतरे से निपटने के लिए जरूरी सामान खरीदने उमड़े लोग, 21 जनवरी को स्कूल बंद

ह्यूस्टन, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका इन दिनों मौसम की मार झेल रहा है। आर्कटिक तूफान के चलते ह्यूस्टन में 21 जनवरी को स्कूल बंद करने का आदेश जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि आर्कटिक तूफान के चलते तापमान शून्य से भी नीचे चला जाएगा और अगले सप्ताह भारी बर्फबारी होगी। इसके बाद पूरे शहर में लोगों को तूफान से बचाने की तैयारियां तेज हो गईं हैं। बताया जा रहा है कि तूफान के कारण कड़ाके की ठंड पड़ेगी और भारी बर्फबारी के चलते तापमान काफी नीचे चला जाएगा। साथ ही सप्ताह के मध्य तक ओले गिरने और हिमपात की स्थिति बन सकती है। हालांकि शहर में औसतन हर चार साल में एक बार ही हिमपात होता है। मौसम विभाग की रिपोर्ट मिलने के बाद लोगों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। लोगों ने आवश्यक सामान जुटाना शुरू कर दिया है। इसके चलते शहर के सुपर मार्केट में भीड़ नजर आई। किराने की दुकानों पर बड़ी संख्या में लोग नजर आए।

लोगों ने दूध, ब्रेड और बोतलबंद पानी की खूब खरीद की। आलम यह रहा कि तमाम सुपर मार्केट तो आधे दिन में ही खाली हो गए। लोग सामान जुटाने के लिए एक दुकान से दूसरी दुकान की ओर दौड़ लगाते रहे। वहीं स्थानीय नेताओं ने भी लोगों को तूफान से बचाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। मेयर जॉन व्हिटमायर ने हैरिस काउंटी जज के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठंड से बचने के लिए दस वार्मिंग सेंटर बनाने की घोषणा की गई है। यह केंद्र आज शाम को खुलेंगे। वहीं शहर के पशु आश्रय स्थल बीएआरसी में पालतू जानवरों को रखने के लिए केनेल बनाए गए हैं। वहीं ह्यूस्टन पब्लिक वर्क्स और टेक्सास परिवहन विभाग ने खतरनाक बर्फ जमने से रोकने के लिए पुलों, ओवरपास और प्रमुख राजमार्गों पर काम शुरू कर दिया है। मेयर व्हिटमायर ने कहा कि हम शहर में मौसम से निपटने के लिए तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से पाइपों, पौधों और पालतू जानवरों, घरों और प्रियजनों की सुरक्षा करने का आग्रह किया।

वहीं मैराथन और दो मार्टिन लूथर किंग जूनियर डे परेड सहित बड़े आयोजनों को भी सुरक्षा प्रदान की जाएगी। वहीं स्कूलों ने भी बर्फीली सड़कों और संभावित बिजली कटौती को लेकर एहतियात के तौर पर 21 जनवरी को स्कूल बंद करने की घोषणा कर दी है। इसके अलावा सेंटर प्वाइंट एनर्जी के कर्मचारी हाई अलर्ट पर हैं। उन्होंने बिजली कटौती को रोकने के लिए 3,500 मील लंबे पेड़ों की छंटाई की है और पावर ग्रिड की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हीटर लगाए हैं। सेंटरपॉइंट एनर्जी की मिशेल हंडले ने कहा कि बर्फबारी से हमारे सिस्टम को नुकसान न पहुंचे इसलिए हम पूरी तरह से तैयारी कर रहे हैं।

गहलोत के बयान पर डिप्टी सीएम का पलटवार

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी स्कूलों के मर्ज होने के बाद से प्रदेश का सियासी पारा गरमाया हुआ है। भाजपा और कांग्रेस के नेता आमने-सामने आ गए हैं। कांग्रेस ने जहां इसका विरोध किया है, वहीं भाजपा ने कांग्रेस के बयानों पर आपत्ति जताते हुए स्पष्ट किया है कि सरकार ने स्कूलों को मर्ज किया है, उन्हें बंद नहीं किया।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि भाजपा बालिका शिक्षा का गला घोंट रही है। उन्होंने कहा कि अच्छी नामांकन संख्या वाले स्कूलों को बन्द करना भाजपा की महिला शिक्षा पर सर्जिकल स्ट्राइक है। इनका छुपा हुआ एजेंडा सामने आ रहा है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने बालिकाओं के ड्रॉप आउट रेट को कम करने के लिए कम नामांकन

होने पर भी स्कूलों को चालू रखा, जिससे एक भी बच्ची को पढ़ाई न छोड़नी पड़े।

कांग्रेस का आरोप निराधार

वहीं, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि स्कूल बंद नहीं किए हैं। शून्य नामांकन वाले और एक ही परिसर में चलने वाले विद्यालयों को सुव्यस्थित अध्ययन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दृष्टि से मर्ज किया गया है। कांग्रेस का आरोप निराधार है।

एक भी स्कूल बंद नहीं किया- दिलावर

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि एक भी स्कूल बंद नहीं किया, बल्कि समन्वित किए हैं। कांग्रेस भ्रामक प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा कि एक ही परिसर में दो-दो स्कूल चल रहे थे या आसपास के क्षेत्र में ही दो स्कूल संचालित थे। ऐसे स्कूलों को समायोजित कर एक किया है। इससे स्कूल के संसाधनों का सदुपयोग हो सकेगा। इनमें कुछ स्कूल ऐसे भी थे, जिनमें नामांकन शून्य या बहुत कम था। इन कम नामांकन वाले स्कूलों में पद स्थापित शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में समायोजित किया गया।

भाजपा सांसद और पूर्व शिक्षा मंत्री घनश्याम तिवाड़ी ने कहा है कि कांग्रेसियों को पढ़ने और सीखने की जरूरत है। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के साथ प्रदेश के नेता भी अज्ञानता पूर्ण बयानबाजी कर रहे हैं। कांग्रेसी नेता कह रहे हैं कि भाजपा सरकार ने स्कूलों को बंद कर दिया, जबकि राज्य सरकार ने एक भी स्कूल बंद नहीं किया है। भाजपा सरकार ने शून्य नामांकन वाले स्कूलों को नजदीक के स्कूल में मर्ज किया है। तिवाड़ी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से यह बात कही।

कांग्रेस प्रदेश महासचिव की अवैध क्रिकेट अकेडमी पर चला पीला पंजा

पुलिस प्रशासन ने मौके पर की 5 घंटे कार्रवाई

कोटा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा के अनंतपुरा क्षेत्र में कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) की बेशकीमती भूमि पर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव और आरसीए के पूर्व उपाध्यक्ष अमीन पठान की ओर से अतिक्रमण कर बनाई गई क्रिकेट अकेडमी पर कोटा विकास प्राधिकरण और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 38 हजार वर्ग फीट (दो बीघा से अधिक) भूमि से अतिक्रमण हटाया। करीब पांच घंटे चली इस कार्रवाई में केडीए का अतिक्रमण निरोधक जाप्ता, चार थानों की पुलिस और केडीए पुलिस प्रशासन मौजूद रहा। मामले में अनंतपुरा पुलिस ने कोटा विकास प्राधिकरण के आईएलआर कृष्ण मुरारी की रिपोर्ट पर अमीन पठान और अनस खान के खिलाफ सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने का मामला दर्ज

किया है। मामले में जांच अधिकारी थाना प्रभारी भूपेन्द्र सिंह को नियुक्त किया गया है।

कोटा विकास प्राधिकरण अतिक्रमण निरोधक दस्ते के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर प्रसाद शर्मा, डीएसपी लोकेन्द्र पालीवाल समेत चार थानों का जाप्ता, कार्यपालक मजिस्ट्रेट हिमत सिंह, तहसीलदार सुरेन्द्र शर्मा, उप सचिव मालविका त्यागी जाप्ते समेत अनंतपुरा पहुंचे और अतिक्रमण कर बनाई गई अनंतपुरा क्रिकेट अकेडमी हटाने का काम शुरू किया। करीब पांच घंटे चली कार्रवाई के दौरान 24 हजार वर्गफीट भूमि, इससे सटी 14 हजार वर्ग फीट भूमि को मिलाकर कुल 38 हजार वर्गफीट (दो बीघा से अधिक) भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण हटाने के बाद अब केडीए पूरी भूमि पर फेसिंग करवाएगा। इस जमीन की कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है। अनंतपुरा क्रिकेट अकेडमी के नाम पर कोटा विकास प्राधिकरण की बेशकीमती भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माण करने के मामले में अमीन पठान को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन अतिक्रमी की ओर से मामले में कोई जवाब नहीं दिया गया। इस पर नियमानुसार केडीए की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है।

वन विभाग ने भी हटाया था अतिक्रमण

इससे पहले सोमवार को इससे सटी वन विभाग ने वन खंड लखावा में वन भूमि पर अनाधिकृत रूप से अमीन पठान की ओर से किए गए क्रिकेट अकेडमी पर तीन पिच हटाकर विभाग की जमीन को अपने कब्जे में ले लिया था। इस भूमि पर पौधरोपण किया गया था।

पट्टा वितरण कार्यक्रम में बोले स्वायत्त शासन मंत्री

जल्द होगी नगर परिषद आयुक्त की नियुक्ति

सवाई माधोपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के नगर विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने आज सवाई माधोपुर के दौरे पर राजीव गांधी क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, रामसिंहपुरा में आयोजित स्वामित्व योजना पट्टा वितरण कार्यक्रम में शिरकत की। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाभार्थियों से संवाद और संबोधन के बाद मंत्री ने स्वामित्व योजना के तहत पट्टे वितरित किए।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांवों और ढाणियों के लोगों के बारे में सोचा। वे लोग जो पीढ़ी दर पीढ़ी अपने

घरों में रह रहे थे लेकिन जिनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे, अब उन्हें स्वामित्व योजना के तहत घरों और मकानों के पट्टे दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि पट्टा नहीं होने के कारण पहले ग्रामीणों को वित्तीय संस्थाओं और बैंकों से लोन नहीं मिल पाता था। ऐसे में उन्हें अक्सर महंगे ब्याज दर पर सेठ-साहूकारों से पैसा उधार लेना पड़ता था लेकिन अब स्वामित्व योजना के तहत घर का पट्टा मिलने के बाद ग्रामीण आसानी से बैंकों से लोन ले रहे हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति बेहतर हो रही है और उन्हें साहूकारों के पास जाने की जरूरत नहीं है। मंत्री ने यह भी कहा कि स्वामित्व का दस्तावेज मिलने से ग्रामीण अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और इस योजना से न केवल उनके आर्थिक हालात में सुधार हो रहा है, बल्कि उन्हें रोजगार के लिए भी लोन मिल रहा है।

स्वायत्त शासन विभाग मंत्री ने सवाई माधोपुर नगर परिषद में आयुक्त की नियुक्ति को लेकर किए गए सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि 2023 में स्वायत शासन विभाग में अधिकारियों की भर्ती हेतु परीक्षा आयोजित की गई थी, लेकिन पेपर के बाजार में बिकने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई थी। अब मार्च 2025 तक नई परीक्षा आयोजित की जाएगी और जुलाई-अगस्त 2025 तक परीक्षा परिणाम और साक्षात्कार के बाद राजस्थान भर में नए अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्वायत शासन विभाग में करीब 60 फीसदी अधिकारियों के पद रिक्त हैं, जिन्हें जुलाई-अगस्त तक भर दिया जाएगा और तब तक सवाई माधोपुर नगर परिषद को स्थाई आयुक्त मिल जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जिला कलेक्टर शुभम चौधरी, एसपी ममता गुप्ता और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

भाई की हार पर फिर छलका मंत्री किरोड़ी लाल का दुख

उपचुनाव की महाभारत के रण से की तुलना

अलवर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अलवर जिले के प्रभारी मंत्री के तौर पर पहली बार अलवर आए कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने विधानसभा उपचुनाव में अपने भाई जगमोहन मीना की हार को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि हार-जीत एक जोड़ा है, सुख-दुख की तरह। चुनाव हार भी जाते हैं, जीत भी जाते हैं। आपने महाभारत देखी, अभिमन्यु को घेरकर मारा गया। अभिमन्यु को रास्ता याद होता तो बच जाता। हमको भी रास्ता याद नहीं रहा, इसलिए फंस गए और मर गए। किरोड़ी लाल मीना ने एसआइ भर्ती परीक्षा रद्द करने को लेकर कहा कि एसओजी से लेकर पुलिस हेडक्वार्टर ने भर्ती परीक्षा रद्द करने को लेकर अपनी राय दे दी है। जनता की भी राय बन चुकी है। अब भर्ती परीक्षा रद्द करने का निर्णय सीएम का

है। साथ ही मीना ने इस्तीफे के सवाल पर कहा कि मैं अभी मंत्री हूं। मैंने इस्तीफा दिया था, जो स्वीकार नहीं हुआ। जरूरी फाइलें आती हैं तो उन्हें पास करता हूं। जिन लोगों ने मुझे जिताकर भेजा है, मैं उनके बीच जाता हूं। उनके काम करता हूं।

देश में एक साथ चुनाव होने पर मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने कहा कि बार-बार चुनाव होता है तो प्रशासन व पुलिस की जो व्यवस्था है वह ठीक नहीं हो पाती।

इससे जनता को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है तो देश में एक साथ चुनाव होना वह बेहतर फैसला है। उन्होंने कहा बार-बार आचार संहिता भी लगती है तो कई काम भी रुक जाते हैं।

रविंद्र सिंह भाटी के सरकार के विरोधी होने को लेकर

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा भाजपा के लिए नासूर बने भाटी

जयपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की शिव विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी लगातार विरोधियों के निशाने पर रहते है। उनकी तरफ से सरकार पर दो हैंडपंप, पशु चिकित्सालय और रोहिडी फेस्टिवल में अड़चन पैदा करने के आरोप लगाए गए। इसके बाद अब भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने विधायक भाटी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने भाटी की तुलना छुट्टा सांड से कर दी।

मीडिया ने रविंद्र सिंह भाटी के सरकार के विरोधी होने को लेकर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि 'वो करेगा ना, फ्री है, विरोध में है, छुट्टा सांड होता है ना तो अब क्या करें कुछ भी करें।'

भाजपा के लिए नासूर बने भाटी

विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने विधानसभा चुनाव में शिव से भाजपा

प्रत्याशी व वर्तमान जिलाध्यक्ष स्वरूप सिंह खारा को भारी मतों से हराया। जिसके बाद लोकसभा चुनाव में भाटी ने सीएम भजनलाल शर्मा और भाजपा के पदाधिकारियों की बातों को दरकिनार करते हुए बाड़मेर सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा। जिसके परिणामस्वरूप त्रिकोणीय मुकाबले के चलते भाजपा उम्मीदवार कैलाश चौधरी चुनाव हार गए।

हालांकि भाजपा ने रविंद्र सिंह भाटी को विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी ज्वॉइन करवाई थी। माना जाता है कि टिकट नहीं मिलने के चलते बागी होने का रास्ता अपनाया और आज भाजपा के लिए नासूर बने हुए है।

जिलाध्यक्ष के दबाव में लिया निर्णय- भाटी समर्थक

युवा दिवस के अवसर पर विधायक रविन्द्र सिंह भाटी की ओर से रोहिड़ी म्यूजिक फेस्टिवल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन को जिला कलक्टर टीना डाबी की ओर से निरस्त कर दिया गया था। जिसके राजनीतिक माहौल गर्मा गया था। भाटी के समर्थकों कहना था कि कहीं न कहीं प्रशासन ने यह निर्णय भाजपा जिलाध्यक्ष के दबाव में लिया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि सरकार की आयोजन नहीं होने देने की मंशा थी।

भाटी ने राजनीति के लगाए थे आरोप

विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने भी आयोजन को लेकर राजनीति होने का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने इस आयोजन से क्षेत्र की कला,संस्कृति और पर्यटन को लेकर हो रहे बड़े कार्य में गतिरोध डालने का आरोप लगाया। आयोजन को लेकर पहले अनुमति देने और ऐनवक्त पर निरस्त करने को लेकर भी सवाल उठाए थे।

कटर मशीन से एटीएम काटने की कोशिश

नाकाम सीसीटीवी में कैद हुई वारदात आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

जालौर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सांचौर के मेहता मार्केट स्थित यूको बैंक के दो एटीएम को अज्ञात चोर ने कटर मशीन काटने का प्रयास किया। घटना 15 और 16 जनवरी की रात 1:25 बजे से 3 बजे तक हुई, जिसे वहां लगे सीसीटीवी ने कैप्चर कर लिया। चोर ने करीब दो घंटे तक कटर से एटीएम के सेफ वॉल्ट को काटने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान बिजली के तार बार-बार निकलने और अकेले होने के कारण उसकी योजना विफल हो गई। घटना के समय केवल 50 फीट दूर लगे सीसीटीवी कैमरे में दो होमगार्ड के जवान बैठे नजर आए। जब आरोपी ने कटर से एटीएम काटने की कोशिश में हार मान ली तो वह लौटते समय होमगार्ड के जवानों द्वारा पकड़ा गया। जवानों ने आरोपी से आधार कार्ड मांगा और उसकी फोटो भी ली। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया लेकिन पुलिस के आने से पहले ही आरोपी वहां से फरार हो गया था। एटीएम ऑपरेटर कंपनी के प्रतिनिधि विक्रमसिंह चौहान ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसमें बताया गया कि एटीएम में करीब 3 लाख रुपये थे।

मदन दिलावर के 2 बड़े आदेश स्कूलों और अधिकारियों के लिए हैं अनिवार्य

बूंदी, 19 जनवरी (एजेंसियां)। शिक्षा एवं पंचायतीराज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने बूंदी सर्किट हाऊस में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास तथा शिक्षा विभाग की योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में मदन दिलावर ने निर्देश दिए कि जिले के विद्यालयों में अनिवार्य रूप से सूर्य नमस्कार हो, इसकी सभी तैयारियां पूरी रखें।

महीने में चार दिन गांवों में रात्रि विश्राम करें अफसर

साथ ही शिक्षा एवं पंचायतीराज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने निर्देश दिए कि अधिकारी महीने में चार दिन गांवों में रात्रि विश्राम करें और ग्रामीणजनों की समस्याओं को जानकारी लेकर उनका निस्तारण कर राहत दें। उन्होंने कहा कि एक गांव में बार—बार रात्रि विश्राम नहीं हो और शाम 6 बजे गांव में पहुंचने के बाद अगली सुबह 6 बजे की गांव से प्रस्थान किया

जाए। इस अवधि के दौरान अधिकारी उन्हें प्राप्त होने वाली समस्याओं का समाधान करना सुनिश्चित करें।

रात्रि चौपाल का रिकॉर्ड दर्ज करें

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशानुरूप आमजन की समस्याओं का समाधान हो और उन्हें राहत मिले। गांवों में आयोजित रात्रि चौपाल का रिकॉर्ड संधारण किया जाए।

जिस मद की राशि है, उसी मद में खर्च की जाए

मदन दिलावर ने निर्देश दिए कि गांवों में सर्वांगीण विकास के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। जिस मद की राशि है, उसी मद में खर्च की जाए। ऐसा नहीं करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाए।

मदन दिलावर ने निर्देश दिए कि जिले में ऐसे घुमंतु परिवार जिन्हें अभी तक पट्टे नहीं मिल पाए है, उनके लिए आगामी बसंत पंचमी को शिविर आयोजन कर, पट्टे वितरित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 150-200 पौधों पर एक केयर टेकर लगाया जाए। साथ ही जो भी पौधा नष्ट होता है, उसके स्थान पर नया पौधा लगाया जाए।

गांवों में साफ सफाई के सख्त निर्देश

मदन दिलावर ने निर्देश दिए कि गांवों में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। नालियों की नियमित रूप से साफ सफाई हो। इसके अलावा राजस्थान को प्लास्टिक मुक्त बनाने के दृष्टिगत गांवों को भी प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में कार्य योजना बनाकर कार्य करें। राजकीय कार्यालयों, कार्यक्रम एवं दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग प्रतिबंधित रहे, ताकि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिले।

70 लाख के लेनदेन को लेकर व्यापारी की हत्या

खेत में मिला शव, पहले ही जताया था मर्डर का खतरा

हनुमानगढ़, 19 जनवरी (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले के भादरा में एक व्यापारी की हत्या का मामला सामने आया है। हरियाणा के हिसार जिले में मोहब्बतपुर गांव के निवासी राकेश कुमार का शव शेरपुरा बस स्टैंड के पास स्थित एक खेत में पड़ा हुआ मिला। राकेश कुमार के भाई कुलदीप ने पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई है।

कुलदीप के अनुसार उनके भाई राकेश 17 जनवरी को दोपहर करीब 12:15 बजे भादरा के लिए निकले थे। उनका तीन व्यक्तियों संदीप, अनिल, और सुनील के साथ 70 लाख रुपये का लेन-देन था और इन्हीं तीनों ने राकेश को पैसों के लिए भादरा बुलाया था।

कुलदीप ने बताया कि राकेश ने जाते वक्त यह आशंका जताई थी कि पैसों के लेन-देन के दौरान उनकी जान को खतरा हो सकता है। र

ात तक घर नहीं लौटने और फोन बंद मिलने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। 18 जनवरी की रात 12:30 बजे राकेश की कार शेरपुरा बस स्टैंड के पास मिली और उसके करीब 20 फीट दूर खेत में उनका शव पड़ा था।

परिजनों ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से करवा लिया और परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल भादरा थाना पुलिस मामले की गहरी जांच कर रही है। थानाधिकारी भूपसिंह सहारण के नेतृत्व में एक टीम इस घटना की पूरी जांच में जुटी हुई है।

प्रिंसिपल और महिला शिक्षक ने स्कूल में की गंदी बात, सीसीटीवी में कैद हुआ मामला, दोनों सस्पेंड

चित्तौड़गढ़, 19 जनवरी (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार ब्लॉक के आजोलिया का खेड़ा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सालेरा से एक शर्मनाक मामला सामने आया है। विद्यालय के संस्था प्रधान और एक महिला टीचर की अश्लील हरकतों का सीसीटीवी वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार संस्था प्रधान अरविंद व्यास, जो राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ भामस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, का महिला स्टाफ के साथ अनुचित व्यवहार करते हुए वीडियो सामने आया है। वीडियो में वे विद्यालय परिसर के अंदर अपने कमरे में महिला टीचर के साथ आपत्तिजनक हरकतें करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

शिक्षकों का आरोप है कि स्कूल की महिला टीचर नियमित रूप से प्रिंसिपल के कमरे में जाती थी और वहां कंप्यूटर पर काम करने का नाटक करती थी, लेकिन दोनों घंटों तक कमरे में अकेले रहते थे। विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने संदेह होने पर प्रिंसिपल के कमरे में गुपचुप तरीके से सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए, जिसके बाद यह घटना सामने आ गई।

बहरहाल वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार शर्मा ने तुरंत प्रभाव से दोनों को सस्पेंड कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान संस्था प्रधान अरविंद व्यास का मुख्यालय राशमी और महिला टीचर का मुख्यालय बेगूं रहेगा।

अंतर्राज्यीय साइबर ठगी गैंग का भंडाफोड़

छह आरोपी गिरफ्तार, मास्टरमाइंड की तलाश जारी

सवाई माधोपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर साइबर क्राइम पुलिस थाना टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय साइबर ठगी गैंग का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 2 लाख 40 हजार रुपए की नकद राशि बरामद की। साथ ही 4 लाख 97 हजार रुपए बैंक खातों में होल्ड कराए गए हैं।

पुलिस उपाधीक्षक राजेंद्र सिंह रावत ने जानकारी दी कि इस गैंग ने मध्यप्रदेश के भोपाल में भी इसी प्रकार से साइबर ठगी की वारदातें की हैं। पकड़े गए सभी आरोपी मोहम्मद सलीम (अमरोहा), राजेश कुमार सेनी उर्फ सोनू (अमरोहा), विक्की कुमार (सलेमपुर), प्रदीप कुमार (मुरादाबाद), शुभम नारायण त्यागी उर्फ प्रिंस (बागपत), आनंद उर्फ अभिषेक (मेरठ) उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों के निवासी हैं। गिरफ्तार आरोपियों से 11 मोबाइल फोन और अन्य सबूत भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस जांच में पता चला कि गैंग ने एसबीआई की कलेक्ट्रेट शाखा के प्रबंधक सीताराम मीना को कॉल करके फर्जी लेटरपैड के जरिए 14 लाख 57 हजार रुपए एक फर्जी खाते में ट्रांसफर करवा लिए। इसी प्रकार गैंग ने भोपाल में भी बैंक ऑफ बड़ौदा और आईसीआईसीआई बैंक के मैनेजरों को ठगकर 9.90 लाख और 33.22 लाख रुपए ट्रांसफर करवाए थे। पुलिस ने बताया कि गैंग संगठित तरीके से काम करती थी। मास्टरमाइंड और उसके साथी अज्ञात लोगों को विश्वास में लेकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाते थे। इन खातों का उपयोग ठगी की रकम ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। खाताधारकों को 10% कमीशन देकर बाकी राशि मास्टरमाइंड तक पहुंचाई जाती थी।

मामाले की जानकारी मिलने पर साइबर थाने के सहायक उप निरीक्षक फैयाज खान के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसमें कांस्टेबल दिनेश और नफीस शामिल थे। टीम ने दिल्ली, गाजियाबाद और मुरादाबाद में सात दिन तक सर्च ऑपरेशन चलाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अभी गैंग के मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि गैंग बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा करने के लिए फर्जी दस्तावेजों और बैंक खातों का इस्तेमाल करती थी।

किसानों की आत्महत्या दुखद है : हरीश राव

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के नेता हरीश राव ने आज कहा कि आदिलाबाद जिले में कर्ज में डूबे एक और किसान राठोड़ गोकुल की आत्महत्या से वह बहुत दुखी हैं। एक किसान की मौत के 24 घंटे से भी कम समय बाद यह घटना हुई। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जो फसल ऋण माफी योजना को पूरा करने का दावा करते हैं, उन्हें किसानों की मौतें नहीं दिखतीं, जो बैंकों के उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर रहे हैं? उन्होंने यह भी सवाल किया कि देश को भोजन देने वाले किसानों को राज्य सरकार द्वारा क्यों परेशान किया जा रहा है? हरीश राव ने दावा किया कि किसानों की आत्महत्या सरकार के कारण हुई है और उन्होंने कहा कि इसके लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसानों को आश्वस्त करने में पूरी तरह विफल रही है और कहा कि किसानों की आत्महत्याओं की एक श्रृंखला इसका प्रमाण है, उन्होंने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसानों के जीवन के साथ खेल रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के एक साल के शासन में अब तक 402 किसानों की जान जा चुकी है। अगर ऐसा हो रहा है, तो सरकार नींद में होने का नाटक कर रही है। हरीश राव ने मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर द्वारा लाभकारी क्षेत्र में तब्दील की गई कृषि को संकट की स्थिति में धकेला जा रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि इससे पहले आदिलाबाद जिले के तलमाडु में प्रदर्शन कर रहे किसानों को पुलिस अधिनियम (30 अधिनियम) के नाम पर गिरफ्तार किया गया था और उन्हें जिले में विरोध प्रदर्शन और आंदोलन न करने का आदेश दिया गया था। उन्होंने कहा, कर्ज माफी न होने से किसान कलेक्टरेट, कृषि कार्यालय और बैंकों के चक्कर काटते-काटते थक चुके हैं। मौजूदा जमीनों को गिरवी रखकर कर्ज लिया जा रहा है। कर्ज न चुका पाने के कारण वे अंततः आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निवेश सहायता न मिलने के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है और कहा कि कांग्रेस सरकार किसानों के लिए अभिशाप बन गई है। हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस शासक यह पूरी तरह भूल गए हैं कि जिस राज्य में बैल रोता था और किसान रोता था, वहां कभी सुधार नहीं हुआ।

108 एम्बुलेंस कर्मचारी ने सीपीआर देकर बचाई शिशु की जान

मेदक, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 108 एम्बुलेंस सेवा के आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन (ईएमटी) की त्वरित कार्रवाई से मेदक में एक नवजात शिशु की जान बच गई। सुभाष नगर में रहने वाली अमीना बेगम ने शनिवार को मेदक के एमसीएच में एक बच्ची को जन्म दिया। चूंकि बच्ची को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, इसलिए डॉक्टरों ने उसे निलोफर अस्पताल ले जाने की सलाह दी। नवजात की सांस बीच में ही रुक गई, जब ईएमटी राजू ने कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) किया और कुछ मिनट की मशक्कत के बाद बच्ची को वापस जीवित किया। बच्ची को निलोफर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। अमीना बेगम और उनके पति अजीज ने राजू और एम्बुलेंस के पायलट नवीन को समय पर की गई कार्रवाई के लिए धन्यवाद दिया।

क्या सीएम नायडू के बेटे बनेंगे आंध्र के उपमुख्यमंत्री?

> नारा लोकेश के समर्थन में तेदेपा में उठी आवाज

अमरावती, 19 जनवरी (एजेंसियां)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के बेटे और मंत्री नारा लोकेश को उपमुख्यमंत्री के पद पर पदोन्नत करने की मांग बढ़ रही है। नारा लोकेश वर्तमान में मानव संसाधन मंत्रालय संभाल रहे हैं। मौजूदा समय में जनसेना प्रमुख चंद्रबाबू नायडू सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं। आंध्र प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष के. रघुराम कृष्ण राजू ने बताया कि पार्टी नेताओं के बीच लोकेश को डिप्टी सीएम बनाने की मांग बढ़ रही है।

आंध्र प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष के. रघुराम कृष्ण राजू ने कहा, मेरी जानकारी के अनुसार टीडीपी नेता पार्टी के महासचिव (लोकेश) को डिप्टी सीएम के रूप में देखने के लिए बहुत उत्सुक हैं। यह पार्टी नेताओं की राय है। टीडीपी के एक वरिष्ठ नेता ने सुझाव दिया कि अगर नारा लोकेश को पवन कल्याण के समान पद दिया जाता है तो जनसेना इससे चिंतित हो सकती है। हालांकि, इस पर अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री का होगा। उन्होंने आगे कहा कि समय आने पर लोकेश को पार्टी और सरकार दोनों का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, लोगों का विचार है कि लोकेश को उपमुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। यह मांग उनके द्वारा चलाई गई सदस्यता अभियान से शुरू हुई, जिसमें एक करोड़ से अधिक सदस्य बने। इसके अलावा, अब समय आ गया कि लोकेश को पार्टी के भावी नेता के रूप में पेश किया जाए।

लोकेश को डिप्टी सीएम बनाने के विचार पर चर्चा :

टीडीपी सूत्रों के अनुसार, पार्टी की बैठक में लोकेश को डिप्टी सीएम बनाने के विचार पर चर्चा हुई। हालांकि, अभी तक इसे लेकर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कोई टिप्पणी नहीं की। कडप्पा जिले के मायदकुर में चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में एक बैठक में वरिष्ठ टीडीपी नेता श्रीनिवास रेड्डी ने भी सीएम से युवाओं और पार्टी समर्थकों के बीच विश्वास पैदा करने के लिए लोकेश को डिप्टी सीएम के पद पर पदोन्नत करने की अपील की।

टीडीपी नेता ने निराशा व्यक्त की :

हाल ही में जारी एक वीडियो में टीडीपी प्रवक्ता महासेना राजेश ने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि एनडीए को सत्ता में लाने में अहम भूमिका निभाने वाले नारा लोकेश केवल एक मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने भी सीएम नायडू से लोकेश को डिप्टी सीएम बनाने का आग्रह किया। महासेना राजेश ने कहा, अगर उन्हें (लोकेश को) सीएम बनाने में वक्त लगेगा, तो कोई बात नहीं। कम से कम यह घोषणा करें कि वह अब डिप्टी सीएम हैं और हर सरकारी कार्यालय में उनकी तस्वीर रखें। नारा लोकेश टीडीपी का भविष्य हैं।

इस बीच भाजपा नेता लंका दिनाकर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लोकेश की राजनीतिक परिपक्वता और प्रशासनिक क्षमता को स्वीकार किया। भाजपा नेता ने इस बात पर जोर दिया कि गठबंधन के भीतर राजनीतिक निर्णय व्यक्तिगत पार्टियों का विशेषाधिकार बने रहना चाहिए, जब तक कि वे राज्य या राष्ट्र पर नकारात्मक प्रभाव न डालें।

केटीआर ने की दिल्ली की राजनीति में दोहरे मापदंड को लेकर कांग्रेस की आलोचना

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव कांग्रेस के दोहरे मापदंड और पाखंडी हरकतों का एक आदर्श उदाहरण है। उन्होंने आम आदमी पार्टी और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल के प्रति कांग्रेस के बदलते रुख और उनके साथ गठबंधन में बदलाव की ओर इशारा किया।

रामा राव ने एक्स को बताया कि जब तक केजरीवाल कांग्रेस के साथ जुड़े रहे, उन्हें एक समझदार और साफ-सुथरे नेता के रूप में देखा जाता रहा और गठबंधन के चश्मे से दिल्ली शानदार दिखती रही। उन्होंने कहा कि जिस क्षण वे स्वतंत्र रूप से खड़े हुए, उन्हें अपराधी और अपराधी करार दिया गया, दिल्ली कूड़े का ढेर बन गई और आप के भ्रष्टाचार से त्रस्त हो गई। इस तरह के नाटकीय बदलाव से कांग्रेस के पाखंड का पता चलता है। यह आश्चर्यजनक है कि वे इतनी जल्दी अपना सुर कैसे बदल लेते हैं। केटीआर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए रामा राव ने उनसे तेलंगाना में अधूरे वादों को पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी, जब भी आप दिल्ली के मतदाताओं को बेवकूफ बनाना बंद कर दें, तो तेलंगाना जाएं और छात्रों, किसानों, महिलाओं और बुजुर्गों से बात करें, जो अभी भी आपके द्वारा एक साल पहले किए गए वादों को पूरा करने का इंतजार कर रहे हैं।

श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर एवं नंदीशाला का शिलान्यास 22 को

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेड्चल के यल्लमपेट स्थित श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर प्रांगण में उत्तराखंड की प्रवासी संस्था के लोग मंदिर का शिलान्यास 22 जनवरी को विद्वान ब्राह्मणों के अनुसार कुम्भ लगन और शुभ मुहूर्त में प्रातः 8.34 बजे से कराएंगे। प्रेस विज्ञप्ति में चेयरमैन जयपाल सिंह नयाल सनातनी एवं शिलान्यास स्वागत समिति के अध्यक्ष राम भाटी ने बताया कि भाग्यनगर की पावन धरा पर श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा शिलान्यास का महोत्सव लाभार्थी परिवार, आचार्यगण, सम्मानित अतिथियों व भक्तों के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। प्रातः बेला में महामहिम राज्यपाल तेलंगाना द्वारा शिलान्यास किया जाएगा। विशेष फूलों से सजाकर कुम्भ लगन मुहूर्त में प्रातः 8.34 बजे आचार्यों के मंत्रोच्चारण, पूजा-अर्चना से हवन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के सानिध्य में अभिषेक ब्रह्मचारी, विशेष अतिथि युवा चेतना के रोहित कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। अवसर पर अनेक सांसद, विधायक, मंत्री व सरपंच आदि उपस्थित रहेंगे। समस्त हैदराबाद उत्तराखंड समाज जन के मध्य उत्तराखंड के प्रवासी बाल और वयस्क कलाकार द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे। पूजा-अर्चना के पश्चात प्रसाद सभी भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई है।

किसान को परेशान नहीं किया गया

आदिलाबाद आत्महत्या मामले में बोले बैंक अधिकारी

आदिलाबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने रविवार को दावा किया कि बैंक अधिकारियों ने बेला मंडल के रेणुगुडा गांव के किसान जादव देवराव को परेशान नहीं किया, जैसा कि उनके परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है। पुलिस ने एक बयान में किसान के परिजनों के आरोपों को नकार दिया। उन्होंने दावा किया कि बैंक के कर्मचारियों ने पांच साल पहले लिए गए 3.40 लाख रुपये के व्यक्तिगत ऋण की किस्त चुकाने के लिए दबाव नहीं डाला। उन्होंने कहा कि किसान का नाम डिफॉल्टरों की सूची में शामिल नहीं था।

हालांकि सीसीटीवी फुटेज में किसान को बैंक के अंदर कीटनाशक पीते हुए दिखाया गया है, लेकिन पुलिस ने दावा किया है कि देवराव ने कीटनाशक बाहर खाया। उन्होंने कहा कि उनकी जांच से पता चला है कि उसने न तो बैंक के अधिकारियों से बात की और न ही बैंक परिसर में उसके साथ कोई बहस हुई। उन्होंने कहा कि जांच में पता चला है कि उसकी पत्नी किडनी से जुड़ी बीमारी से पीड़ित थी। हालांकि, किसान ने आत्महत्या क्यों की, इसकी पूरी जांच की जा रही है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर उसकी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी।

देवराव (60) ने शनिवार को यहां आईसीआईसीआई बैंक शाखा में आत्महत्या कर ली। उनके परिवार में उनकी पत्नी और बेटा आकाश है। उनके समुदाय के लोगों ने न्याय की मांग को लेकर बैंक के सामने रास्ता रोको प्रदर्शन किया। पुलिस ने हस्तक्षेप किया और उन्हें न्याय का आश्वासन दिया। आकाश की ओर से मिली शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया।

अवैध संबंध के चक्कर में भाई ने की थी भाई की हत्या

मेदक, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शिवमपेट पुलिस ने शनिवार की सुबह नानू थांडा में अपने भाई की बिजली का करंट लगाकर हत्या करने वाले तेजवथ गोपाल (22) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पाया कि गोपाल ने अपने भाई की पत्नी ललिता के साथ विवाहेतर संबंध जारी रखने के लिए अपने भाई शंकर की हत्या की। पूछताछ के दौरान गोपाल ने कथित तौर पर कबूल किया कि उसने रिश्ता जारी रखने के लिए अपने भाई को खत्म करने का फैसला किया। पुलिस ने कहा कि शंकर की यह तीसरी शादी थी क्योंकि उसने पहले दो महिलाओं को तलाक दे दिया था। उन्होंने आगे कहा कि गोपाल पहले भी गांजा तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है। कुछ महीने पहले जेल से बाहर आने के बाद गोपाल ने शंकर को मारने की योजना बनाई क्योंकि वह रिश्ते के बीच में आ रहा था। आरोपी को अदालत में पेश किया गया।

पुलिस कभी भी डिजिटल गिरफ्तारी नहीं करेगी

साइबर अपराध पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

संगारेड्डी, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध पुलिस ने कहा है कि नागरिकों को यह समझना चाहिए कि पुलिस कभी भी किसी को डिजिटल तरीके से गिरफ्तार नहीं करेगी। रविवार को तेलपुर नगरपालिका के राजपुष्पा क्लब हाउस में नागरिकों के लिए आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम के दौरान, साइबर अपराध डीएसपी केवीएम प्रसाद ने कहा कि नागरिकों को यह समझना चाहिए कि यदि वे डिजिटल गिरफ्तारी का उल्लेख करते हैं तो कॉल साइबर अपराधियों की ओर से है।

प्रसाद ने नागरिकों से अपनी पहचान की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी तस्वीरें पोस्ट न करने का आह्वान किया। डीएसपी ने कहा कि साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानकारी का उपयोग युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं का शोषण करने के लिए कर रहे हैं। डीएसपी हरिकृष्ण ने नागरिकों से कहा कि यदि वे ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वालों के कारण कोई राशि खो देते हैं तो वे तुरंत 1930 पर फोन करके शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि यदि वे पैसे खोने के एक घंटे के भीतर शिकायत दर्ज कराते हैं तो उनके पैसे वापस मिलने की संभावना अधिक होगी, जिसे साइबर अपराध में स्वर्णिम समय माना जाता है। इस अवसर पर डीएसपी सूर्यप्रकाश, एन वेणुगोपाल रेड्डी, तेलापुर नेबरहुड एसोसिएशन के अध्यक्ष रमण, सदस्य मदनमोहन, बद्रीनाथ व अन्य उपस्थित थे।

रामकृष्ण मठ में मॉड्यूलर सर्जरी थिएटर का उद्घाटन

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आज का दिन अत्यंत गौरवशाली और ऐतिहासिक रहा, जब रामकृष्ण मठ, हैदराबाद के विवेकानंद हेल्थ सेंटर में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉड्यूलर सर्जरी थिएटर का उद्घाटन किया गया। इस परियोजना को रोटरी इंटरनेशनल 3150 के समर्थन से साकार किया गया है।

उद्घाटन समारोह का शुभारंभ रोटेरियन शरत चौधरी, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वारा किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों, विशेषकर वंचित समुदायों तक बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इस अवसर पर रोटरी ग्लोबल चैंपियंस के अध्यक्ष डॉ.बी.के. कर्णा ने इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि यह मॉड्यूलर सर्जरी थिएटर समाज के कमजोर वर्गों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने इस चिकित्सा सेवा को मानवता से परिपूर्ण उपचार की संज्ञा दी। इस ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट में रोटेरियन मेधा कोतारू और रोटेरियन लिंगा गौड़ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। क्लब सचिव श्रीनिवास तम्मना ने इस उपलब्धि पर रामकृष्ण मठ के सभी डॉक्टरों और कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए धन्यवाद दिया। इस आयोजन को करीब 70 विशेषज्ञों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति प्रदान की। रोटेरियन सोमा शास्त्री, प्रेसिडेंट इलेक्ट ने कहा कि यह परियोजना रोटरी इंटरनेशनल और रामकृष्ण मठ की सेवा भावना का एक सशक्त उदाहरण है।

भीषण सड़क हादसे में दो की मौत

कुमरमभीम आसिफाबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में एक गंभीर सड़क हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई तथा 47 अन्य तीर्थयात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, गुड़ी हतनूर मंडल के सूर्यगुडा से 60 तीर्थयात्री एक वाहन में सवार होकर कोमुरमभीम आसिफाबाद जिले के केरिमेरी में जंगूबाई मंदिर जा रहे थे, तभी आदिलाबाद जिले के नारनूर मंडल के मालेपुर घाट पर वाहन अनियंत्रित होकर घाटी में गिर गया। वाहन में सवार 47 तीर्थयात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दो की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। सभी घायलों को इलाज के लिए रिम्स, उटनूर और नारनूर अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

कुमरमभीम आसिफाबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद मंडल के इप्पल नवेगाम गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात को सड़क दुर्घटना में आसिफाबाद जिला मुख्यालय निवासी हरि कृष्ण नामक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक हरि कृष्ण शनिवार के दिन महाराष्ट्र चंद्रपुर अपने दोस्त के साथ घूमने के लिए गया था। रविवार के दिन हरि कृष्ण अपने दोस्त के साथ आसिफाबाद की ओर आ रहा था हरे कृष्ण के दोस्त को कमान ग्राम के पास उसको उसके घर उतार कर वापस आसिफाबाद की ओर आ रहा था इसी बीच इप्पल नवेगांव के पास विपरीत दिशा से बोलोरो वाहन के कट मारने से यह डिवाइडर से टकरा गया। जिसके कारण घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्रों को मिलना चाहिए : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि अधिकारियों को समन्वित तरीके से काम करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकार की महत्वाकांक्षी रैतु भरोसा, राशन कार्ड, इंदिराम्मा आवास और इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा योजनाओं का लाभ जिले के सभी पात्र लोगों को मिले। रविवार को जिले के कागजनगर कस्बे में उपजिलाधिकारी कार्यालय में उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, कागजनगर संभाग के तहसीलदारों और मंडल कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ किसान आश्वासन और राशन कार्ड जारी करने के संबंध में समीक्षा बैठक हुई। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि रैतु भरोसा योजना के तहत जिले के प्रत्येक किसान को जो खेती के लिए उपयुक्त है, उसे योजना के तहत पत्थर, टीले, आवासीय मकान, उद्यम, लेआउट, अधिग्रहित भूमि उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा विकास के तहत सिंचाई भूमि, तालाब, नहर, सड़क, रेलवे लाइनों के लिए आवंटित भूमि को रैतु भरोसा सूची से हटाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण कर्मचारी क्षेत्र निरीक्षण कर सूची तैयार करें। प्रत्येक पात्र परिवार को राशन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाएंगे तथा उन लोगों को राशन कार्ड जारी नहीं किए जाने चाहिए जिनकी आय अधिक है। उन्होंने कहा कि किसान आश्वासन, राशन कार्ड, इंदिराम्मा आवास और इंदिराम्मा आत्मीय आश्वासन की सूची ग्राम सभाओं में पढ़कर सुनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पात्र लोग राशन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं और यह एक सतत प्रक्रिया होगी तथा इसमें चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि योजनाबार अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी ताकि कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे। इसके बाद कागजनगर मंडल के एनजीओ कॉलोनी में राशन कार्ड की जांच प्रक्रिया की जांच की गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

बॉर्डर पर बांग्लादेश ...

लेकिन बांग्लादेश की तरफ किस तरह का तटबंध है, इसकी जानकारी नहीं है। जीरो लाइन के पास निर्माण की ऊंचाई काफी अधिक है। यह एक सड़क हो सकती है, या यह एक तटबंध हो सकता है, लेकिन यह एक तटबंध जैसा लग रहा था। जिस स्थान पर हम गए थे, उसके पास एक स्लुइस गेट भी है।

1971 के इंदिरा-मुजीब समझौते का उल्लंघन कर रहा बांग्लादेश :

दिलीप कुमार चकमा ने कहा कि बांग्लादेशी अधिकारियों ने पहले जीरो लाइन से लगभग 5-7 किलोमीटर दूर मनु नदी पर तटबंध सहित कुछ तटबंध स्थापित करने का प्रस्ताव दिया था। जिला मजिस्ट्रेट ने अपने निष्कर्षों पर राज्य सरकार को एक यात्रा नोट सौंपा है। 1971 के इंदिरा-मुजीब समझौते के अनुसार, जीरो लाइन के दोनों ओर 150 गज के भीतर किसी भी स्थायी निर्माण की अनुमति नहीं है। हाल ही में विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस विधायक बिराजित सिन्हा ने भी इस मामले को उठाया था। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सदन को आश्वासन दिया था कि वह केंद्र से बात करेंगे और उससे बांग्लादेश के साथ इस मामले को उठाने का अनुरोध करेंगे।

2024 में त्रिपुरा के गोमती जिले में डंबूर पनबिजली परियोजना में बाढ़ के द्वार खोले जाने के बारे में झूठी खबरों के कारण बांग्लादेश में भारी आक्रोश फैल गया। हालांकि भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि बाढ़ के द्वार कभी नहीं खोले गए।

महाकुंभ मेले में ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ मेले में मौजूद होने और आग लगने की घटना को लेकर विस्तार से जानकारी दी। पीएम को यह भी बताया गया कि आग पर काबू पा लिया गया है। इसमें किसी प्रकार के जान माल की क्षति नहीं पहुंची है। महाकुंभ को लेकर सीएम योगी रविवार को प्रयागराज में ही थे। जैसे ही उन्हें घटना की जानकारी मिली, वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से आग की घटना में हुई क्षति की जानकारी ली। पैदल ही घटनास्थल पर पहुंचे। मेला क्षेत्र में लगी आग के मामले में एडीजी ने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच होगी।

घटना से मची हलचल :

प्रयागराज में लगे महाकुंभ मेला के दौरान बड़ी घटना सामने आई है। शास्त्री पुल और रेलवे पुल के बीच रविवार आग में कई टेंट के जलने का मामला सामने आ रहा है। इलाके में मौजूद लोगों और साधु संतों को बाहर निकाला गया है। महाकुंभ में हर रोज लाखों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र संगम तट पर स्नान करने पहुंच रहे हैं। ऐसे में आग लगने की घटना ने हलचल बढ़ा दी है।

महाकुंभ में सेक्टर-19 तुलसी मार्ग स्थित गीता प्रेस के शिविर में भीषण आग लगने का मामला सामने आया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग लगने के बाद यहां लगातार विस्फोट हुए। इससे मौजूद लोग सहम गए। आग लगने की घटना के सामने आते ही इलाके को सील कर दिया गया है। गंगा पुल से संगम तट पर लगे भीषण आग का नजारा दिखा। आग की लपटों को देखकर लोग सहम गए। रविवार दोपहर बाद घटी इस घटना ने लोगों को चौंका दिया है। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं लग पाया है।

महाराष्ट्र और हरियाणा ...

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र आंध्र प्रदेश के विकास के लिए चट्टान की तरह चंद्रबाबू नायडू के साथ खड़ा है। आज हालात यह हैं कि भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता के रूप में उभरा है। आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में देश दुनिया में अग्रणी है।

वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय मंत्री से अपील की कि वे राज्य के पूरी तरह से ठीक होने तक केंद्र से निरंतर सहायता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, केंद्रीय मंत्री के राम मोहन नायडू और बंडी संजय कुमार मौजूद रहे।

राहुल को नहीं ...

ऐसे में हमें याद रखना चाहिए कि किसने संविधान के साथ छेड़छाड़ की, और इसके बुनियादी प्रावधानों को नष्ट करने की कोशिश की, साथ ही किसने संविधान की रक्षा की और किसने बाबासाहेब के विचारों की रक्षा और उजागर करने का काम किया। उन्होंने बिना राहुल गांधी का नाम लिए कहा कि नागरिकों को उन पाखंडी लोगों से सचेत और सावधान रहना चाहिए जो संविधान के अंदर क्या है उसे जाने या पढ़े बिना इसकी प्रति लेकर घूमते रहते हैं। नड्डा ने कहा कि राहुल को नहीं पता कि उनके पिता (राजीव गांधी), परदादा (जवाहरलाल नेहरू) और दादी (इंदिरा गांधी) क्या करते थे। उन्हें ये बातें पता होनी चाहिए। आंबेडकर का हवाला देते हुए कि भले ही संविधान खराब हो, फिर भी अच्छा किया जा सकता है अगर इसे लागू करने वालों की मंशा सही हो। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं की मंशा ठीक नहीं थी। वहीं भाजपा नेताओं ने अच्छी मंशा के साथ काम किया। उन्होंने अनुच्छेद 370 को खत्म करने, 'एक देश एक कर' लागू किया। अब समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

अपने संबोधन में नड्डा ने यह भी कहा कि जब 1949 में संविधान को अपनाया जा रहा था, तो डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर इसे लागू करने वाला बुरा है, तो यह विफल हो जाएगा। अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 (ए) को आंबेडकर के विरोध के बावजूद भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा लागू किया गया था। इन प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को संविधान में निहित बुनियादी अधिकारों से वंचित कर दिया।

इंदिरा गांधी पर भी कसा तंज : वहीं, आपातकाल (1975-77) का संकेत देते हुए नड्डा ने कहा कि इंदिरा गांधी ने संविधान के साथ छेड़छाड़ की और 1.35 लाख लोगों को जेल भेजा। यह गर्व की बात है कि आपातकाल के दौरान जेल जाने वाले अधिकांश लोग हमारी विचारधारा से थे। इस दौरान उन्होंने 39वें और 42वें संवैधानिक संशोधन का हवाला दिया, जो तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लागू किए गए थे। नड्डा ने यह भी कहा कि इंदिरा गांधी लुभावने नारे देकर देश को गुमराह करना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने संविधान में धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द जोड़े।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पंत को लखनऊ की कप्तानी मिलेगी, ऐलान जल्द

ऑक्शन में सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे, एलएसजी ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा था

मुंबई, 19 जनवरी (एजेंसियां)। ऋषभ पंत को आईपीएल 2025 से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का कप्तान बनना तय है। पिछले साल नवंबर की मेगा नीलामी में पंत आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे, जिन्हें एलएसजी ने 27 करोड़ रुपये (लगभग 3.21 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में खरीदा।

भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने अपने पहले तीन सीजन (2022 से) के लिए एलएसजी का नेतृत्व किया। टीम पहले दो सालों प्ले ऑफ में जगह बनाई, हालांकि वह फाइनल का सफर तय नहीं कर पाई। वहीं 2024 का सीजन काफी खराब रहा, टीम सातवें स्थान पर रही

पंत के लिए आईपीएल में एलएसजी दूसरी टीम

पंत के लिए आईपीएल में एलएसजी दूसरी टीम है। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में अपने करियर की शुरुआत दिल्ली कैपिटल्स से 2016 में की। उस समय डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स का पहले का नाम) ने उन्हें 2016 के ऑक्शन में 1.6 करोड़ में खरीदा था। पंत दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी भी कर चुके हैं। वह 2021 में कैप्टन बनाए गए। 2022 में चोट की वजह से वह आईपीएल से दूर रहे। 2023 में भी वह दिल्ली के कप्तान रहे।

नीलामी से पहले, एलएसजी ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया,

एलएसजी ने निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, मयंक यादव, आयुष बदोनी और मोहसिन खान को रिटेन किया था, हालांकि, वे एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश में थे जो कप्तान के रूप में राहुल की जगह ले सके। पंत, श्रेयस अय्यर के साथ उनकी सूची में सबसे ऊपर थे। नीलामी में पंत को लेने के लिए एलएसजी और एसआरएच के बीच होड़ लगी रही। उनकी बोली 20.75 करोड़ तक पहुंच गई, बाद में एसआरएच पीछे हट गई। दिल्ली कैपिटल्स से राइट-टू-मैच चुनौती को खत्म करने के लिए एलएसजी ने इसे बढ़ाकर 27 करोड़ कर दिया।

एलएसजी में मिलर, मार्श और मार्करम जैसे खिलाड़ी हैं

पंत को नए एलएसजी स्क्वाड में विदेशी बल्लेबाज डेविड मिलर, मिशेल मार्श और एडेन मार्करम और भारतीय सीमर आकाश दीप और अवेश खान का साथ मिलेगा। नीलामी समाप्त होने के बाद पूरन, मार्श, मार्करम और मिलर भी संभावित कप्तानी विकल्प थे।

पंत अब मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के साथ मिलकर काम करेंगे, जिनसे उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान बातचीत की थी, और नए टीम मेंटर जहीर खान का भी साथ मिलेगा।

कर्नाटक ने 5वीं बार विजय हजारे ट्रॉफी जीती

विदर्भ को 36 रन से हराया, स्मरण ने शतक लगाया

वडोदरा, 19 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक ने 5वीं बार विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब जीत लिया। टीम ने रविवार को पहली बार फाइनल खेल रही विदर्भ को 36 रन से हराया। वडोदरा में कर्नाटक ने पहले बैटिंग करते हुए 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। जवाब में विदर्भ 312 रन ही बना सका।

सीजन में 5 शतक लगाने वाले विदर्भ के कप्तान करुण नायर 27 रन ही बना सके। ओपनर ध्रुव शोरे ने सेंचुरी लगाई, लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। कर्नाटक से मिडिल ऑर्डर बैटर रविचंद्रन स्मरण ने 101 रन की पारी खेली। टीम से प्रसिद्ध कृष्णा, वासुकी कौशिक और अभिलाष शेट्टी ने 3-3 विकेट लिए।

कोटाम्बी स्टेडियम में विदर्भ ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। कर्नाटक की शुरुआत खराब रही, टीम ने 67 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। कप्तान मयंक अग्रवाल 32,

देवदत्त पडिक्कल 8 और केवी अनीश 23 ही रन बना सके। स्मरण ने फिर विकेटकीपर कृष्णन श्रीजीत के साथ पारी संभाली। दोनों ने टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचा दिया।

स्मरण की सेंचुरी, श्रीजीत ने फिफ्टी लगाई

श्रीजित 78 रन बनाकर आउट हुए, उन्होंने स्मरण के साथ चौथे विकेट के लिए 160 रन की पार्टनरशिप की। स्मरण ने सेंचुरी लगाई और टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचाया। उन्होंने अभिनव मनोहर के साथ पांचवें विकेट के लिए 106 रन जोड़े। स्मरण ने 101 रन बनाए, वहीं मनोहर 79 रन बनाकर आउट हुए।

कर्नाटक से आखिर में हार्दिक राज ने 12 और श्रेयस गोपाल ने 3 रन बनाए और स्कोर 348 रन तक पहुंचा दिया। विदर्भ से दर्शन नालकंडे और नचिकेत भुते ने 2-2 विकेट लिए। यश ठाकुर और यश कदम को 1-1 सफलता मिली।

349 रन के टारगेट के सामने विदर्भ ने 6 के रन रेट से बैटिंग की। ओपनर ध्रुव शोरे एक एंड पर टिक गए, लेकिन उनके सामने लगातार विकेट गिरने लगे। यश राठौड़ 22, करुण नायर 27, यश कदम 15, विकेटकीपर जितेश शर्मा 34 और शुभम दुबे 8 ही रन बनाकर आउट हो गए।

ध्रुव शोरे ने सेंचुरी लगाई, वह 110 रन बनाकर आउट हुए और विदर्भ के फाइनल जीतने की उम्मीदें खत्म हो गईं। उनके बाद अपूर्व वानखेड़े 12, नचिकेत भुते ने 5 और दर्शन नालकंडे ने 11 रन बनाए। हर्ष दुबे ने तेजी से 63 रन बनाए, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। विदर्भ 312 रन बनाकर ऑलआउट हुआ। कर्नाटक से वासुकी कौशिक, प्रसिद्ध कृष्णा और अभिलाष शेट्टी ने 3-3 विकेट लिए। हार्दिक राज के हाथ एक सफलता आई।

कर्नाटक ने पांचवीं बार विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब जीता है। टीम 5वां फाइनल ही खेल रही थी, उन्हें कभी भी फाइनल में हार का सामना नहीं करना पड़ा। टीम ने 2019 में आखिरी टाइटल जीता था। दूसरी ओर विदर्भ ने पहली बार फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन टीम रनर-अप रही। पिछले सीजन हरियाणा ने खिताब जीता था। कर्नाटक ने हरियाणा को ही सेमीफाइनल हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले जो रूट-डेविड मिलर का धमाका

तूफानी पारी से चेज किया साउथ अफ्रीका का सबसे बड़ा लक्ष्य

खेल डेस्क, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाला चैंपियंस ट्रॉफी के शुरू होने में महज 4 हफ्ते का समय रह गया है। इससे पहले कई बल्लेबाजों ने अपना दम दिखाना शुरू कर दिया है। इंग्लैंड के जो रूट ने एसए20 में बल्ले से धमाका किया है। उन्होंने प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ महज 60 गेंदों में 92 रनों की तूफानी पारी खेली रूट ने इस पारी में 11 चौके और 2 छक्के जड़े. उनके अलावा डेविड मिलर ने 24 गेंद में 48 रनों ठोके. दोनों की धुआंधार पारी के दम पर पार्ल रॉयल्स की टीम ने एसए20 के इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य चेज कर दिया.

रूट की धुआंधार पारी

मर्में एसए20 के मुकाबले खेले जा रहे हैं. इसके 12वें मैच में प्रिटोरिया कैपिटल्स और पार्ल रॉयल्स के बीच भिड़ंत हुई. प्रिटोरिया की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की और बोर्ड पर 20 ओवरों में 212 रन लगा दिए. इतना बड़ा स्कोर इस टूर्नामेंट में कभी भी चेज नहीं हुआ था. वहीं इसे चेज करने उतरी पार्ल रॉयल्स ने पहली गेंद पर विकेट गंवा दिया. इसके बाद जो रूट ने रुबिन हरमन के साथ मिलकर 69 गेंद में 125 रनों की साझेदारी कर दी. तभी हरमन 33 गेंद में 56 रन बनाकर आउट हो गए. लेकिन रूट ने अपनी तूफानी बैटिंग जारी रखी और नाबाद 92 रन बनाए.

मिलर का जलवा, चेज किया 213 रन

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज और पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने भी दम दिखाया. उन्होंने 125 रन के स्कोर पर दूसरा विकेट गिरने पर रूट का भरपूर साथ दिया और तेजी से रन बटोरे. उन्होंने रूट से भी तेज बल्लेबाजी की.

मिलर ने 200 के स्ट्राइक रेट से 24 गेंद में 48 रन ठोक दिए. दोनों के बीच 88 रनों की नाबाद साझेदारी हुई और पार्ल रॉयल्स ने 2 गेंद रहते ही मुकाबले को 8 विकेट से जीत लिया.

रूट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. बता दें पहली बार इस टूर्नामेंट में इतना बड़ा स्कोर चेज हुआ है.

दूसरे नंबर पर पहुंची पार्ल रॉयल्स

पार्ल रॉयल्स की टीम इस जीत के साथ 4 में से 3 मैच जीत चुकी है और 12 अंक हासिल कर चुकी है. इसके साथ ही पॉइंट्स टेबल में वो दूसरे नंबर पहुंच गई है. वहीं एमआई केपटाउन की टीम ने 5 में से 3 मैच जीत चुकी है और 14 अंकों के साथ पहले नंबर पर बनी हुई है.

बोपन्ना-शुआई की जोड़ी मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में, सबालेंका भी अंतिम-8 में पहुंचीं

मेलबर्न, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और चीन की उनकी जोड़ीदार झांग शुआई ने रविवार को यहां दूसरे दौर के मैच में वॉकओवर मिलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, महिला एकल में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने मेलबर्न पार्क पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को सीधे सेटों में जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार तीसरा खिताब जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए।

बोपन्ना और शुआई का मुकाबला अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और मोनाको के ह्यूगो निस से था, लेकिन यह चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी खेलने के लिए नहीं उतरी। इससे भारतीय-चीनी जोड़ी कोर्ट पर उतरे बिना ही अंतिम आठ में पहुंच गई। बोपन्ना और शुआई का अगला मुकाबला

हंगरी की टिमिया बाबोस और अल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवलो तथा ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। बोपन्ना और शुआई की जोड़ी ने इससे पहले अपने शुरुआती मैच में फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच और क्रोएशिया के इवान डोडिक को 6-4, 6-4 से हराया था।

पिछली दो बार की चैंपियन सबालेंका ने रॉड लेवर एरेना में दिन के खेल की शुरुआत करते हुए 14वीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा को 6-1, 6-2 से हराया और इस तरह से ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपनी जीत का सिलसिला 18 मैचों तक बढ़ाया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के महिला एकल में लगातार तीन खिताब जीतने वाली आखिरी खिलाड़ी मार्टिना हिंगिस थी, जिन्होंने 1997 से 1999 तक यह कारनामा किया था। मैच के बाद सबालेंका ने एंड्रीवा को गले लगाया, भीड़ की ओर हाथ हिलाया और अपने पोलेरॉइड कैमरे से एक तस्वीर ली।

सबालेंका ने एक घंटे में यह मैच जीतने के बाद कहा, 'यह मुश्किल मैच था लेकिन मैं इसे सीधे सेटों में जीतकर बहुत खुश हूं।'

मनु भाकर की नानी और मामा की मौत

सड़क दुर्घटना में गई जान

महेंद्रगढ़, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की स्टार शूटर मनु भाकर को दो दिन पहले ही राष्ट्रपति से खेल रत्न पुरस्कार मिला था. अब उनके घर में बेहद दुखद घटना घटी है. दरअसल, एक सड़क दुर्घटना में उनके मामा और नानी की मौत हो गई है. रिपोर्ट के अनुसार, महेंद्रगढ़ बाइपास रोड पर दोनों स्कूटी से जा रहे थे. तभी एक ब्रेजा गाड़ी ने जोर की टक्कर मार दी. ये टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों की मौके पर ही जान चली गई. चरखी दादरी में हुई इस दुर्घटना के तुरंत बाद ब्रेजा गाड़ी का चालक मौके से फरार हो गया. पुलिस को जैसे ही इसकी जानकारी मिली वो घटना स्थल पर पहुंच गई. उसने मनु भाकर के मामा और नानी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी की तलाश में जुट गई है. बता दें उनके मामा की उम्र अभी 50 साल थी, वहीं नानी 70 साल की थीं.

मनु भाकर के मामा युद्धवीर सिंह रोडवेज में चालक थे. उनका घर महेंद्रगढ़ बाइपास पर ही है. वो सुबह ड्यूटी के लिए स्कूटी से निकले थे. मनु की नानी सावित्री देवी को पास में ही लोहारू चौक पर मौजूद छोटे बेटे के घर जाना था. इसलिए स्कूटी पर वो भी साथ में निकल गईं. जैसे ही दोनों कलियाणा मोड़ के पास पहुंचे, उन्हें सामने से एक ब्रेजा कार आती हुई दिखाई दी. कार गलत साइड से आ रही थी और उसकी स्पीड काफी तेज थी. इसलिए कार चालक कंट्रोल नहीं कर सका और उसने मनु भाकर के मामा की स्कूटी में टक्कर मार दी. इससे स्कूटी पर सवार मनु के मामा और नानी सड़क पर गिरकर घायल हो गए और कार सड़क के किनारे पलट गई. ये टक्कर इतनी जानलेवा थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई.

मनु की नानी थीं खिलाड़ी

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दो मेडल जीतकर इतिहास रच दिया था. एक ही ओलंपिक में ऐसा करने वाली वो पहली भारतीय एथलीट बनी थीं. लेकिन उनकी नानी सावित्री देवी भी खेल के मामले में उनसे कम नहीं थीं. उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीते थे. बता दें मनु को अपनी नानी और मामा से बेहद प्यार था. वो पदक जीतकर भारत लौटने के बाद उनके घर गई थीं. उन्हें अपनी नानी के हाथ का बाजरे और मक्के की रोटी काफी पसंद थी. इसका खुलासा खुद मनु की नानी ने किया था.

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी

मलयेशियाई जोड़ी ने 21-18, 21-14 से जीता मैच

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के लिए युगल में खिताब की सबसे बड़ी सात्विक साइराज रैंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी यहां इंडिया ओपन बैडमिंटन सुपर 750 के सेमीफाइनल में पराजित हो गई। वर्ष 2022 की विजेता भारतीय जोड़ी को मलयेशिया के गोह सजे फेई और नूर इजुद्दीन की जोड़ी से 37 मिनट चले मुकाबले में सीधे गेमों में 18-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने शुरुआत सही की थी। आक्रमण और रक्षण के बीच सही संतुलन बनाते हुए बढ़त बना ली थी लेकिन मलयेशियाई जोड़ी ने अगले छह में से पांच अंक बटोरते हुए एक अंक की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद सात्विक-चिराग ने 15-12 से आगे हो गए थे लेकिन विपक्षी जोड़ी ने फिर वापसी की और सात अंक जीतते हुए पहला गेम अपने नाम कर लिया था। दूसरे गेम में मलयेशियाई जोड़ी ने शुरुआत में ही 5-0 की बढ़त बना ली। उसके बाद भारतीय जोड़ी ने स्कोर 4-8 किया और नेट पर अच्छी टक्कर के बीच स्कोर 7-8 कर दिया। मध्यांतर के समय मलयेशिया की जोड़ी 11-10 से आगे थी। एक समय स्कोर 13-13 से बराबरी पर था लेकिन फिर गोह और नूर 17-14 से आगे निकल गए। जल्द ही स्कोर 20-14 हो गया और मलयेशियाई जोड़ी जीतने में सफल रही।

अर्जुन पुरस्कार मिलने के बावजूद राज्य सरकार की अनदेखी से खफा हैं पैरा तीरंदाज राकेश, जताई निराशा

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। पेरिस पैरालंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले राकेश कुमार का हौसला अर्जुन पुरस्कार मिलने के बाद सातवें आसमान पर है लेकिन खेलों से देश का नाम रोशन करने वाला यह पैरा तीरंदाज जम्मू कश्मीर सरकार से किसी तरह की मदद नहीं मिलने से निराश है। राकेश कुमार और शीतल देवी की जोड़ी ने पेरिस 2024 पैरालंपिक में मिश्रित कंपाउंड ओपन तीरंदाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। भारतीय जोड़ी ने इटली के एलोनोरा सार्टी और माटेओ बोनासिना के खिलाफ रोमांचक मैच में 156-155 के स्कोर के साथ एक अंक से जीत हासिल की थी। पेरिस ओलंपिक की सफलता के बाद जम्मू कश्मीर के इस 40 साल के तीरंदाज को

शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। साल 2013 में एक दुर्घटना के बाद राकेश के शरीर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया था और तब से व्हीलचेयर पर आ गए थे। राकेश ने 'भाषा' को दिये साक्षात्कार में अर्जुन पुरस्कार मिलने पर खुशी जताई हुए कहा कि उनकी मेहनत रंग लाई।

जम्मू में 'श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड' की खेल सुविधा में प्रशिक्षण लेने वाले राकेश ने कहा, देश में खेलों से जुड़े सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक हासिल करने की काफी खुशी है। इस पुरस्कार और पहचान से लगता है कि हमने पिछले सात साल में जो मेहनत की है वह सफल रही। राकेश ने कहा कि अर्जुन पुरस्कार पाने वाला अपने राज्य का पहला पुरुष होने के बावजूद उन्हें राज्य सरकार से कोई भी मदद नहीं मिली है। राकेश ने कहा, जब से अर्जुन पुरस्कार की घोषणा हुई है मेरे पास बधाई संदेशों का तांता लगा हुआ है लेकिन राज्य सरकार के लिए शायद मेरी उपलब्धि का कोई मतलब नहीं। मैं पिछले सात साल से देश के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत रहा हूं लेकिन अभी तक मुझे राज्य सरकार से कोई आर्थिक मदद नहीं मिली है।

इंदिरा गांधी स्टेडियम की अव्यवस्था से खफा हुई मिया ब्लिचफेल्ट

दिल्ली के प्रदूषण पर भी की बात

नई दिल्ली, 19 जनवरी (एजेंसियां)। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम की स्थितियों की आलोचना की। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के प्रदूषण स्तर को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया।

दरअसल, ब्लिचफेल्ट को पेट में संक्रमण हो गया था। वह दूसरे दौर में चीन की वांग झी यी से 21-13, 16-21, 8-21 से हार गई थीं। ब्लिचफेल्ट ने इंस्टाग्राम पर लिखा, भारत में एक लंबे और तनावपूर्ण सप्ताह के बाद आखिरकार घर पहुंच गई हूं। यह लगातार दूसरा वर्ष है जबकि इंडिया ओपन के दौरान मैं बीमार पड़ गई थी। उन्होंने कहा, यह स्वीकार करना वाकई मुश्किल है कि कई हफ्तों की मेहनत और तैयारी खराब परिस्थितियों के कारण बर्बाद हो जाती है। यह किसी के लिए भी उचित नहीं है कि हमें धुंध, कोर्ट पर पक्षियों द्वारा फैलाई गई गंदगी और हर तरफ गंदगी के बीच अभ्यास करना और खेलना पड़ा। डेनमार्क की इस खिलाड़ी में विश्व बैडमिंटन महासंघ को टैग करते हुए लिखा, इस तरह की स्थितियां स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और अस्वीकार्य हैं। मुझे खुशी है कि मैं पहले दौर में जीत हासिल करने में सफल रही और दूसरे दौर में भी मैंने अच्छा खेल दिखाया लेकिन जिस तरह की स्थिति थी उससे मैं संतुष्ट नहीं हूं।

नीदरलैंड के अनीश को हराकर गुकेश ने मास्टर्स टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की, महिलाओं में वैशाली भी जीतीं

खेल डेस्क, 19 जनवरी (एजेंसियां)। हाल ही में खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने वाले स्टार भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विषम परिस्थितियों से उबर कर नीदरलैंड को अनीश गिरी को हराया और टाटा स्टील शतरंज मास्टर्स टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाले गुकेश भारत के सर्वोच्च खेल पुरस्कार लेने के बाद एम्स्टर्डम के लिए रवाना हुए थे और मैच से ठीक पहले ही वहां पहुंचे।

गुकेश उन चार भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खेल रत्न पुरस्कार दिया गया था। गुकेश पर मैच के दौरान थकान दिख रही थी जिसका असर उनके गेम पर भी पड़ रहा था। एक वक्त गुकेश हार की स्थिति में दिख रहे थे, लेकिन इसके बाद वह बाजी पलटने में सफल रहे और उन्होंने अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। ओपन वर्ग में पहले दौर में तीन बाजियों का ही परिणाम निकला। भारत के हरिकृष्णा ने अपने सफेद मोहरों का भरपूर उपयोग करते हुए हमवतन और दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी को हराया। लियोन ल्यूक मेंडोंका ने लगभग जीती हुई स्थिति हाथ से निकल जाने दी, क्योंकि उन्होंने कई गलतियां कीं, जिससे जर्मनी के विंसेंट कीमर को

विजयी शुरुआत मिली, जबकि आर प्रज्ञानंद ने नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ अपना मुकाबला ड्रॉ खेला।

वैशाली जीतीं, दिव्या को मिली हार

पहले दौर की अन्य बाजी भी बराबरी पर छूटी। चीन के गत चैंपियन वेई यी ने अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त फैबियानो कारूआना के साथ, नीदरलैंड के मैक्स वार्मरडैम ने सर्बिया के एलेक्सी सारना के साथ और एक अन्य स्थानीय खिलाड़ी जॉर्डन वैन फॉरेस्ट ने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव के साथ अंक बांटे। चैलेंजर्स वर्ग में आर वैशाली ने विश्व के सबसे कम उम्र के अंतरराष्ट्रीय मास्टर अर्जेंटीना के ओरो फॉस्टिनो को हराकर विजयी शुरुआत की, लेकिन दिव्या देशमुख अपने से ऊंची रैंकिंग वाली उज्बेकिस्तान की नोदिरबेक याकुबोएव से हार गईं।

अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप 2025: भारत ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से पहला मैच हराया

कुआला लंपुर, 19 जनवरी (एजेंसियां)। अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने विजयी आगाज किया है। रविवार को टीम ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हरा दिया। कुआला लंपुर में विंडीज ने पहले बैटिंग की, लेकिन टीम 44 रन ही बना सकी। भारत ने महज 4.2 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

भारत की कप्तान निकी प्रसाद ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। वेस्टइंडीज ने शुरुआती 3 ओवर में एक भी विकेट नहीं गंवाया था। चौथे ओवर में कप्तान समारा रामनाथ 3 रन बनाकर आउट हुईं, इस वक्त टीम का स्कोर 10 रन था। यहां से वेस्टइंडीज का बिखरना शुरू हो गया। टीम से ओपनर असाबी

कैलेंडर ने 12 और केनिका कासार ने 15 रन बनाए। वेस्टइंडीज की 5 बैटर्स खाता भी नहीं खोल सकीं, वहीं 4 बैटर्स 5 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाईं। टीम 13.2 ओवर में 44 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारत से पारुणिका सिसोदिया ने 7 रन देकर 3 विकेट लिए। वीजे जोशिथा ने 5 रन देकर 2 विकेट और आयुषी शुक्ला ने 6 रन देकर 2 विकेट लिए। 3 बैटर्स रनआउट भी हुईं। 45 रन के टारगेट का पीछा करने उतरीं इंडिया विमेंस के लिए गोंगडी त्रिषा ने पहले बॉल पर चौका लगाया। हालांकि, वह दूसरी ही गेंद पर जाहजारा क्लैक्सटन को विकेट दे बैठीं। उनके बाद विकेटकीपर जी कमलिनी ने 13 गेंद पर 16 और सानिका चाल्के ने 11 गेंद पर 18 रन बनाए। टीम ने महज 4.2 ओवर में 47 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया।

कांस्टेबलों को धैर्य और सहनशीलता की आवश्यकता : सीवी आनंद

सीएआर कांस्टेबलों के साथ बातचीत सत्र आयोजित

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय की सीमाओं के अंतर्गत कानून और व्यवस्था तथा अन्य विभागों के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए सी.वी. आनंद, पुलिस आयुक्त हैदराबाद ने सीएआर मुख्यालय, हैदराबाद में कार्यरत 573 एआर पुलिस कांस्टेबलों (महिला–223 और पुरुष–350) को हैदराबाद शहर के सभी 71 कानून और व्यवस्था पुलिस स्टेशनों–284, यातायात विभाग–225, विशेष शाखा–25, टास्क फोर्स–25, एच न्यू–8, साइबर अपराध–6 में संलग्न करने के आदेश जारी किए हैं।

आईसीसीसी बिल्डिंग, रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स, ऑडिटोरियम, हैदराबाद में 573 संलग्न सीएआर कांस्टेबलों के साथ एक बातचीत सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के बाद 450 सिविल कांस्टेबल और 873 सीएआर कांस्टेबल ड्यूटी के लिए रिपोर्ट किए। 200 कांस्टेबलों की अतिरिक्त 10 प्लाटून और 100 कांस्टेबलों को ड्राइवर के रूप में आवंटित करने के बाद, शेष 573 को कुछ रिक्तियों को भरने और नागरिक पुलिस कर्तव्यों को करने के लिए अधिक हाथ प्रदान करने के लिए पुलिस स्टेशनों, यातायात और अन्य विंगों में लगाया जा रहा है। उनकी इच्छा और ट्रैक रिकॉर्ड

और वरिष्ठता के आधार पर, उन्हें पुलिसिंग और कानूनों के विभिन्न पहलुओं और नागरिकों के साथ बातचीत करने के तरीके में तीन सप्ताह के लिए आवंटित और प्रशिक्षित किया गया।

इस अवसर पर, हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने कहा कि आपको नागरिक पुलिस के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक नागरिक पुलिस अधिकारी का काम हमेशा जनता के साथ काम करना शामिल है। आपको बहुत धैर्य और सहनशीलता की आवश्यकता है, आपको विभिन्न वर्गों के लोगों के बीच काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक अनुलग्नक है और उन्हें वरिष्ठता या रूपांतरण के किसी भी अधिकार का हकदार नहीं बनाता है और यह नागरिक पुलिस की भारी कमी को दूर करने के लिए किया जा रहा है जो पुलिस स्टेशनों में गश्त और बुनियादी कर्तव्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने कहा कि हम हैदराबाद के आर्थिक विकास के लिए सूत्रधार हैं, हमें हैदराबाद में कानून और व्यवस्था को नियंत्रण में रखने और अपराधों को रोकने की जरूरत है। इसलिए अपराधों को रोकने के लिए गश्त बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारे हैदराबाद शहर को शांतिपूर्ण रखा जाना चाहिए, तभी हमारे राज्य में निवेश आएगा, जीडीपी बढ़ेगी और हमारी राजधानी हैदराबाद शहर का अच्छा नाम होगा, उन्होंने कहा कि इसके लिए हमने हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय के विभागों को मजबूत करके यह निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि चूंकि आप फील्ड स्तर पर काम करते हैं, इसलिए आपको लगातार सतर्क रहना चाहिए और आपको सौंपे गए कर्तव्यों को ठीक से निभाना चाहिए।

उन्होंने सलाह दी कि जब भी आपको कोई छोटी सूचना मिले या ड्यूटी के दौरान कोई घटना दिखे, तो आपको इसे नज़रअंदाज़ किए बिना तुरंत उच्च अधिकारियों को सूचित करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप ट्रैफिक जंक्शनों पर लापरवाही करते हैं, तो ट्रैफिक जाम होने की संभावना है, इसलिए लापरवाही न करें। आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप जिस स्थान पर काम कर रहे हैं, वहां के स्थानीय लोगों और बुजुर्गों के साथ आपका व्यवहार दोस्ताना हो।

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त ने अनुरोध किया कि आप सभी को हमारे द्वारा लिए गए इस निर्णय के लिए एक आदर्श बनना चाहिए। कार्यक्रम में विक्रम सिंह मान एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर, श्रीमती परिमाला हाना नूतन आईपीएस ज्वाइंट सीपी एडमिन, श्रीमती रक्षिता कृष्ण मूर्ति डीसीपी सीएआर हेड क्वार्टर हैदराबाद और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

अंतरराज्यीय गांजा ट्रांसपोर्टर गिरफ्तार, 15 लाख का गांजा बरामद

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण–पूर्व जोन टीम, हैदराबाद के अधिकारियों ने चादरघाट पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों के साथ राजू जाट नाम के एक अंतरराज्यीय गांजा ट्रांसपोर्टर को पकड़ा। उसके पास से 62 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। बरामद गांजे का मूल्य 15 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है। एक सूचना के आधार पर कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण–पूर्व जोन की टीम ने चदरघाट पुलिस के साथ मिलकर राजू जाट उर्फ राजू नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसके पास चदरघाट पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत नलगोंडा चौराहे के पास पोस्ट ऑफिस लेन में प्रतिबंधित पदार्थ यानी सूखा गांजा था। उससे पूछताछ करने पर पता चला कि पिछले पांच सालों से वह अपने ग्राहकों को गांजा सप्लाई करने में लिप्त है। वह नियमित रूप से सुभाष निवासी चित्रकोंडा, ओडिशा राज्य से गांजा खरीदता है और अपने परिचित ग्राहक पुरुषोत्तम निवासी राजुरा (वी), चंद्रपुर (डी), महाराष्ट्र को सप्लाई करता है। कुछ दिन पहले पुरुषोत्तम ने 62 किलोग्राम गांजा का ऑर्डर दिया था। वह चित्रकोंडा, ओडिशा, मलकानगिरी गया और सुभाष से 62 किलोग्राम गांजा खरीदा और उसी दिन रामागुंडम आ गया। बीते कल यानी 18 जनवरी को वह निजी बस से हैदराबाद आया और वह ऑटो से काचीगुडा रेलवे स्टेशन जाने के लिए हैदराबाद के चादरघाट में नलगोंडा चौराहे के पास पोस्ट ऑफिस लेन में खड़ा था। वहां से वह ट्रेन से चंद्रपुर जाना चाहता था। इसी बीच पुलिस ने उसे प्रतिबंधित सामान के साथ पकड़ लिया। इससे पहले वह इसी तरह के मामलों में शामिल रहा है। इस मामले में, अन्य आरोपी सुभाष निवासी चित्रकोंडा, ओडिशा राज्य और पुरुषोत्तम निवासी राजुरा (वी)। चंद्रपुर (डी) महाराष्ट्र को अभी गिरफ्तार किया जाना बाकी है।

एमडी ने मेडचल और शमीरपेट मेट्रो रेल कॉरिडोर का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल और शमीरपेट तक मेट्रो रेल कॉरिडोर के संरेखण में कुछ तकनीकी मुद्दों को हल करने के लिए, हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो लिमिटेड (एचएएमएल) के एमडी एनवीएस रेड्डी ने रविवार को वरिष्ठ इंजीनियरों और तकनीकी सलाहकारों के साथ उनका निरीक्षण किया।

पैराडाइज से बोवेनपल्ली तक हवाई अड्डे की सीमा के साथ सड़क की तीव्र वक्रता और हवाई अड्डे के अधिकारियों के आग्रह के कारण, एचएमडीए अपने एलिवेटेड कॉरिडोर के संरेखण को बेगमपेट हवाई अड्डे (ताड़बंद/बोवेनपल्ली की ओर) के रनवे से लगभग 600 मीटर नीचे एक सुरंग के माध्यम से ले जा रहा है। हालांकि, मेट्रो कॉरिडोर जो कि नियोजित एचएमडीए एलिवेटेड कॉरिडोर से दोगुनी ऊंचाई पर होगा, को सुरंग में गिराना और सुरंग के अंत के बाद इसे फिर से दोगुना एलिवेटेड स्तर पर उठाना मेट्रो रेल निर्माण के लिए कई इंजीनियरिंग जटिलताएं पैदा करेगा। इस जटिलता को हल करने और जेबीएस में एक विश्व स्तरीय एकीकृत मेट्रो रेल हब विकसित करने के लिए, सीएम रेवंत रेड्डी ने एचएएमएल के एमडी से शुरूआत में पैराडाइज–मेडचल और जेबीएस–शमीरपेट मेट्रो कॉरिडोर दोनों को मिलाने की व्यवहार्यता की जांच करने और उसके बाद इसे मेडचल और शमीरपेट के दो कॉरिडोर में विभाजित करने के लिए कहा। सीएम के सुझाव को ध्यान में रखते हुए, एमडी और उनकी टीम ने सर्वोत्तम संभव मेट्रो रेल संरेखण खोजने के लिए छावनी क्षेत्र की विभिन्न सड़कों पर पैदल यात्रा की। इन सड़कों में जेबीएस–सिकंदराबाद क्लब रोड, स्टाफ रोड (पिकेट केवी स्कूल रोड), मडफोर्ट रोड, टिवोली जंक्शन रोड, डायमंड प्वाइंट जंक्शन–सेंटर प्वाइंट जंक्शन–हसमथपेट जंक्शन–बोवेनपल्ली (सरोजिनी पुल्ला रेड्डी बंगला) रोड, ताड़बंद–अंजनेया स्वामी मंदिर रोड, ताड़बंद जंक्शन–एयरपोर्ट कार्यालय जंक्शन–बोवेनपल्ली चेक–पोस्ट रोड आदि शामिल थीं। निरीक्षण के दौरान, एनवीएस रेड्डी ने अपनी टीम को निम्नलिखित निर्देश दिए : सभी वैकल्पिक सड़कों के फायदे और नुकसान का मूल्यांकन किया जाएगा ताकि खड़ी मोड़ों से बचा जा सके, हवाई अड्डे के नीचे भूमिगत संरेखण की आवश्यकता हो और निजी संपत्तियों के अधिग्रहण को कम किया जा सके, संरेखण यथासंभव अधिक से अधिक आवासीय कॉलोनियों की जरूरतों को पूरा करेगा। बेहतर पार्किंग और अन्य यात्री सुविधाओं के लिए संभावित स्टेशन स्थानों और उनके आसपास खाली राज्य सरकार/रक्षा भूमि की उपलब्धता की पहचान की जाएगी। निरीक्षण के दौरान, जेबीएस में शुरूआत में दोनों मेट्रो कॉरिडोर को जोड़ना फायदेमंद पाया गया। इस तरह, हवाई अड्डे के नीचे एक सुरंग के माध्यम से मेट्रो संरेखण को ले जाने की आवश्यकता और इसके परिणामस्वरूप इंजीनियरिंग जटिलताओं से बचा जा सकता है और संरेखण को बोवेनपल्ली (सरोजिनी पुल्ला रेड्डी बंगले से सटे) सड़क के अंत में एनएच जंक्शन पर जोड़ा जा सकता है। इसके बाद, निर्माणाधीन एनएच फ्लाईओवर को बाधित किए बिना पहले से ही चौड़ी की गई सर्विस रोड के मध्य में मेट्रो पिलर और वायडक्ट का निर्माण किया जा सकता है।

तेलंगाना में आरोग्यश्री स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भर में निजी अस्पतालों में आरोग्यश्री स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं, क्योंकि पिछले 10 दिनों से मरीज गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध न होने के कारण परेशान हैं। राज्य सरकार द्वारा उनकी किसी भी मांग को पूरा करने में विफल रहने के कारण, तेलंगाना आरोग्यश्री नेटवर्क हॉस्पिटल्स एसोसिएशन (टीएएनएचए) के अंतर्गत निजी अस्पतालों ने 10 जनवरी से चिकित्सा सेवाएं निलंबित कर रखी हैं।

परिणामस्वरूप, आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा के तहत आम जनता, कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ईएचएस) के तहत सरकारी कर्मचारियों और पत्रकार स्वास्थ्य योजना (जेएचएस) के लिए सभी स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं छोटे और मध्यम आकार के अस्पतालों में निलंबित बनी हुई हैं। रविवार को हैदराबाद में (टीएएनएचए) के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने एक बार फिर अपनी मांग दोहराई कि राज्य सरकार को 1200 करोड़ रुपये के लंबित चिकित्सा बिल तुरंत जारी करने चाहिए।

नए आईटी पार्क के लिए 450 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा

सिंगापुर/ हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगापुर में मुख्यालय और सूचीबद्ध एक अग्रणी वैश्विक रियल एस्टेट निवेश और विकास कंपनी, कैपिटललैंड ग्रुप ने हैदराबाद में एक अत्याधुनिक 1 मिलियन वर्ग फुट आईटी पार्क विकसित करने के लिए 450 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है।

यह घोषणा सिंगापुर में एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद की गई, जिसमें मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, आईटी मंत्री डी श्रीधर बाबू, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। हैदराबाद को एक व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए, आगामी परियोजना हैदराबाद में कैपिटललैंड की व्यापक विकास पाइपलाइन का हिस्सा है। यह नई परियोजना वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और प्रीमियम सुविधाओं की मांग करने वाली ब्लू–चिप कंपनियों की बढ़ती मांग को पूरा करेगी। घोषणा पर बोलते हुए, गौरी शंकर नागभूषणम ने कहा, हैदराबाद ने लगातार व्यापार वृद्धि के लिए मजबूत क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिसे तेलंगाना सरकार की प्रगतिशील नीतियों और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के गतिशील नेतृत्व का समर्थन प्राप्त है। हम हैदराबाद में अपने पदचिह्न का विस्तार करने के लिए उत्साहित हैं, इसके जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाते हुए टिकाऊ और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं। निवेश निर्णय का स्वागत करते हुए, मुख्यमंत्री ने इसे एक अग्रणी व्यवसाय और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में हैदराबाद की स्थिति को मजबूत करने में एक मील का पत्थर बताया है। कैपिटालैंड समूह के बारे में कैपिटालैंड समूह सिंगापुर में मुख्यालय वाली एक अग्रणी वैश्विक रियल एस्टेट निवेश और विकास कंपनी है। इसका विविध पोर्टफोलियो खुदरा, कार्यालय, आवास, रसद, डेटा केंद्र और बहुत कुछ फैला हुआ है। भारत में, कैपिटालैंड हैदराबाद में तीन प्रमुख व्यावसायिक पार्क संचालित करता है। इंटरनेशनल टेक पार्क हैदराबाद (आईटीपीएच), एवेंस हैदराबाद और साइबरपर्ल। हैदराबाद में कैपिटललैंड द्वारा पहले घोषित 25 मेगावाट आईटी लोड डेटा सेंटर 2025 के मध्य तक चालू होने की राह पर है, जो भारत में डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए हैदराबाद के एक महत्वपूर्ण नोड के रूप में उभरने को रेखांकित करता है। इंटरनेशनल टेक पार्क हैदराबाद (आईटीपीएच) में पुनर्विकास का दूसरा चरण इस साल शुरू होने वाला है, जिसके 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

कविता ने निजामाबाद में हल्दी बोर्ड की स्थापना का स्वागत किया

निजामाबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी कलवकुंतला कविता ने हल्दी बोर्ड की स्थापना का स्वागत किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि यह हल्दी किसानों के कल्याण के लिए अंतिम समाधान नहीं है। उन्होंने तीन–आयामी दृष्टिकोण का आह्वान किया, जिसमें 15,000 रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का तत्काल कार्यान्वयन, सख्त आयात प्रतिबंध और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए हल्दी आधारित उद्योगों के लिए मजबूत समर्थन शामिल है।

आज यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, कविता ने 15,000 रुपये के एमएसपी की लंबे समय से चली आ रही मांग पर जोर दिया और केंद्र सरकार से इस महत्वपूर्ण कदम को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कांग्रेस से रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति देने के लिए निजामाबाद में हल्दी आधारित उद्योग लाने पर ध्यान केंद्रित करने का भी आह्वान किया। केसीआर के शासन में जकरनपल्ली में हवाई अड्डे के लिए आवंटित 800 एकड़ भूमि पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने इसके त्वरित विकास की मांग की और केंद्र से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि यह एक खोखला चुनावी वादा न बनकर रह जाए। कविता ने ऑफ–सीजन अवधि के दौरान किसानों को समर्थन देने के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला, जब बाजार की कीमतें प्रतिकूल होती हैं। उन्होंने कहा, जब हल्दी का मौसम होता है, तो कीमतें स्वाभाविक रूप से किसानों का ख्याल रखती हैं। यह पीला सोना है। लेकिन ऑफ–सीजन के दौरान उन्हें हमारी सबसे अधिक आवश्यकता होती है, और यही वह समय होता है जब एमएसपी आवश्यक हो जाता है। उन्होंने सरकार और विपक्ष दोनों से किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया, इस बात पर जोर देते हुए कि उन्हें वास्तव में लाभान्वित करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

उन्होंने आलोचना की कि हल्दी बोर्ड का उद्घाटन राज्य सरकार और राज्य के कृषि मंत्री सहित स्थानीय प्रतिनिधियों को छोड़कर किया गया था, और कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों को जनता ने अनदेखा नहीं किया है। हल्दी किसानों के लिए अपने प्रयासों को याद करते हुए, कविता ने किसानों के साथ अपने पुराने संबंधों को साझा किया, जो 2014 से पहले का है। किसान एक दशक से अधिक समय से हल्दी बोर्ड की वकालत कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस और भाजपा दोनों ही वादे करने के बावजूद इसे पूरा करने में विफल रहीं। उनके मुद्दे को उठाते हुए, मैंने सांसद चुने जाने पर उनकी चिंताओं को दूर करने का संकल्प लिया। 2014 से 2018 तक, मैंने हल्दी बोर्ड की स्थापना के लिए अथक प्रयास किया, निर्मला सीतारमण को पत्र लिखे, दो बार प्रधानमंत्री से मुलाकात की और एक मसाला पार्क और हल्दी आधारित उद्योगों के लिए दबाव डाला। कविता ने घरेलू किसानों पर सस्ते हल्दी आयात के नकारात्मक प्रभाव की ओर इशारा किया, जो 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से दोगुना हो गया है। आयात, जो 2014 में आठ लाख क्विंटल था, लगातार बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय किसानों के लिए बड़ी चुनौतियां पैदा हो रही हैं। उन्होंने सांसद अरविंद के विरोधाभासी रुख पर भी कटाक्ष किया, याद दिलाया कि कैसे उन्होंने 2019 में पांच दिनों के भीतर हल्दी बोर्ड की स्थापना करने का वादा किया था, लेकिन बाद में दावा किया कि मसाला बोर्ड एक बेहतर विकल्प था। हालांकि, उनके नेतृत्व में मसाला बोर्ड भी नहीं बन पाया। सांसद के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए, उन्होंने मसाला बोर्ड के लिए एक अलग स्थान हासिल करने के लिए अपने व्यापक प्रयासों को श्रेय दिया और केसीआर के समय शुरू की गई पहलों का श्रेय लेने की कोशिश करने के लिए भाजपा की आलोचना की।

कंचनबाग में बाइक दुर्घटना में 2 की मौत

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात कंचनबाग में सड़क पर लापरवाही से लगाए गए बैरिकेड्स से मोटरसाइकिल टकराने से दो व्यक्तियों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। बीएन रेड्डीनगर निवासी और मिर्यालगुडा के मूल निवासी सी साई अखिल (22) और करमनघाट निवासी और नगरकर्नूल के मूल निवासी पी मधु (24) अपने दोस्त शिव कुमार के साथ डीएमआरएल चौराहे से चंद्रयानगुट्टा की ओर बाइक से जा रहे थे।

लोक मंथन की सफलता गर्व की बात है : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि यह गर्व की बात है कि हैदराबाद में लोक मंथन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य छात्रों और भावी पीढ़ियों को जंगलों में रहने वालों की जीवनशैली और अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूक करना है। किशन रेड्डी एबिड्स के स्टैंडली कॉलेज में आयोजित लोक मंथन भाग्यनगर 2024 सक्सेस मीट में मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि यह सराहनीय है कि हैदराबाद में राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने छात्रों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और मीडिया को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। यह जानकर खुशी हुई कि शहर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों ने स्वेच्छा से तीन लाख छात्रों को लोक मंथन परिसर में आयोजित विभिन्न प्रदर्शनियों में भेजा है। छात्रों ने वहां आयोजित प्रदर्शनी स्टॉल देखे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोक मंथन के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रवाद की भावना पैदा करना तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करना है।

सांसद ईटेला ने दिव्यांगों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली के अखिल भारतीय दृष्टिहीन परिसंघ के उपाध्यक्ष पोनुगोटी चोक्का राव ने दिव्यांगों के कल्याण संघ द्वारा कुतुबुल्लापुर मंडल के सुरराम स्थित उनके संघ भवन में आयोजित लुई ब्रेल जन्मदिवस समारोह में भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में मलकाजगिरी निर्वाचन क्षेत्र के सांसद ईटेला राजेंद्र मुख्य अतिथि थे। केंद्र और राज्यों में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए स्वतंत्र राज्य आयुक्त की नियुक्ति, दृष्टिहीनों के लिए आयकर छूट में वृद्धि और सभी राज्यों में दृष्टिहीनों के लिए 3 भाषाओं को अनिवार्य बनाने जैसे लंबे समय से लंबित मुद्दों के बारे में सांसद को एक ज्ञापन सौंपा गया। सांसद ने हमारे ज्ञापन को स्वीकार कर लिया। सांसद ने सुरराम कॉलोनी में दिव्यांगों के कल्याण संघ की पहली मंजिल के निर्माण में हरसंभव मदद करने पर भी सहमति जताई है।

एआईपीओसी में भाग लेने के लिए स्पीकर बिहार रवाना

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के सभापति गुथा सुखेंद्र रेड्डी और उपसभापति प्रकाश मुदिराज 20 और 21 जनवरी को पटना में आयोजित होने वाले 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) में भाग लेने के लिए बिहार रवाना हुए। विधानसभा सचिव डॉ.वी नरसिम्हा चार्युलु और अन्य अधिकारी भी दौरे में भाग ले रहे हैं। रविवार को प्रसाद कुमार और उनका प्रतिनिधिमंडल आंध्र प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष चिंतकयाला अय्यन्नापत्रुडु और उपसभापति रघुरामकृष्ण राजू के साथ शमशाबाद हवाई अड्डे से बिहार के लिए रवाना हुआ।

मुख्यमंत्री के विदेश दौरों से राज्य को कोई लाभ नहीं : बीआरएस

हैदराबाद, 19 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुतुबुल्लापुर विधायक के.पी. विवेकानंद ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विदेश दौरों से राज्य को एक रुपये का भी लाभ नहीं हो रहा है। आज यहां तेलंगाना भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की टीम यह झूठा प्रचार कर रही है कि उनके विदेश दौरों से निवेश आने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने झूठ बोलकर राज्य के लोगों को धोखा दिया है कि उनके अमेरिका और दावोस दौरे से राज्य में बहुत सारे निवेश आए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की फितरत लोगों को धोखा देने की है। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा कि उद्योगपति गौतम अदाणी से 12,000 करोड़ रुपये के निवेश के वादे का क्या हुआ। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार अब तक केवल 862 करोड़ रुपये का निवेश लाने में सफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि फार्मा सिटी, एयरपोर्ट मेट्रो परियोजना और फॉर्मूला ई–कार रेस इवेंट को रद्द करने के सीएम के फैसले से राज्य को अपूरणीय क्षति होगी। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं ने देवताओं के खिलाफ शपथ लेकर और कर्ज माफी का वादा करके किसानों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि (9,000 करोड़ रुपये), वेबवर्क्स कंपनी (5,200 करोड़) गोदरेज (1,270 करोड़ रुपये) जैसी कंपनियों द्वारा घोषित निवेश बीआरएस पार्टी के शासन के दौरान किए गए थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.